* वर्ष 40 * अंक 61 * प्रभात * पंजीयन सं. 46518/85 * पृष्ठ 8 * मूल्य ₹ 3 /- * संस्थापक : स्व. श्री कुंजबिहारी आचार्य

दैनिक पुकार

www.dainikpukar.com

उदयपुर गुरुवार दिनांक 28 नवम्बर 2024

दक्षिणी राजस्थान का प्रमुख हिन्दी दैनिक

मेवाड़ में शांति : धुणी दर्शन पर रॉयल फैमिली का विवाद थमा, सीएम के निर्देश पर जयपुर से आए अतिरिक्त सचिव गृह और एडीजी लॉ एंड ऑर्डर

पैलेस में लक्ष्य को साध विश्वराज को कराए धुणी दर्शन

उदयपुर (पुकार)। विश्वराजसिंह मेवाड़ के राजतिलक के बाद धुणी दर्शन और एकलिंगनाथ दर्शन की रस्में बुधवार को संपन्न हो गई। इसके साथ पिछले तीन दिनों से उदयपुर में हालात काफी बेहतर हुए। हालांकि विश्वराजसिंह ने बुधवार को पहले एकलिंगजी जाकर दर्शन किए वहां उनका शोक भंग किया गया। उसके बाद शाम को प्रशासन और पुलिस की सुरक्षा में चुनिंदा लोगों के साथ सिटी पैलेस जाकर धुणी के दर्शन किए। इस पूरे मामले में बड़ा विवाद सिटी पैलेस के अंदर मौजूद धुणी के दर्शन का था। 25 नवंबर को चित्तौड़ में राजतिलक के बाद शाम को उदयपुर पहुंचे विश्वराज सिंह सिटी पैलेस में धुणी दर्शन के लिए पहुंचें लेकिन कामयाब नहीं हो सके। इस दौरान पथराव जैसी घटना भी हो गई, इससे तीन दिनों से उदयपुर में तनाव की स्थिति थी। मामले में तनाव को बढ़ते देखकर जिला कलेक्टर अरविंद पोसवाल ने इस बारे में राज्य सरकार को बताया और राज्य सरकार से निर्देश मांगे। मामले की गंभीरता को देखते हुए राज्य सरकार ने अतिरिक्त मुख्य सचिव गृह आनंद कुमार, एडीजी लॉ एंड आर्डर विशाल बंसल को दोनों पक्षों से बातचीत करने के लिए उदयपुर भेजा। दोनों अधिकारियों ने उदयपुर में आईजी राजेश मीणा, जिला कलेक्टर अरविंद पोसवाल और एसपी योगेश गोयल को साथ लेकर सिटी पैलेस में पहले लक्ष्यराज सिंह मेवाड़ से चर्चा की। यहां धुणी दर्शन करवाने पर सहमति बनने पर ये अधिकारी समोर बाग पैलेस पहुंचे, जहां विश्वराज सिंह मेवाड़ और राजपूत समाज के प्रतिनिधियों से बात की। करीब आधे घंटे तक चली बातचीत में विश्वराज सिंह मेवाड़ के साथ-साथ देवव्रत सिंह सलूम्बर, घनश्याम सिंह बड़ीसादड़ी, जयवर्द्धन सिंह आमेट, राघवराज शिवरती के साथ सिटी पैलेस में धुणी के दर्शन पर सहमति बनी। इसके बाद प्रशासनिक और पुलिस अधिकारियो की भारी सुरक्षा के बीच मेवाड़ सहित पांच लोगों का प्रतिनिधिमंडल सुरक्षा काफिले के साथ पिछोला स्थित बड़ी पाल पर पहुंचा। विश्वराजसिंह के साथ कार में खुद कलेक्टर बैठे। बड़ी पाल पर सिटी पैलेस के गेट को खुलवाकर धुणी गए, जहां परम्परानुसार दर्शन किए और नारियल चढ़ाकर धोक लगाने के बाद पुनः गाड़ियों में सवार होकर सुरक्षा के बीच में बड़ी पाल वाले रास्ते से होते हुए दूधतलाई स्थित पाला गणेशजी मंदिर तक पहुंचे। यहां विश्वराजसिंह ने पाला गणेशजी के दर्शन कर आशीर्वाद लिया। समर्थकों ने जमकर आतिशबाजी की। यहां से विश्वराज सिंह मेवाड़, देवव्रत सिंह, रणधीर सिंह भींडर एक खुली जीप में सवार हुए और जुलूस के रूप में समोर बाग पैलेस की ओर रवाना हुए। विश्वराज सिंह के समर्थक खुली जीप के आगे चल रहे थे और मेवाड़ के समर्थन में जमकर नारेबाजी कर रहे थे। इसके साथ ही आतिशबाजी भी कर रहे थे। जुलूस के साथ विश्वराज सिंह मेवाड़ अपने निवास स्थान पर पहुँचे, जहां पर राजपूत समाज के मौतबीरों ने उनका जमकर स्वागत किया और बधाईयां दी।

एकलिंगजी में हुआ शोक भंग

विश्वराज सिंह मेवाड़ ने बुधवार को एकलिंगजी मंदिर में जाकर दर्शन किए। इस दौरान मेवाड़ ने रास्ते में कई स्थानों पर धार्मिक स्थानों पर दर्शन किए। दोपहर बाद विश्वराज सिंह मेवाड़ ने मेवाड़ के आस-पास के ठिकानेंदारों का शोक भंग करवाते हुए पाग बदलाई की परम्परा को निभाया।

सिटी पैलेस के बाहर रहे सुरक्षा के कड़े इंतजाम

इससे पहले बुधवार सुबह भी सिटी पैलेस के गेट बंद रहे। किसी भी विवाद से निपटने के लिए सिटी पैलेस के बाहर, समोर बाग के बाहर पुलिस के कड़े सुरक्षा इंतजाम किए गए। सिटी पैलेस के आसपास तो धारा-163 (पहले 144) लागू है।

लक्ष्यराज बोले- सरकार और प्रशासन का शुक्रिया

पूर्व राजपरिवार के सदस्य लक्ष्यराज सिंह मेवाड़ ने कहा- मैं सरकार और प्रशासन का शुक्रिया करना चाहता हूं। हर एक व्यक्ति से लेकर सरकार के लोगों को कहना चाहता हूं कि उन्होंने सौहार्दपूर्ण माहौल बनाए रखा। गुंडागर्दी का माहौल नहीं बनने दिया। एक व्यक्ति विशेष के घमंड और गुरूर की वजह से जनता परेशान हो रही थी। अब पूरा शहर दोबारा शांतिपूर्ण माहौल में वापसी कर रहा है।

लक्ष्यराज ने कहा- पूरे मामले में अहम भूमिका रही इज्जत की, अहम भूमिका रही कदर की। पहले दिन से यही कह रहे हैं कि हजारों लोगों को लेकर दरवाजे पर खड़े हो जाओ और घुस जाओ। प्रशासन के लोगों ने बड़े ही संयम का काम किया। एक बात सभी को समझनी पड़ेगी कि बेवजह हिंसा के प्रशंसक हम भी नहीं हैं, पर समझ ले दुनिया नपुंसक नहीं हैं।

अजमेर दरगाह में शिव मंदिर दावे वाली याचिका कोर्ट में स्वीकार

अदालत ने मामले को सुनने योग्य माना, दरगाह कमेटी समेत 3 पक्षकारों को नोटिस

अजमेर (पुकार)। अजमेर की ख्वाजा मोइनुद्दीन चिश्ती की दरगाह में संकट मोचन महादेव मंदिर होने का दावा करने वाली याचिका अजमेर सिविल कोर्ट ने स्वीकार कर ली। बुधवार को अदालत ने इसे सुनने योग्य माना है। हिंदू सेना के राष्ट्रीय अध्यक्ष विष्णु गुप्ता की ओर से यह याचिका लगाई गई है। सिविल कोर्ट ने अल्पसंख्यक मंत्रालय, दरगाह कमेटी अजमेर और भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण विभाग (एएसआई) को नोटिस भेजा है। मामले में अगली सुनवाई 20 दिसंबर को होगी। याचिका में रिटायर्ड जज हरबिलास सारदा की 1911 में लिखी किताब अजमेर- हिस्टॉरिकल एंड डिस्क्रिप्टिव का हवाला देते हुए दरगाह के निर्माण में मंदिर का मलबा होने का दावा किया गया है। साथ ही गर्भगृह और परिसर में एक जैन मंदिर होने की बात कही गई है।

इन दस्तावेज के आधार पर किया दावा

पूर्व जज हरबिलास सारदा की किताब अजमेर : हिस्टॉरिकल एंड डिस्क्रिप्टिव

भारत में सूफीवाद का इतिहास

हिंदू सेना के राष्ट्रीय अध्यक्ष विष्णु गुप्ता ने बताया, आप अजमेर दरगाह के आसपास घूमेंगे तो देखेंगे कि बुलंद दरवाजे पर हिन्दू परंपरा की नक्काशी की गई है। वहीं, जहां शिव मंदिर होता है, वहां झरना, पेड़ आदि जरूर होते हैं। पानी वहां जरूर होता है। ऐसे में पुरातत्व विभाग से भी अपील की है कि वे यहां जांच करें।

सिविल कोर्ट में 38 पेज की याचिका दाखिल

अजमेर के एडवोकेट रामस्वरूप बिश्नोई ने बताया, कोर्ट में 38 पेज की याचिका दाखिल की गई है। इसमें कहा गया है कि ख्वाजा मोइनुद्दीन चिश्ती की दरगाह में शिव मंदिर है। दरगाह की बनावट और शिव मंदिर के प्रमाण के संबंध में भी सबूत पेश किए गए हैं।

याचिका में दरगाह परिसर की एएसआई से सर्वे कराने की अपील की गई है। साथ ही मध्यप्रदेश में धार की भोजशाला, बनारस और अन्य जगहों का उदाहरण भी दिया गया है। याचिका में दरगाह कमेटी, अल्पसंख्यक मंत्रालय और पुरातत्व विभाग को पक्षकार बनाया गया है। दरगाह कमेटी ने क्षेत्र में किए गए निर्माण को अवैध बताते हुए कब्जे हटाने और मंदिर में पूजा अर्चना का अधिकार दिलाने की मांग की गई है। हिंदू सेना की तरफ से एडवोकेट रामस्वरूप बिश्नोई और ईश्वर सिंह ने बहस की।

'सारे दावे झूठे और निराधार'

अजमेर दरगाह प्रमुख उत्तराधिकारी और ख्वाजा साहब के वंशज नसरुद्दीन चिश्ती ने कहा- कुछ लोग सस्ती मानसिकता के चलते ऐसी बातें कर रहे हैं। कब तक ऐसा चलता रहेगा। आए दिन हर मस्जिद दरगाह में मंदिर होने का दावा किया जा रहा है। ऐसा कानून आना चाहिए कि इस तरह की बातें न की जाएं। ये सारे दावे झूठे और निराधार हैं।

हरबिलास सारदा की किताब की बात छोड़ दें तो क्या 800 साल पुराने इतिहास को नहीं नकारा जा सकता है। यहां हिंदू राजाओं ने अकीदत की है, अंदर जो चांदी (42,961 तोला) का कटहरा है वो जयपुर महाराज का चढ़ाया हुआ है। ये सब झूठी बातें हैं। भारत सरकार में पहले ही 1950 में जस्टिस गुलाम हसन की कमेटी क्लीन चिट दे चुकी है। इसके तहत दरगाह की एक-एक इमारत की जांच की जा चुकी है।

अजमेर दरगाह में मंदिर दावे पर बोली अंजुमन समिति

3 साल पहले की साजिश, संभल का दिया हवाला

अजमेर। अजमेर के ख्वाजा मोइनुद्दीन हसन चिश्ती की दरगाह में शिव मंदिर होने का दावा करते हुए दाखिल वाद पर स्थानीय अदालत ने बुधवार को तीन पक्षकारों को नोटिस जारी करने के निर्देश दिए। दीवानी मामलों के न्यायाधीश मनमोहन चंदेल की अदालत ने इस वाद को सुनवाई के लिए मंजूर कर लिया है। अब इस मामले को लेकर सियासत गर्म है। अंजुमन समिति के सचिव सैयद सरवर चिश्ती ने कहा कि यह एक एजेंडा है जिसकी साजिश तीन साल पहले शुरू हुई थी।

अंजुमन समिति के सचिव सैयद सरवर चिश्ती ने कहा- संभल में ही देखिए डेढ़ बजे याचिका दाखिल हुई। एक्स पार्टी साढ़े तीन बजे कमिश्नर को बताती है कि सामने वाले पक्ष को सुना नहीं गया जबकि मस्जिद चार सौ साल पुरानी है और एएसआई में आती है। यहां तक कि शाम को ही कमिश्नर सर्वे करने पहुंच जाते हैं। सर्वे पूरा करते हैं और फिर तीन दिन बाद नारे लगाते हुए दोबारा सर्वे करने आते हैं।

सैयद सरवर चिश्ती ने आगे कहा- कभी बाबरी मस्जिद, कभी मथुरा, कभी काशी, कभी काशी... कहीं मस्जिदें शहीद की जा रही हैं। कहीं दरगाहें, कहीं खानकाहें... कहीं मॉब लिंचिंग? ये तो 10 साल से हो ही रहा है। यह एक एजेंडा है। उसी एजेंडे के तहत सब हो रहा है। विष्णु गुप्ता तालाब में एक मछली मात्र है। वह एक प्यादा है। असल में यह बड़ी साजिश है। इसकी शुरुआत तीन साल पहले हुई थी। सैयद सरवर चिश्ती ने आगे कहा- पहले से ही इस पर बयानबाजियां चल रही थीं। कभी कोई बयान देता है तो कभी कोई... यह वह दरगाह है जहां हर धर्म और पंथ के लोग आते हैं। हर देश के लोग आते हैं। अफगानिस्तान से इंडोनेशिया तक यह स्थान मुसलमानों के बीच व्यापक रूप से प्रतिष्ठित है। वादी विष्णु गुप्ता के अधिवक्ता योगेश सिरोजा का कहना है कि दरगाह में एक शिव मंदिर होना बताया जा रहा है जिसमें पहले पूजा पाठ तक होती थी। इसी पूजा पाठ को दोबारा शुरू कराने के लिये सितंबर 2024 में वाद दायर किया गया था।

एकनाथ शिंदे ने सीएम पद पर फैसला मोदी-शाह पर छोड़ा, कहा-

'मेरे मन में सीएम बनने की लालसा नहीं, भाजपा का मुख्यमंत्री मंजूर'

मुंबई (एजेंसी)। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री पद को लेकर जारी रस्साकशी के बीच एकनाथ शिंदे ने प्रेस कॉन्फ्रेंस करके फैसला प्र.म. मोदी और अमित शाह पर छोड़ दिया है। उन्होंने अपनी ढाई साल की सरकार का रिपोर्ट कार्ड पेश किया तो वहीं यह भी कहा कि महायुति में सीएम पद को लेकर कोई मतभेद नहीं है। एकनाथ शिंदे ने कहा कि ऐसी चर्चाएं गलत हैं कि महायुति में इसे लेकर कोई मतभेद है। राज्य के विकास में महाविकास अघाड़ी ही स्पीडब्रेकर था, जिसे जनता ने हटा दिया है। उन्होंने इस दौरान मुख्यमंत्री पद से इशारों में ही सही, लेकिन अपना दावा छोड़ दिया।

एकनाथ शिंदे ने कहा कि प्र.म. नरेंद्र मोदी और अमित शाह जो फैसला लेंगे, वह हमें स्वीकार होगा। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री मेरे लिए कुछ और नहीं बल्कि कॉमन मैन है। यदि वह भाजपा का मुख्यमंत्री भी बनाएंगे तो हमें स्वीकार होगा और इससे कोई आपत्ति नहीं होगी। एकनाथ शिंदे ने कहा कि मेरी तो लाड़ला भाई की पहचान बन गई है और वह सभी पदों से ऊपर है। एकनाथ शिंदे ने अपनी नाराजगी की खबरों को भी गलत बताया। शिंदे ने कहा कि हम नाराज होने वाले लोग नहीं हैं बल्कि लड़ने वाले हैं। हम लड़कर भी काम करते हैं।

महाराष्ट्र के कार्यवाहक मुख्यमंत्री ने कहा, मैंने प्र.म. मोदी से बात की थी और कहा कि यदि सरकार के गठन में मेरी वजह से कोई परेशानी है तो मैं हटने के लिए तैयार हूं। आपको मेरे चलते कोई बात दिमाग में लाने की जरूरत नहीं है। मेरे लिए हर फैसला स्वीकार है। आप ही महायुति परिवार के मुखिया हैं। एकनाथ शिंदे ने कहा कि मैंने ढाई साल में जो काम किया है, उससे लोगों के बीच मेरी छवि लाडला भाई की बनी है। यह पद मेरे लिए अन्य किसी भी जिम्मेदारी से बड़ा है। मुख्यमंत्री का मतलब तो मैंने हमेशा कॉमन मैन समझा है और राज्य के लोगों को परिवार का मेंबर समझते हुए सभी के लिए काम किया है।

'भाजपा जिसे भी सीएम बनाएगी, उसे हमारा पूरा समर्थन रहेगा'

शिवसेना नेता ने कहा कि भाजपा जिसे भी मुख्यमंत्री का चेहरा बनाएगी, हम उसके साथ रहेंगे और पूरा समर्थन करेंगे। एकनाथ शिंदे ने अपने घर पर आयोजित पीसी में कहा कि जनता ने माना है कि हमने बीते ढाई साल में जमकर काम किया है और इसीलिए इतना मजबूत समर्थन मिला है। कुल मिलाकर भाजपा का भी चीफ मिनिस्टर स्वीकार है कि बात कहकर एकनाथ शिंदे ने पद पर अपना दावा छोड़ दिया है। साफ है कि वह भाजपा के मुख्यमंत्री को स्वीकार करने के लिए तैयार हैं।

फडणवीस बोले- महायुति में कभी मतभेद नहीं रहा, सामूहिक रूप से लेंगे निर्णय

भाजपा नेता और महाराष्ट्र के पूर्व उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने कहा, हमारी महायुति में कभी भी एक-दूसरे के प्रति मतभेद नहीं रहा। हमने हमेशा मिल-बैठकर निर्णय लिए हैं और चुनाव से पहले हमने कहा था कि चुनाव के बाद हम (मुख्यमंत्री पद के बारे में) सामूहिक रूप से निर्णय लेंगे। कुछ लोगों को संदेह है, जिसे आज एकनाथ शिंदे जी ने स्पष्ट कर दिया है। जल्द ही हम अपने नेताओं से मिलेंगे और निर्णय लेंगे।

'अगला मुख्यमंत्री तय करेगा महाराष्ट्र कैबिनेट'

राज्य के नए कैबिनेट को लेकर किए गए सवाल पर देवेंद्र फडणवीस ने कहा, कि महाराष्ट्र के अगले कैबिनेट को लेकर फैसला अगले मुख्यमंत्री की तरफ से उनके नाम पर अंतिम मुहर लगने के बाद लिया जाएगा। मुख्यमंत्री पद के लिए सबसे आगे चल रहे फडणवीस ने जोर देकर कहा कि शिवसेना, भाजपा और एनसीपी का महायुति गठबंधन सरकार बनाने के लिए एकजुट है। देवेंद्र फडणवीस ने कहा कि महायुति के घटक एकजुट हैं। उन्होंने कहा, सभी निर्णय सामूहिक रूप से लिए जाएंगे और हम अपने शीर्ष नेताओं के साथ बैठक करेंगे।

सेना को सबल 20 लॉजिस्टिक्स ड्रोन मिले

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय सेना को बुधवार को मानव रहित इलेक्ट्रिक हेलीकॉप्टर 'सबल 20 लॉजिस्टिक्स ड्रोन' मिलने से उसकी लॉजिस्टिक क्षमता बढ गयी है। यह ड्रोन विशेष रूप से चुनौतीपूर्ण और दुर्गम इलाकों में सेना की लॉजिस्टिकल संचालन को बेहतर बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभायेगा। सेना को यह ड्रोन निजी क्षेत्र की कंपनी एंड्योर एयर ने दिया है। सबल 20 ड्रोन मानव रहित इलेक्ट्रिक हेलीकॉप्टर है जो वैरिएबल पिच तकनीक पर आधारित है और इसे विशेष रूप से हवाई लॉजिस्टिक्स के लिए डिज़ाइन किया गया है, जो 20 किलोग्राम तक का पेलोड ले जाने में सक्षम है। यह पेलोड ड्रोन के वजन के 50 प्रतिशत के बराबर है। चिनूक हेलीकॉप्टर की विरासत पर आधारित, सबल 20 में बड़े रोटर की उच्च दक्षता और टेंडम रोटर कॉन्फ़िगरेशन की असाधारण भार वहन क्षमता है। यह डिज़ाइन स्थिरता, ऊंचाई पर बेहतर प्रदर्शन, न्यूनतम जोखिम और विविध तरह के क्षेत्रों में भार उठाने की क्षमता सुनिश्चित करता है। एंड्योर एयर के निदेशक और सह-संस्थापक अभिषेक ने इस अवसर पर कहा, हम सेना की प्रगति में योगदान देने और इसकी रसद क्षमताओं को आधुनिक बनाने के लिए गौरव का अहसास कर रहे हैं। यह हमारे सशस्त्र बलों को सशक्त बनाते हैं और विविध वातावरण में उनकी मिशन-महत्वपूर्ण आवश्यकताओं का समर्थन करते हैं, जिससे परिचालन उत्कृष्टता सुनिश्चित होती है।

संभल हिंसा : 100 पत्थरबाजों के पोस्टर जारी, महिलाओं ने भी छत से पत्थर फेंके

अब तक 27 गिरफ्तार : मंत्री बोले- उपद्रवियों से नुकसान की भरपाई करेंगे

संभल (एजेंसी)। उत्तरप्रदेश की संभल हिंसा मामले में पुलिस ने बुधवार को 100 पत्थरबाजों के पोस्टर जारी किए। इनमें ज्यादातर आरोपी हाथ में पत्थर लिए हैं। मुंह बांधे हैं। पुलिस ने बताया कि अभी और वीडियो, सीसीटीवी और ड्रोन फुटेज की जांच की जा रही है। आगे और भी पोस्टर जारी किए जाएंगे। साथ ही सड़कों पर पोस्टर और होर्डिंग्स भी लगाए जाएंगे। पुलिस ने अब तक 4 महिलाओं समेत 27 उपद्रवियों को गिरफ्तार किया है। इन्हें कोर्ट ने न्यायिक हिरासत में भेज दिया है। संभल पुलिस ने दीपासराय इलाके का एक फुटेज भी जारी किया। इसमें वह छत से पत्थर फेंकते नजर आ रही है।

संभल में 24 नवंबर को जामा मस्जिद के सर्वे के दौरान पथराव और हिंसा हुई थी। इसमें 4 लोगों की मौत हो गई थी। इस दौरान कई घंटे तक पथराव हुआ था। इसके बाद से इलाके में अभी भी तनाव बना हुआ है। जगह-जगह पुलिसबल तैनात है।

सपा सांसद के घर के पास महिलाओं ने छत से पत्थर फेंके

संभल हिंसा का एक और वीडियो सामने आया है। इसमें सपा सांसद जियाउर्रहमान बर्क के घर के पास कुछ महिलाएं छतों से पुलिस पर पत्थर मारते नजर आ रही हैं। कमिश्नर आंजनेय सिंह का कहना है- पत्थरबाजी में शामिल किसी भी अराजक तत्व को बख्शा नहीं जाएगा। चाहे वह पुरुष हों या महिलाएं। वहीं, बुधवार को यूपी के आबकारी राज्यमंत्री नितिन अग्रवाल ने कहा, कानून बिगाड़ने वालों के साथ कोई समझौता नहीं किया जाएगा। पत्थरबाजी करने वाले, दंगा भड़काने वाले उपद्रवियों के पोस्टर सार्वजनिक स्थान पर लगाए जाएंगे। सार्वजनिक संपत्ति का जो नुकसान हुआ है। उसकी भरपाई उपद्रवियों से कराई जाएगी। इधर, योगी सरकार हिंसा में जिन-जिन लोगों के नाम सामने सामने आए हैं, उनकी पहचान के बाद उनसे नुकसान की वसूली की तैयारी कर रही है। गृह और पुलिस विभाग इसमें मिलकर काम कर रहा है।

इजरायल-हिजबुल्लाह में सीजफायर

हमास का नेतन्याहू को ऑफर; सुर भी बदले

लेबनान (एजेंसी)। इजरायल का लेबनान आतंकियों के साथ युद्धविराम लागू हो गया है। अगले 60 दिनों तक दोनों ओर से कोई भी एक-दूसरे पर हमले नहीं करेगा। समझौते के मुताबिक, किसी भी पक्ष के शर्तों के उल्लंघन पर दूसरे को कुछ भी करने की छूट है। इजरायल और हिजबुल्लाह के बीच सीजफायर ने गाजा के हमास आतंकियों के लिए नई आस जगा दी है। भले ही युद्ध के मोर्चे पर हिजबुल्लाह ने अब हमास का साथ छोड़ दिया, लेकिन हमास को लगता है कि यह उसके लिए फायदेमंद ही होगा। हमास ने बुधवार को कहा कि वो भी इजरायल के साथ युद्धविराम को तैयार हैं। हमास ने कहा कि हिजबुल्लाह और इजरायल का युद्धविराम गाजा में नरसंहार को समाप्त करने के रास्ते खोलेगा। हमास ने बुधवार को संकेत दिया कि वह गाजा में युद्धविराम के लिए तैयार है, क्योंकि उसे ऐसा लगता है कि इजरायल के खिलाफ युद्ध में उसके प्रमुख सहयोगी हिजबुल्लाह ने इजरायल के साथ युद्धविराम के बाद हथियार डाल दिए हैं, जिससे गाजा आतंकवादी समूह इस जंग में अकेला पड़ गया है।

संक्षिप्त समाचार

शिव शंकर गौशाला में यज्ञ

उदयपुर (पुकार)। शिव शंकर गौशाला, कलडवास में एकादशी के अवसर पर सोमवार को यज्ञ इंद्र प्रकाश यादव और डॉ भूपेंद्र शर्मा के पुरोहित्य में सम्पन्न हुआ। मीडिया प्रभारी नरेश पूर्बिया ने बताया कि गौ संरक्षण, संवर्धन और गौपालन के लिए आयोजित यज्ञ में रचना सुहालका, कुशल सुहालका, धारावती सुहालका, ललिता सुहालका, डॉ नारायण सिंह चावड़ा, अलका हाडा, सुरेश विजयवर्गीय आदि द्वारा वैदिक मंत्रोचारण के साथ हुए यज्ञ में आहुतियां अर्पित की। गौशाला सचिव शालिनी राजावत ने आभार ज्ञापित किया। शान्ति पाठ और प्रसाद वितरण के साथ अनुष्ठान सम्पन्न हुआ।सचिव शालीनी राजावत ने रचना सुहालका के जन्मदिन पर माला, उपरणा व पंगडी पहनाकर कर स्वागत किया। रचना सुहालका ने गायों के लिए गुड़ व दलिया भेंट किया। सुरेश विजयवर्गीय ने गौ पालकों को सर्दी के गरम वस्त्र भेंट किए। इंद्रप्रकाश यादव ने कहा कि गौशाला में जन्मदिन मनाना पुण्य कार्य है।

नारायण सेवा संस्थान बड़ी में सीनियर स्टेट आर्टिस्टिक जिमनास्टिक चैम्पियनशिप का समापन

उदयपुर (पुकार)। राजस्थान राज्य जिमनास्टिक संघ के तत्वावधान में नारायण सेवा संस्थान के सेवा महातीर्थ परिसर में चल रही तीन दिवसीय सीनियर स्टेट जिमनास्टिक चैम्पियनशिप का आज बुधवार को समापन हुआ। उदयपुर जिला जिमनास्टिक संघ के अध्यक्ष हिम्मत सिंह चौहान ने बताया कि समापन समारोह के मुख्य अतिथि नारायण सेवा के अध्यक्ष प्रशांत अग्रवाल तथा नितुल चंडालिया,अतुल चंडालिया,अंतर्राष्ट्रीय तैराकी कोच दिलीप सिंह चौहान, राजेन्द्र नलवाया, राजस्थान राज्य जिमनास्टिक अध्यक्ष चैन सिंह राठौड़, परमेश्वर कुमार एवं कान सिंह राठौड़ विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित थे। इस अवसर पर प्रशांत अग्रवाल ने खिलाड़ियों का भरपूर उत्साहवर्धन करते हुए उन्हें सम्मानित किया। प्रतियोगिता में महिला वर्ग में जोधपुर की टीम प्रथम स्थान पर रही तथा नागौर व अजमेर की टीम द्वितीय एवं तृतीय पर रहीं। वहीं पुरुष वर्ग में जोधपुर की टीम प्रथम, भीलवाड़ा की द्वितीय और उदयपुर की टीम तृतीय स्थान पर रहीं। सचिव भरत सिंह भाटी ने आगे की जानकारी देते हुए बताया कि, व्यक्तिगत स्पर्धा में दिशा - प्रथम, ईशा - द्वितीय एवं दीपा - तृतीय स्थान पर रहीं। यह तीनों विजेता जोधपुर से हैं। तथा पुरुष वर्ग में जोधपुर के शुभम - प्रथम, भीलवाड़ा से प्रतीक - द्वितीय और उदयपुर के कृष्ण - तृतीय रहे। इन सभी विजेता खिलाड़ियों को अतिथियों ने मेडल पहना कर सम्मानित किया।

सुन्दरवास में भगवान श्री राम के राज्याभिषेक के साथ रामलीला संपन्न

उदयपुर (पुकार)। दक्षिणी सुंदर वास प्रजापति नगर उदयपुर में चल रही रामलीला के रामलीला के दसवें दिन का विशाल आयोजन श्री राम राज्याभिषेक का विशाल आयोजन 551 दीपों के साथ भगवान श्रीराम की महा आरती की गई। भगवान श्रीराम का राजतिलक का विशाल आयोजन जय श्री राम के जयकारे और विशाल जन समूह उमड़ा। दसवें दिन की रामलीला कुंभकरण वध मेघनाथ वध रावण वध माता सीता की अग्नि परीक्षा और भारत मिलाप का आयोजन किया गया। काशी के कलाकारों द्वारा सुंदरवास प्रजापति नगर में ऐतिहासिक रामलीला की गई जिसे देखने के लिए प्रतिदिन हजारों की संख्या में लोग पहुंचे। फूलों की वर्षा और दीपों के साथ भगवान श्रीराम का राजतिलक का अद्भुत आयोजन किया गया। महाप्रसाद भी वितरण किया गया। दक्षिणी सुंदरवास में बहुत यादगार आयोजन किया गया है जो वर्षों तक याद किया जाएगा। इस अवसर पर धर्म प्रचारक मंडल के संचालक पंडित अशोक उपाध्याय ने पूरे दक्षिणी सुंदर वास प्रजापति नगर का हृदय से आभार किया। इस अवसर पर विष्णु प्रजापत, शंकर लाल प्रजापत पेंटर,ओंकार लाल प्रजापत , गोपाल प्रजापत, छोटू भाई प्रजापत, सुंदरलाल प्रजापत, पिंटू प्रजापत, कमलेश प्रजापत, विजय चंद भटनागर , मांगीलाल प्रजापत, अनंत प्रजापत, संजय प्रजापत, पुष्कर प्रजापत एवं प्रजापति नगर के गणमान्य जन उपस्थित थे।

भूपाल नोबल्स के बुलबुल कैडेट्स को हीरक पंख प्रमाण पत्र से नवाजा

उदयपुर (पुकार)। राजस्थान राज्य भारत स्काउट व गाइड, उदयपुर मुख्यालय में गत दिनों बुलबुल कैंप का आयोजन किया गया, जिसमें फ्लॉक लीडर गुरदीप कौर के नेतृत्व में भूपाल नोबल्स पब्लिक स्कूल के कैडेट्स ने भाग लिया। प्राचार्या डॉ. सीमा नरूका ने कैडेट्स अनुष्का राठौड़, अन्वी रावत, समिका यादव, तमन्ना सिसोदिया, डिंपल प्रजापत, भाविका सोनी और लक्षिता रावत को चतुर्थ चरण हीरक पंख बुलबुल बैज एवं प्रमाण पत्र प्रदान कर उनका उत्साह वर्धन किया।

ग्रीन पीपल समिति की अजीम प्रेमजी विश्वविद्यालय से सहयोग के लिए बैठक संपन्न

उदयपुर (पुकार)। शिक्षा ,पर्यावरण संरक्षण पर जन जागरण के क्षेत्र में कार्य करने हेतु आज उदयपुर में अजीम प्रेमजी यूनिवर्सिटी के डॉक्टर इज़हारुदीन कुरैशी के साथ ग्रीन पीपल समिति के सदस्यों की बैठक का आयोजन हुआ। ग्रीन पीपल समिति की तरफ से अध्यक्ष राहुल भटनागर, डॉ ए के माथुर, डॉ शरद श्रीवास्तव, सुहेल मजबूर, श्याम दवे, यासीन पठान, ललित जोशी,पी एस चुंडावत एवं सचिव डॉ सतीश शर्मा ने भाग लिया। अजीम प्रेमजी विश्वविद्यालय के प्रतिनिधि ने बताया कि ग्रीन पीपल समिति के साथ विश्वविद्यालय में चल रहे शैक्षिक कार्यक्रमों, फिलैंथरोपी कार्यों एवं उनकी फाउंडेशन की अन्य गतिविधियों में सहभागिता की जा सकती है। बैठक में तय हुआ कि ग्रीन पीपल सोसायटी सेक्टर टॉक एवं उनके विश्वविद्यालय में जाकर कैंपस शिक्षक पैनल डिस्कशन जैसे कार्यों से जुड़ाव कर सहभागिता प्रारंभ कर सकते हैं , तथा फिर आपसी सामंजस्य बैठा कर बड़े क्षेत्रो में अन्य विषयों में सहभागिता की जा सकती है । शीघ्र ही दोनों पक्ष अपने सहयोग के क्षेत्र की अंतिम सूची तैयार कर आगे बढ़ेंगे।

राज्य स्तरीय जनजाति खेलकूद प्रतियोगिता का समापन

राष्ट्रीय अनुसूचित जनजाति आयोग के चेयरमैन उदयपुर आए

उदयपुर (पुकार)। राष्ट्रीय अनुसूचित जनजाति आयोग के चैयरमैन अंतर सिंह आर्य बुधवार को उदयपुर पहुंचे, उन्होंने चित्रकूट नगर स्थित महाराणा प्रताप खेलगांव स्टेडियम में चल रही तीन दिवसीय राज्य स्तरीय जनजाति खेलकूद प्रतियोगिता के समापन समारोह में शिरकत की तथा विभिन्न स्पर्धाओं में विजेता रही टीमों के खिलाड़ियों को सम्मानित करते हुए उनकी हौसलाफजाई की। इस अवसर पर आर्य ने अपने संबोधन के दौरान कहा कि जनजाति बच्चों में खेलकूद की विशिष्ट प्रतिभा होती है ,इनकी जीवन शैली प्रकृति से जुड़ी हुई होने के कारण इनकी क्षमता तुलनात्मक रूप से अधिक होती है। आर्य ने कहा कि जनजाति युवा पढ़ लिखकर अपने गांव, जिले तथा राज्य का नाम रोशन करें इससे देश का नाम अपने आप रोशन हो जाएगा। उन्होंने कहा कि ये समाज की भावी पीढ़ी की जिम्मेदारी है कि देश को सशक्त बनाएं। उन्होंने राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू का उदाहरण देते हुए कहा कि आज देश में सर्वोच्च पद पर एक आदिवासी महिला आसीन है यह समाज के लिए सबसे बड़ी प्रेरणा है। कार्यक्रम की अध्यक्षता विधि महाविद्यालय डीन प्रोफेसर आनन्द पालीवाल ने की। विशिष्ट अतिथि के रूप में भीमराज पटेल सचिव क्रीड़ा मंडल मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय उपस्थित रहे। उपायुक्त रागीनी डामोर, टीएडी उपायुक्त रागिनी डामोर, समाजसेवी सन्तोष मीणा, राकेश कुमार दुबे, राजीव सक्सेना, अंकित कुमार सैन, गोवर्धन मुंडे आदि मौजूद रहे।

ये रही विजेता टीमें : जिला खेल अधिकारी डॉ महेश पालीवाल ने बताया कि प्रतियोगिता में अनुसूचित क्षेत्र के 7 जिलों के 1300 से अधिक खिलाड़ियों ने लिया भाग जिसमें प्रमुख रूप से तीरंदाजी, हॉकी, फुटबॉल, कबड्डी, एथलेटिक्स सहित 8 खेलों में युवाओं ने अपना दमखम दिखाया।प्रतियोगिता के आज आयोजित हुए विभिन्न खेल मुकाबले के परिणाम में हॉकी में बालक एवं बालिका वर्ग में उदयपुर विजेता, डूंगरपुर बालक वर्ग, बांसवाड़ा बालिका वर्ग में उपविजेता एवं कबड्डी छात्रा वर्ग उदयपुर बालक वर्ग में डूंगरपुर विजेता एवं खो-खो में उदयपुर बालक एवं बालिका विजेता रहे फुटबॉल में विजेता बांसवाड़ा, उपविजेता उदयपुर, तृतीय स्थान डुंगरपुर रहे।

बाल विवाह मुक्त भारत अभियान का आगाज

ब्लॉक स्तरीय बाल संरक्षण समिति की कार्यशाला बैठक का आयोजन

उदयपुर (पुकार)। समेकित बाल संरक्षण योजना अंतर्गत बच्चों को सुरक्षित और बालमैत्री वातावरण प्रदान करने, बाल अधिकार के मुद्दों पर कार्ययोजना तैयार कर क्रियान्वयन के लिए समाज एवं पंचायत की भागीदारी सुनिश्चित करने समेत विभिन्न विषयों पर चर्चा हेतु शुक्रवार को बड़गांव पंचायत समिति सभागार में ब्लॉक स्तरीय बाल संरक्षण समिति की कार्यशाला बैठक का आयोजन किया गया। कार्यशाला में विभिन्न बाल संरक्षण एवं बाल अधिकारों से जुड़े विषयों पर जानकारियां प्रदान की गई। आयोग सदस्य राजीव मेघवाल ने कहा कि बाल विवाह रोकथाम के लिए सभी विभागों को आगे आकर सहयोग करने की आवश्यकता है। बाल अधिकारों के संरक्षण के लिए सरकार ने कई प्रावधान किए हैं तथा सरकार बच्चों के लिए संवेदनशील है।

बच्चों के मुद्दों पर संवेदनशीलता के साथ हो चर्चा : सहायक निदेशक बाल अधिकारिता विभाग अरूषी जैन ने बताया कि बच्चों के मुद्दों पर संवेदनशीलता के साथ चर्चा होनी चाहिए। बच्चों को जीवन,पढ़ने,विकास तथा सुरक्षा का अधिकार प्राप्त है। इस अवसर पर बाल अधिकारिता से जुड़े विभिन्न विशेषज्ञों ने कार्यशाला में अपने विचार रखते हुए कहा कि बच्चों को मूलभूत सुविधाएं मिलनी चाहिए तथा बच्चों को शोषण से बचाना चाहिए। बच्चों को उचित शिक्षा मिले तथा आगे बढ़ाने के समुचित अवसर प्राप्त हो साथ ही बालश्रम की भी प्रभावी रोकथाम होनी चाहिए। इस दौरान विभिन्न ग्राम पंचायत के सरपंचों ने अपनी-अपनी पंचायत में बाल संरक्षण एवं बाल अधिकारिता से जुड़ी गतिविधियों के बारे में जानकारियां दी।

बच्चों की गतिविधियों पर अभिभावक रखें नजर : बाल कल्याण समिति अध्यक्ष यशोदा पणिया ने कार्यशाला को संबोधित करते हुए कहा कि बाल अपराधों की रोकथाम में ग्राम पंचायत स्तर पर जनप्रतिनिधियों की प्रभावी भूमिका होती है। ग्राम सभा में बाल अधिकारिता से जुड़े मुद्दों पर भी चर्चा होनी चाहिए। सरकार अपने स्तर पर हर संभव प्रयास कर रही है, समाज और स्थानीय स्तर पर सहयोग से वंचित बच्चों को मुख्य धारा में लाना होगा। उन्होंने कहा कि बच्चों की गतिविधियों पर नजर रखना अभिभावकों की जिम्मेदारी है। वर्तमान समय में सोशल मीडिया एवं अन्य संचार माध्यमों के अत्यधिक प्रयोग से बच्चे कई प्रकार के साइबर अपराधों के शिकार हो रहे हैं।

कार्यशाला में चाइल्ड हेल्प लाइन जिला समन्वयक नवनीत औदीच्य ने 1098 चाइल्ड हेल्पलाइन के कार्यों पर प्रकाश डाला एवं कोई भी बच्चों से जुड़ी समस्या को विभाग को अवगत करवाने एवं रोकथाम के लिए प्रयास के लिए आग्रह किया ।

बड़गांव प्रधान प्रतिभा नागदा एवं विकास अधिकारी जितेंद्र सिंह राजावत द्वारा बताया गया की पंचायत स्तर पर भी निरंतर बाल संरक्षण को लेकर बैठक करना अति आवश्यक हैं एवं इसको हमें नियमित रूप से किया जाना चाहिए। इस अवसर पर सभी को विकास अधिकारी द्वारा बाल विवाह मुक्त भारत के संदर्भ में शपथ दिलवाते हुए बाल विवाह रोकथाम के लिए प्रयास करने के लिए आह्वान किया गया।

इस दौरान बड़गांव प्रधान प्रतिभा नागदा,संरक्षण अधिकारी राजकुमार जीनगर, बड़गांव खण्ड विकास अधिकारी जितेंद्र सिंह राजावत समेत समिति सदस्य ,चाइल्ड हेल्पलाइन बाल अधिकारिता, शिक्षा विभाग, सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग के अधिकारी एवं विभिन्न पंचायतों के सरपंच एवं जनप्रतिनिधि मौजूद रहे।

कियाना परिहार और अमय जैन बने उदयपुर जिला अंडर-13 शतरंज चैम्पियनशिप 2024 के विजेता

उदयपुर (पुकार)। उदयपुर जिला अंडर-13 शतरंज चैम्पियनशिप 2024 उदयपुर जिला शतरंज संघ द्वारा आयोजित की गई। जिसमें रिकॉर्ड 180 खिलाड़ियो ने भाग लिया। इसका समापन समारोह दिल्ली पब्लिक स्कूल, उदयपुर में हुआ। इस दो दिवसीय प्रतियोगिता में जिले के होनहार शतरंज खिलाड़ियों ने अपनी प्रतिभा और कौशल का शानदार प्रदर्शन किया। बालक और बालिका वर्ग में शीर्ष 15-15 खिलाड़ियों को उनके उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए सम्मानित किया गया। बालिका वर्ग में एमडीएस सीनियर सेकेंडरी स्कूल, सेक्टर 3 की कियाना परिहार ने 5.5 अंकों के साथ खिताब अपने नाम किया। डीपीएस स्कूल, भुवाणा की अद्विका सरूपरिया ने भी 5.5 अंक हासिल किए और टाईब्रेक में दूसरे स्थान पर रहीं। महाराणा मेवाड़ विद्यापीठ स्कूल की खुशिमता पालीवाल ने 5 अंकों के साथ तीसरा स्थान प्राप्त किया।

उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने केन्द्रीय मंत्री अन्नपूर्णा देवी से की मुलाक़ात

दिया कुमारी ने की केंद्र से 900 नये आंगनबाड़ी भवनों की मांग

उदयपुर में तैयार होगा महिला एवं बाल विकास का रोडमैप, जनवरी में होगा राष्ट्रीय चिंतन शिविर

उदयपुर (पुकार)। देश के सभी राज्यों के महिला एवं बाल विकास विभाग का एक राष्ट्रीय चिंतन शिविर जनवरी माह में उदयपुर में आयोजित किया जायेगा। इस चिंतन शिविर में केन्द्रीय मंत्री समेत सभी राज्यों के महिला एवं बाल विकास मंत्री भाग लेंगे तथा आँगनबाड़ी केन्द्रो, पोषाहार तथा महिला एवं बाल विकास से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर विस्तार से चर्चा कर और राज्यों की आवश्यकतानुसार एक रोडमैप तैयार करेंगे। उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने मंगलवार को दिल्ली में केंद्रीय मंत्री अन्नपूर्णा देवी से मुलाकात की और विभाग से संबंधित सभी मुद्दो पर विस्तार से चर्चा की।

उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने केन्द्रीय महिला एवं बाल विकास मंत्री श्रीमती अन्नपूर्णा देवी से माँग की है कि विभाग की विभिन्न योजनाओं में केन्द्र से मिलने वाले अनुदान की राशि को एकमुश्त जारी किया जाये, जिससे आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं को उनका मानदेय हर माह प्राप्त हो सके।

उपमुख्यमंत्री ने अपने पत्र में माँग की कि पूरक पोषाहार दरों को बढ़ाया जाये। उन्होंने कहा कि पूरक पोषाहार की दरों का 2017 में पुनर्निधारण किया गया था, जिसके युक्तियुक्त पुनर्निधारण की आवश्यकता है।

दिया कुमारी ने राज्य में नये 900 आंगनबाड़ी भवनों की माँग करते हुए कहा कि ये प्रस्ताव केंद्र को भिजवा दिये गये है, जिन पर कार्यवाही अपेक्षित है। उन्होंने केन्द्र सरकार से आंगनवाड़ी भवनों के हर पाँच साल में जारी होने वाली 3000 रुपये की मरम्मत राशि को भी जरुरत के अनुसार बढ़ाने की मांग की। उन्होंने कहा कि आंगनबाड़ी केन्द्रों की मरम्मत की लागत पचास हज़ार से एक लाख तक हो सकती है।

उपमुख्यमंत्री ने अपने पत्र में वर्ष 2023-24 के 34.38 करोड़ के केन्द्रांश तथा किशोरी बाल योजना के अन्तर्गत तीसरी त्रैमासिक अनुदान की किस्त जारी करने और 340 आँगनबाड़ी केन्द्रों को सक्षम आंगनबाड़ी केंद्रों के रूप में विकसित करने की स्वीकृति जारी करने की भी मांग की।

दिया कुमारी ने केन्द्रीय मंत्री से माँग करते हुए कहा कि राज्य को एकमुश्त राशि मिलने से आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं को हर महीने मानदेय का भुगतान सुनिश्चित किया जा सकेगा।

जिला स्तरीय बीमा समिति की मासिक बैठक

सबको बीमा अभियान के लिए आमजन को जागरूक करने का किया आह्वान

उदयपुर (पुकार)। राज्य सरकार द्वारा आमजन के लिए एक महत्वपूर्ण योजना सबको बीमा अभियान-2047 के संबंध में बुधवार को जिला स्तरीय बीमा समिति की बैठक जिला कलक्टर अरविंद कुमार पोसवाल के निर्देशन में जिला कलेक्ट्रेट मिनी सभागार में आयोजित हुई। राज्य बीमा एवं प्रावधायी निधि विभाग की संयुक्त निदेशक श्वेता तिवारी ने जिला स्तरीय बीमा समिति की पहली मासिक मीटिंग को संबोधित करते हुए कहा कि आमजन की आर्थिक सुरक्षा सुनिश्चित करने की दिशा में बीमा एक महत्वपूर्ण माध्यम है और हर व्यक्ति तक बीमा को पहुंचाने के लिए राज्य सरकार की योजना 'सबको बीमा अभियान 2047' को लेकर अधिक से अधिक लोगों को जागरूक किया जाना चाहिए।

उन्होंने जीवन बीमा के प्रतिनिधियों से कहा कि वे राजीविका गतिविधियों से जुड़ी दक्ष महिलाओं को बीमा गतिविधियों से जोड़ें। ये महिलाएं सबको बीमा अभियान अंतर्गत महत्त्वपूर्ण भूमिका अदा कर सकती हैं। इससे स्वयं इन महिलाओं की आय में भी इजाफा होगा और बीमित व्यक्ति के हितों की सुरक्षा सुनिश्चित होगी, साथ ही विभिन्न बीमा कंपनियों के प्रतिनिधियों से कहा गया कि वे जिले में अब तक हो चुके बीमा कार्य की जानकारी प्राप्त करें और फिर वंचितों के बीमा के लिए शिविर लगाकर तथा अभियान चलाकर प्रयास करें।

बीमा साक्षरता के लिए जिले के शिक्षण संस्थानों एवं सरकारी विभाग में कार्यक्रमों का आयोजन करें। रोजगार विभाग के माध्यम से होने वाले शिविरों, मेलों में भी बीमा कम्पनी के प्रतिनिधि बीमा से सम्बन्धित जानकारी का प्रचार-प्रसार करें। उन्होंने कहा कि समिति की बैठक में सभी बीमा कंपनियों के प्रतिनिधि शामिल हों तथा सरकार की मंशा के अनुरूप लोगों को बीमा का लाभ दिया जाना सुनिश्चित करें।

बैठक में जिला परिषद के अतिरिक्त मुख्य कार्यकारी अधिकारी अंजुम ताहिर सम्मा, गिर्वा उपखंड अधिकारी रिया डाबी, समेत मेडिकल विभाग, कृषि विभाग, श्रम समेत विभिन्न विभागों के अधिकारियों के अलावा यूनाइटेड इंडिया इंश्योरेंस, बजाज एलायंस लाइफ इंश्योरेंस एवं एल.आई.सी. जैसी इंश्योरेंस कंपनियों के प्रतिनिधि भी उपस्थित रहे।

धूणी पर दर्शन परंपरागत रिवाज : डॉ.मेनारिया

उदयपुर (पुकार)। ग्लोबल हिस्ट्री फोरम के अध्यक्ष वरिष्ठ इतिहासकार डॉ. जी.एल. मेनारिया ने बताया कि मेवाड़ राजघराने में परंपरागत रूप से एवं एक कालपर्यंत से उदयपुर सिटी पैलेस स्थित धूणी के दर्शन व धूप का मेवाड़ के दीवान महाराणा के राजतिलक उपरांत करना व एकलिंग नाथ के दर्शन आशीर्वाद लेकर राज करने की रीत रही है। डॉ.मेनारिया ने बताया कि मेवाड़ की धूणीयों में से सिटी पैलेस स्थित धूणी प्रमुख है यह धूणी सन् 1553 ई.से सिटी पैलेस स्थित राय आंगन में स्थित है जो देवी शक्ति का प्रतिनिधित्व करने वाला एक पवित्र अग्नि कुंड है,जहां सन्यासी पूजा व ध्यान करते थे। धूणी के सन्यासी प्रेमगिरी महाराज के कहने पर महाराणा उदय सिंह ने ततसमय इस स्थान पर राजमहल का निर्माण कराया और मेवाड़ के ऐतिहासिक ग्रंथ अमर काव्यम के अनुसार चैत्र शुक्ल एकादशी विक्रम संवत 1624 को इस पहाड़ी के आसपास के गांव को मिलाकर इस शहर का नाम उदयपुर रखा। उक्त विचार डॉ.मेनारिया ने यहां हिरण मगरी सेक्टर 5 स्थित कार्यालय पर आयोजित उदयपुर स्थापना और संन्यासी प्रेमगिरि महाराज की धूणी विषयक इतिहास संगोष्ठी की अध्यक्षता करते हुए व्यक्त किये। संगोष्ठी में डॉ.अजातशत्रु शिवरती,सलूंबर के कारण सिंह चुंडावत,प्रो. गिरीश नाथ माथुर,डॉ.मनोज भटनागर, डॉ.मीनाक्षी मेनारिया,कार्तिक रावल,इतिहास शोधार्थी राम सिंह राठौड़ आदि ने भी अपने विचार रखें।

बी प्लस

एचडीएफसी बैंक ने अर्ध-शहरी और ग्रामीण भारत के लिए प्रगति बचत खाता शुरू किया

उदयपुर (पुकार)। भारत के अग्रणी निजी क्षेत्र के बैंक एचडीएफसी बैंक ने अपने प्रगति बचत खाते के लॉन्च की घोषणा की, जिसे विशेष रूप से भारत भर में ग्रामीण और अर्ध-शहरी लोगों की बैंकिंग आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए डिज़ाइन किया गया है। एचडीएफसी बैंक के कंट्री हेड - भुगतान, देयता उत्पाद, उपभोक्ता वित्त और विपणन पराग राव ने कहा कि एचडीएफसी वित्तीय समावेशन और कृषि सशक्तिकरण के लिए प्रतिबद्ध है। हमारे प्रगति बचत खाते के माध्यम से, हम कई उद्योग-प्रथमों को पेश कर रहे हैं, जैसे कि बिगहाट के साथ हमारी साझेदारी किसानों और ग्रामीण समुदायों को उत्पादकता में सुधार, ऋण तक पहुंच और बेहतर वित्तीय परिणाम प्राप्त करने के लिए उपकरणों और संसाधनों के साथ सशक्त बनाने के लिए। हमारा लक्ष्य एक समावेशी और टिकाऊ पारिस्थितिकी तंत्र को बढ़ावा देना है जो ग्रामीण विकास का समर्थन करता है और स्थानीय समुदायों का उत्थान करता है।

अर्ध-शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में अपनी 51 प्रतिशत शाखाओं के साथ, एचडीएफसी बैंक ग्रामीण अर्थव्यवस्थाओं का समर्थन करना और वित्तीय समावेशन को बढ़ावा देना जारी रखता है। एचडीएफसी बैंक द्वारा प्रगति बचत खाते का उद्देश्य भारत के कृषि क्षेत्र के लिए एक व्यापक बैंकिंग पारिस्थितिकी तंत्र का निर्माण करना है, जिसमें किसान (पारंपरिक और मवेशी प्रजनन, मत्स्य पालन, मुर्गी पालन और डेयरी फार्मिंग दोनों), स्व-नियोजित व्यक्ति, ग्रामीण निवासी, स्वयं सहायता समूह और सहकारी समितियाँ शामिल हैं। अर्ध-शहरी और ग्रामीण स्थानों में एचडीएफसी बैंक की 4600 से अधिक शाखाएँ भारत की लगभग दो तिहाई आबादी तक पहुँचने के लिए उत्पाद का लाभ उठाने के लिए एक 'टचपॉइंट' के रूप में कार्य करेंगी, जिससे ग्रामीण आर्थिक विकास को बढ़ावा मिलेगा।

श्रीराम फाइनेंस ने राहुल द्रविड़ के साथ मिलकर शुरू किया प्रेरक कैंपेन टुगेदर, वी सोअर

उदयपुर (पुकार)। देश की प्रमुख वित्तीय सेवा प्रदाताओं मे से एक, श्रीराम ग्रुप की प्रमुख कंपनी श्रीराम फाइनेंस ने राहुल द्रविड़ के साथ मिलकर टुगेदर, वी सोअर शिर्षित, एक बेहद प्रेरक ब्रांड कैंपेन प्रारंभ किया है। यह कैंपेन, परस्पर संबंध और एकता की ताकत पर प्रकाश डालते हुए, श्रीराम फाइनेंस की भारत की उम्मीदों के साथ साझेदारी की प्रतिबद्धता दर्शाता है। इस कैंपेन का उद्देश्य इस भावना का जश्न मनाना और राहुल द्रविड़ के अपने जीवन के एक अंश के साथ साझेदारी को आगे बढने के साधन के रूप में दर्शाना है। संदेश स्पष्ट है, 'टुगेदर, वी सोअर' 7 अपने ग्राहकों के साथ संबंधों को मज़बूत बनाकर, हम उन्हें अपनी शक्ति को पहचान कर, अपने सपनों को हासिल करने में उनकी मदद करते हैं। कैंपेन में क्रिकेट के दिग्गज राहुल द्रविड़ ब्रांड एंबेसडर के रूप में शामिल हैं, जो टीमवर्क और दृढ़ता के मूल्यों को दर्शाते हैं, जिसका श्रीराम फाइनेंस भी समर्थन करता है। उनकी उपस्थिति, विकास को प्रेरित करने वाली साझेदारियों को बढ़ावा देने के लिए ब्रांड की प्रतिबद्धता की पुष्टि करती है। अभिनेता नसीरुद्दीन शाह ने हिंदी एड फिल्म 'हर इंडियन के साथ- जुड़ेंगे, उड़ेंगे' के संस्करण में अपनी आवाज़ दी है। श्रीराम फाइनेंस के संदेश के लिए उनकी शक्तिशाली आवाज़, सार्थक साझेदारी के माध्यम से व्यक्तियों को उनके सपनों को प्राप्त करने में मदद करने के समर्पण पर ज़ोर देती है।

टोयोटा किर्लोस्कर मोटर ने भारतीय सड़कों पर एक लाखवां अर्बन क्रूजर हाइराइडर होने का जश्न मनाया

उदयपुर (पुकार)। टोयोटा किर्लोस्कर मोटर ने घोषणा की कि भारत में अर्बन क्रूजर हाइराइडर की 1,00,000 गाडियों की बिक्री की उल्लेखनीय उपलब्धि हासिल कर ली गई है। यह उपलब्धि बाजार में बी-एसयूवी की मजबूत स्वीकार्यता और भारतीय ग्राहकों में हाइब्रिड तकनीक को अपनाने के बढ़ते रुख को रेखांकित करती है। जुलाई 2022 में लॉन्च की गई अर्बन क्रूजर हाइराइडर में टोयोटा की विश्वस्तरीय हाइब्रिड तकनीक को बेहतरीन डिजाइन, प्रीमियम आराम और बेहतरीन प्रदर्शन के साथ जोड़ा गया है। यह तीन पावरट्रेन में उपलब्ध है - सेल्फ -चार्जिंग स्ट्रॉन्ग हाइब्रिड इलेक्ट्रिक (एसएचईवी), नियो ड्राइव और सीएनजी पावरट्रेन। इस उपलब्धि पर टिप्पणी करते हुए टोयोटा किर्लोस्कर मोटर के सेल्स-सर्विस-यूज्ड कार बिजनेस के वाइस प्रेसिडेंट सबरी मनोहर ने कहा - अर्बन क्रूजर हाइराइडर को मिली सकारात्मक प्रतिक्रिया भारतीय ग्राहकों की बदलती प्राथमिकताओं के अनुरूप अभिनव गतिशीलता समाधान प्रदान करने की हमारी प्रतिबद्धता को दर्शाती है। यह उपलब्धि केवल एक संख्या नहीं है, यह एसयूवी प्रौद्योगिकी में एक नए युग की शुरुआत का संकेत देती है जो स्थिरता, प्रदर्शन और ग्राहक संतुष्टि को प्राथमिकता देती है।

रियलमी ने एलीट फ्लैगशिप, रियलमी जीटी 7 प्रो लॉन्च किया

उदयपुर (पुकार)। भारतीय युवाओं के सबसे लोकप्रिय स्मार्टफोन ब्रांड रियलमी ने आज लंबे इंतजार के बाद भारत के पहले स्नैपड्रैगन 8 एलीट फ्लैगशिप चिपसेट के साथ रियलमी जीटी 7 प्रो लॉन्च किया। रियलमी जीटी 7 प्रो कई अत्याधुनिक विशेषताओं के साथ परफॉरमेंस के नए मानक स्थापित करने वाली एक असाधारण डिवाइस है। यह भारत की पहली डिवाइस है, जिसमें स्नैपड्रैगन 8 एलीट फ्लैगशिप चिपसेट लगा है और इसका एंटूटू स्कोर 3 मिलियन' है। लॉन्च के बारे में रियलमी प्रवक्ता ने कहा - हम अपनी प्रसिद्ध जीटी सीरीज़ में रियलमी जीटी 7 प्रो पेश करके बहुत उत्साहित हैं। रियलमी जीटी सीरीज़ ने हमेशा सीमाओं को आगे बढ़ाया है, और नए मानक स्थापित किए हैं। हम यह असाधारण टेक्नोलॉजी अपने ग्राहकों को पेश करके बहुत रोमांचित हैं। इससे प्रीमियम स्मार्टफोन उद्योग में अपेक्षाओं से बेहतर करने और सीमाएं बढ़ाते रहने की हमारी प्रतिबद्धता प्रदर्शित होती है।

सुरक्षा डायग्नोस्टिक लिमिटेड का आरंभिक सार्वजनिक प्रस्ताव 29 नवंबर को खुलेगा

उदयपुर (पुकार)। सुरक्षा डायग्नोस्टिक लिमिटेड का आरंभिक सार्वजनिक प्रस्ताव शुक्रवार, 29 नवंबर, 2024 को खुलेगा। एंकर निवेशक बोली लगाने की तिथि गुरुवार, 28 नवंबर, 2024 है। बोली / प्रस्ताव बंद होने की तिथि मंगलवार, 3 दिसंबर, 2024 है। प्रस्ताव का प्राइस बैंड रु.420 प्रति इक्विटी शेयर से रु.441 प्रति इक्विटी शेयर तय किया गया है। न्यूनतम 34 इक्विटी शेयरों और उसके बाद 34 इक्विटी शेयरों के गुणकों के लिए बोलियाँ लगाई जा सकती हैं। आरंभिक सार्वजनिक पेशकश 19,189,330 इक्विटी शेयरों की बिक्री के लिए एक प्रस्ताव है, जिसमें डॉ.सोमनाथ चटर्जी द्वारा 2,132,148 इक्विटी शेयर, रितु मित्तल द्वारा 2,132,148 इक्विटी शेयर, सतीश कुमार वर्मा द्वारा 2,132,148 इक्विटी शेयर, ऑर्बिमेड एशिया।। मॉरीशस लिमिटेड द्वारा 10,660,737 इक्विटी शेयर, मुन्ना लाल केजरीवाल द्वारा 799,556 इक्विटी शेयर और संतोष कुमार केजरीवाल द्वारा 1,332,593 इक्विटी शेयर शामिल हैं।

संक्षिप्त खबरें...

एबीवीपी का 70वाँ राष्ट्रीय अधिवेशन गोरखपुर में सम्पन्न

चित्तौड़गढ़ । अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद का 70वाँ राष्ट्रीय अधिवेशन 22 से 24 नवम्बर को उत्तर प्रदेश के गोरखपुर में पुण्यश्लोक अहिल्यादेवी होलकर नगर में सम्पन्न हुआ जिसमें देशभर के सभी प्रान्तों से 1200 प्रतिनिधियों ने भाग लिया। अधिवेशन के अंतिम दिन उत्तरप्रदेश सीएम आदित्य नाथ योगी के मुख्य आतिथ्य में आयोजित प्रोफेसर यशवंतराव केलकर युवा पुरस्कार समारोह में नवीन राष्ट्रीय कार्यकारिणी कि घोषणा की गई जिसमें अदिति कंवर भाटी और सीताराम केसरी को राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य मनोनीत किया गया। राष्ट्रीय अधिवेशन में राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य सीताराम केसरी, अदिति कंवर भाटी, विभाग संयोजक कमल प्रजापत, एसएफएस प्रान्त सहसंयोजक अर्पित वैष्णव ने भाग लिया।

बाल विवाह मुक्त भारत अभियान के तहत जिले में विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया

चित्तौड़गढ़ । जिला कलक्टर आलोक रंजन के निर्देशानुसार बुधवार को भारत सरकार द्वारा प्रारम्भ किये गये बाल विवाह मुक्त भारत अभियान का सीधा प्रसारण वेब-कॉस्ट के माध्यम से सूचना एवं प्रोद्योगिक कार्यालय के विडियोकांफ्रेसीग हॉल में विभिन्न जिलास्तरीय अधिकारियों ने भाग लिया एवं उपस्थित अधिकारियों के द्वारा बाल विवाह प्रतिषेध की शपथ ली गयी । कार्यं म में अतिरिक्त जिला कलक्टर (भू0अवाप्ति) रामचन्द्र खटीक, मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी ताराचन्द गुप्ता, मुख्य जिला शिक्षा अधिकारी प्रमोद कुमार दशोरा, जिला शिक्षा अधिकारी (मा0) कल्पना शर्मा, जिला शिक्षा अधिकारी (प्रा0) राजेन्द्र कुमार शर्मा, परिवीक्षा अधिकारी सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग से विकास खटीक, महिला अधिकारिता विभाग से बाल विकास परियोजना अधिकारी मनीष मेघवाल, सहायक निदेशक जिला बाल संरक्षण इकाई ओम प्रकाश तोषनीवाल, चाईल्ड हेल्पलाईन 1098 जिला समन्वयक नवीन काकडदा उपस्थित थे । जिला कलक्टर के निर्देशानुसार जिले के विभिन्न विद्यालयों में बाल विवाह मुक्त भारत अभियान के शुभारम्भ पर बाल विवाह प्रतिषेध की शपथ दिलाई गयी। आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं द्वारा आंगनवाड़ी केन्द्रों पर महिलाओं को एकत्र कर शपथ दिलाई गयी। महिला अधिकारिता विभाग द्वारा जागरूकता रैली निकाली गयी ।

राहुल बारेगामा गौसेना का कपासन तहसील अध्यक्ष मनोनीत

चित्तोड़गढ़। गौ माता को राज्य माता का दर्जा की मांग को लेकर लगातार संघर्षरत गौसेना संगठन की कार्यकारिणी विस्तार के लिए बैठक का आयोजन कपासन में जैलेश्वर महादेव गौ शाला में किया गया ।गौसेना के जिला प्रमुख और वार्ड पंच बोरदा गोपाल माली के नेतृत्व में और राहुल बारेगामा की अध्यक्षता में बैठक का आयोजन किया गया। इस बैठक में गौ सेना की कपासन तहसील की कार्यकारिणी की घोषणा करते हुए गौसेना के जिला प्रमुख गोपाल माली ने जैलेश्वर गौशाला के अध्यक्ष राहुल जी बारेगामा को गौसेना के तहसील अध्यक्ष के पद पर मनोनीत किया और हार्दिक शुभकामनाएं दी और कहा कि आपके नेतृत्व में गौसेना संगठन का विस्तार होगा जिससे गौ माता के लिए गौ सेना उत्कृष्ट कार्य कर सकेगी। इस बैठक में गौसेना के चित्तौड़गढ़ नगर महामंत्री दिव्यांशु चावड़ा, दीपक बेरवा , चित्तौड़गढ़ नगर अध्यक्ष राज उपाध्याय, चित्तौड़गढ़ तहसील उपाध्यक्ष गोपाल अहीर और कपासन से कई गौ सेवक उपस्थित थे।

'स्वस्थ माँ, स्वस्थ बच्चा, जब पति का हो परिवार नियोजन में योगदान अच्छा'

चित्तौडगढ। चिकित्सा, स्वास्थ्य एंव परिवार कल्याण विभाग द्वारा 'राष्ट्रीय परिवार कल्याण'' कार्यं म के अन्तर्गत परिवार नियोजन में पुरूषों की भागीदारी बढाने हेतु दिनांक 28 नवम्बर से 4 दिसम्बर 2024 तक सेवा वितरण सप्ताह के रूप में पुरुष नसबंदी पखवाड़े के आयोजन में प्रचार प्रसार के साथ चिकित्सा संस्थानों पर पुरूष लाभार्थियो को गुणवतापूर्ण नसबंदी सेवाओं की सुविधा प्रदान की जा रही है। मुख्य चिकित्सा एंव स्वास्थ्य अधिकारी डॉ तारा चंद गुप्ता ने बताया कि परिवार कल्याण में पुरूषों की भागीदारी महिलाओं की तुलना में कम है इसको देखते हुए ''स्वस्थ माँ, स्वस्थ बच्चा, जब पति का हो परिवार नियोजन में योगदान अच्छा'' की अवधारणा पर पुरूष नसबन्दी पखवाडा आयोजित किया जा रहा है। सेवा वितरण सप्ताह दिनांक 28 नवम्बर से 4 दिसम्बर 2024 के दौरान जिले के चिन्हित चिकित्सा संस्थानो पर विषेष पुरूष नसबंदी दिवस (थ्वै) का आयोजन किया जावेगा। इस अवधि में जनसंख्या स्थिरीकरण में पुरूषो की भागीदारी बढ़ाने हेतु सीमित परिवार और बच्चो मे अंतराल रखने के प्रति जागरूकता बढ़ाने के लिये सेवा प्रदान पखवाड़ा के दौरान स्वास्थ्य कार्यकर्ता, आशा सहयोगिनियों, आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं की ओर से अपने क्षेत्र मे योग्य दंपत्तियों से संपर्क कर सीमित परिवार के लाभ, पहले एवं दूसरे बच्चे मे कम से कम तीन साल का अंतर, अंतरा गर्भनिरोधक इंजेक्शन, परिवार नियोजन मे सहभागिता पर विस्त्रत चर्चा की जायेगी। साथ ही महिला एवं पुरुष नसबंदी के इच्छुक दंपत्तियों को प्रेरित कर संबन्धित क्षेत्र मे होने वाले नियत नसबंदी दिवस की दिनांक बताकर नसबंदी करवाने हेतु प्रेरित किया जायेगा। उक्त अवधि में लाभार्थियों को परिवार नियोजन साधनो को अपनाने के लिये परामर्श सेवायें प्रदान की जावेगी तथा नियत नसबंदी दिवस का आयोजन किया जायेगा जिसमे नसबंदी तथा अंतराल साधनो की सेवा प्रदान की जावेगी। अति0 मुख्य चिकित्सा एंव स्वास्थ्य अधिकारी डॉ घनश्याम चावला ने बताया कि जनसंख्या स्थिरीकरण हेतु पुरूषो की भागीदारी सुनिष्चित करने का आह्वान करते हुए बताया कि पुरूष नसबन्दी (छैट) महिला नसबन्दी की अपेक्षा काफी सरल, सहज एवं सुरक्षित है। पुरूष नसबन्दी पर प्रत्येक सफल केस को देय 3000/- रू. की क्षतिपुर्ति राशि तथा प्रेरक को देय 400/-रू. की प्रोत्साहन राशि देय है। डॉ चावला ने आमजन से अपील कि है कि वे अधिक से अधिक पुरूष नसबन्दी अपनाकर अभियान को सफल बनाये।

'भारतीय संविधान भारत की आत्मा' पर विचार गोष्ठी हुई

चितौड़गढ़ (पुकार)। भारतीय संविधान पार्क चितौड़गढ़ में 75 वे भारतीय संविधान दिवस पर 'भारतीय संविधान भारत की आत्मा' विषय पर विचार गोष्ठी के मुख्य अतिथि राजस्व अपील आधिकारी सुरेश खटीक ने भारतीय संविधान दिवस की हीरक जयंती पर सभी को बधाई देते हुए संवैधानिक प्रावधानों पर चर्चा की। निर्मल देसाई ने कार्यक्रम की रूपरेखा प्रस्तुत की कार्यक्रम के सूत्रधार बाबु लाल जीनवाल ने अतिथियों का स्वागत किया।कार्यक्रम के अध्यक्ष एक्स ई एन रमेश चंद्र बलाई ने भारतीय संविधान की विशेषताओं को बताते हुए सामाजिक न्याय में संविधान के योगदान को याद किया। अति विशिष्ट अतिथि एस सी/एस टी रेलवे एम्पलोई संघ के अध्यक्ष एस आर गढ़वाल ने अपने विचार व्यक्त हुए कहा कि भारतीय संविधान ने सभी को मानवीय अधिकारों से ओत प्रोत किया है विशिष्ट अतिथि रमेश जाटव, बशीधर, अम्बेडकर विचार मंच के जिलाध्यक्ष सुरेश खोईवाल, सी डब्ल्यू सी सदस्य नीता लोट, संस्थापक अम्बेडकर विचार मंच छगन लाल चावला, अम्बा लाल सेरशिया ने विचार व्यक्त किए। संगोष्ठी में श्रमिक हितों के लिए मदन ओजस्वी, समाज सेवा के लिए अखिल भारतीय वाल्मिकी महासभा के जिलाध्यक्ष राजेश लोट, पूर्व पार्षद दिलीप बेनीवाल, परिवार को शिक्षित करने लिए राजेश कंडारा, सामाजिक न्याय के लिए अखिल भारतीय बैरवा समाज जिलाध्यक्ष रामेश्वर बैरवा, सेवानिवृत मोहन लाल आमेरिया, गणेश जाटोलिया, भूरा लाल सालवी, अजाक जिलाध्यक्ष हंसराज सालवी, रक्त दान के लिए सोहन लाल नायक, मनोज बैरवा, अम्बेडकर दर्शन के लिए जगदीश सोलंकी,चन्द्र प्रकाश वर्मा, शंकर लाल भांबी, लक्ष्मी नारायण जोगपाल, महेश मेघवाल ,पहलवान सालवी तथा मत्युभोज एवं बाल विवाह के विरुद्ध अभियान के लिए कौशल किशोर बिलवाल का सम्मान किया गया। विचार गोष्ठी में ए ई एन हीरा लाल आर्य,सत्य नारायण चावला, मेवा लाल खोईवाल, सुरेश सालवी, किशन सालवी, प्रधान मीणा, जानकी लाल रैगर, एडवोकेट मुरलीधर घारू, मीणा समाज विकास संस्थान से चमन मीणा, पार्वती सालवी,दिनेश सालवी, रवि कांत, अम्बेडकर शिक्षक संघ के जिलाध्यक्ष,नरेन्द्र लोट, गोपेश कोदली, अजाक महामंत्री अनिल बारेसा, कृषि वैज्ञानिक रतन खटीक मोहन मेघवाल, राधेश्याम जटिया ने अपने विचार व्यक्त किए।

संगोष्ठी में अम्बा लाल जीनगर, खेमराज जी मीणा, भंवर रावत,राजेन्द्र जीनगर, अजय रजक, गोपाल रैगर, बी एल मीणा, परमेश्वरी देवी, चेतन बैरवा, रतन लोट,जगदीश सालवी, रतन सालवी,श्याम लाल रैगर, गणेश रजक, मथुरा लाल सालवी,गिरिधारी लाल रैगर, रविन्द्र बैरवा,किशन लाल जटिया, सुभाष घारू, शिव कोदली, एडवोकेट किरण मीणा,राजेश महावर, ,प्यारे लाल रैगर, घीसू लाल, नारायण जटिया, सत्य नारायण जटिया, पुरन मीणा, विनोद कुमार खटीक,श्याम लाल मीणा, नारायण भील, चिराग सालवी, लादू लाल सालवी, श्याम लाल जटिया, सुरेश जटिया, सत्य नारायण, अशोक ओलेडिया, रामपाल रैगर , कैलाश बौद्ध, कैलाश सालवी, शम्भू मेघवाल,राधेश्याम जटिया भटवाड़ा खुर्द उपस्थित रहें कार्यक्रम का संचालन सत्यनारायण बारेठ ने किया तथा आभार गणेश रजक ने ज्ञापित किया।

सर्दी में स्वेटर का उपहार पाकर चेहरे खिले, राउमावि सामरी में 106 विद्यार्थियों को शिक्षकों द्वारा स्वेटर वितरण

सामरी (पुकार) । राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय सामरी तहसील चित्तौड़गढ़ के 106 विद्यार्थियों के चेहरे एकाएक खिल उठे जब उन्हें इस कड़ाके की ठण्ड में स्वेटर जैसा उपहार मिला। शिक्षा विभाग के विभिन्न विद्यालयों में इन दिनों दानदाताओं द्वारा सवेटर-जर्सी के वितरण की लगातार खबरें आ रही हैं उसी ' म में सामरी स्कूल के दो दर्जन कार्मिकों ने सामूहिक रूप से अपने ही विद्यालय की पहले से आठवीं तक के विद्यार्थियों को स्वेटर का वितरण 27 नवम्बर बुधवार को किया। प्राचार्य अय्यूब खान ने समारोह की अध्यक्षता करते हुए अपने संक्षिप्त उद्बोधन में कहा कि सेवा वह है जो प्रतिफल की इच्छा के बगैर की जाए। समारोह का संचालन भूगोल विषय की प्राध्यापिका डॉ. श्वेता मेहरा ने किया। स्टाफ सचिव हकीम बैग मिर्जा और मिड डे मील प्रभारी जगदीश चन्द्र भट्ट के इस प्रस्ताव पर सभी स्टाफ साथियों ने बच्चों को अपने हाथों से स्वेटर बाँटें गौरतलब है कि बीते वर्ष इन्हीं विद्यार्थियों को टाई-बेल्ट का वितरण किया गया था। इस अवसर पर व्याख्याता ममता मीणा, वरिष्ठ अध्यापक किशन लाल कुम्हार, अध्यापिका पार्वती उपाध्याय, कन्हैया लाल यादव, सविता तोलंबिया, गंगा गोस्वामी, कंप्यूटर अनुदेशक सुमन खोईवाल, वरिष्ठ सहायक कुलदीप मीणा, कनिष्ठ सहायक शालू बैरवा, पंचायत सहायक दशरथ सिंह शक्तावत, पंचायत शिक्षक राधेश्याम मूंदड़ा मौजूद थे।

डिजिटल सशक्ति करण एवं साइबर जागरूकता प्रशिक्षण संपन्न

अरनोद । जिला कलेक्टर अंजली राजौरिया के निर्देशन में चलाए जा रहे हैं डिजिटल सशक्तिकरण एवं साइबर जागरूकता अभियान के क्रम में राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय अरनोद में ब्लॉक स्तरीय प्रशिक्षण संपन्न हुआ। जिसमें अरनोद ब्लॉक के सभी 22 राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय के रिसोर्स पर्सन ने भाग लिया । प्रशिक्षण के प्रारंभ अतिरिक्त मुख्य ब्लॉक शिक्षा अधिकारी महेश कुमार जैन ने साइबर सुरक्षा से संबंधित महत्वपूर्ण टिप्स प्रदान किए । इसी ' म में प्रधानाचार्य राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय अरनोद सत्यनारायण जी चौधरी द्वारा साइबर फ्रॉड से संबंधित जानकारी प्रदान की ।इसके पश्चात ब्लॉक मास्टर ट्रेनर विजय सिंह राठौड़ एवं नितेश कुमावत ने विस्तार से साइबर सुरक्षा और डिजिटल सशक्तिकरण के बारे में प्रशिक्षण प्रदान किया । विभिन्न विद्यालयों से आए शिक्षकों द्वारा डिजिटल अरेस्ट, ओटीपी फ्रॉड , वाईस कॉल,ह्यद्वह्य फ्रॉड से संबंधित कई प्रश्न पूछते हुए अपनी जिज्ञासा व्यक्त की जिनका समाधान किया गया । 28 से 30 तक ब्लॉक पर प्रशिक्षित शिक्षक अपने विद्यालय में स्टाफ साथियों एवं विद्यार्थियों को साइबर सुरक्षा की जानकारी प्रदान करेंगे।

लंबित राजस्व प्रकरणों का यथाशीघ्र निस्तारण करें अधिकारी- जिला कलक्टर मेहता

भीलवाड़ा (पुकार) । जिला कलक्टर नमित मेहता ने कहा कि राजस्व अधिकारी गंभीरता के साथ राजस्व प्रकरणों का निस्तारण करें। यह बात उन्होंने बुधवार को जिला कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित राजस्व अधिकारियों की मासिक समीक्षा बैठक के दौरान कही। उन्होंने कहा कि राजस्व के लंबित प्रकरणों का प्रभावी तथा विहित समय में निस्तारण किया जाना सुनिश्चित करें। उन्होंने बैठक में राजस्व से संबंधित प्रकरणों पर चर्चा कर राजस्व अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने राजस्व अधिकारियों को अधिक समय देकर कोर्ट केसों के निपटान के निर्देश दिए। साथ ही कहा कि रेवेन्यू परिवादों को निपटाएं तथा कन्वर्जन, नामांतरण आदि प्रकरणों को नियमित मॉनिटरिंग कर निस्तारित करें। बैठक में जिले में भू-आवंटन, भू-रूपान्तरण और नामान्तरण सहित सभी तरह के राजस्व प्रकरणों की समीक्षा की। साथ ही गत बैठक में दिए गए निर्देशों की पालना के बारे में पूछा। बैठक में लाइट्स पोर्टल पर लंबित राजस्व प्रकरणों की समीक्षा की गई। जिला कलक्टर ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि पंजीयन में दिए गए लक्ष्य के अनुरूप प्रगति लाएं। इसी के साथ सीएमओ, सीएस कार्यालय, आयोग आदि से प्राप्त होने वाले प्रकरणों की समुचित कार्यवाही करें। साथ ही क्षेत्र में बजट घोषणाओं के क्रियान्वयन में आवश्यक कार्यवाही सुनिश्चित करें। उन्होंने सभी उपखंड अधिकारियों से कहा कि अपने-अपने क्षेत्र के कार्यालयों का औचक निरीक्षण करें। कार्यालयों में ई-फाइलों का समुचित डिस्पोजल करें तथा एवरेज डिस्पोजल टाइम कम करें। संपर्क पोर्टल पर दर्ज प्रकरणों के गुणवत्तापूर्ण निस्तारण के साथ सेटिस्फेक्शन परसेंटेज बढाएं। रात्रि चौपाल में मूलभूत सेवाओं से संबंधित अधिकारियों को शामिल कर आमजन की समस्या सुनें तथा शीघ्र निस्तारण सुनिश्चित करवाएं। कन्वर्जन से संबंधित प्रकरणों का निर्धारित समय सीमा में निस्तारण किया जाए। इसी के साथ प्रोजेक्ट कार्यों में प्रगति लाएं तथा विभिन्न निर्माण में भूमि अधिग्रहण व प्रोजेक्ट कार्यों की मॉनिटरिंग करें। इसके अतिरिक्त बैठक में राजस्व न्यायालय में लंबित प्रकरण, भू अभिलेख से संबंधित प्रकरण, सीमा ज्ञान, पत्थरगढ़ी, फसल कटाई प्रयोग से संबंधित प्रगति पर चर्चा हुई। इसके अलावा, ऑनलाइन भूमि सम्परिवर्तन, पब्लिक लैंड प्रोटेक्शन सेल में दर्ज प्रकरणों के निस्तारण, राष्ट्रीय राजमार्ग के लिए भूमि अवाप्ति से संबंधित लंबित प्रकरण, राजकीय कार्यालयों और संस्थाओं को भूमि आवंटन के लंबित प्रकरणों के निस्तारण के निर्देश दिए गए। राजस्व वसूली के प्रकरण, विधि अनुभाग, सहायता अनुभाग, पीएम किसान सम्मान निधि योजना की प्रगति, ई-फाइल की प्रगति, पंजीयन विभाग से संबंधित प्रगति पर विस्तार से चर्चा की गई और आगे की कार्रवाई के लिए आवश्यक निर्देश दिए गए। एडीएम प्रशासन ओमप्रकाश मेहरा ने सभी अधिकारियों को सभी दिशा-निर्देशों की समुचित पालना कर प्रकरणों में प्रगति रिपोर्ट भिजवाने के निर्देश दिए। इस दौरान जिले के समस्त उपखण्ड अधिकारी, तहसीलदार, नायब तहसीलदार सहित अन्य अधिकारी, कर्मचारी व राजस्व अधिकारी मौजूद रहे।

आत्मा ही कर्ता एवं आत्मा ही भोक्ता है - आदित्य मुनि जी म.सा.

चित्तौड़गढ़ (पुकार) । स्थानीय सेंती स्थित शांति भवन में विशाल धर्म सभा को संबोधित करते हुए आचार्यश्री रामेश के आज्ञानुवर्ती शासन दीपक आदित्य मुनि म.सा. ने फरमाया कि आत्मा ही कर्ता है, आत्मा ही भोक्ता है। संसार में सब कुछ आरामदाय चल रहा है, फिर भी धर्म ध्यान सवाध्याय, तप, जप, नियम संयम, दान, शील, भावना एवं संतों का बहुत महत्व है। 100 वर्षों पहले भी यह साहित्यों में लिखा गया था कि युवा धर्म से दूर है और आज भी यह लिखा, कहा जाता है कि युवा धर्म से दूर है। क्या परिवर्तन आया? क्यों परिवर्तन नहीं आया। सुधार आना चाहिए था, सुधार नहीं आया। सभी के सभी धाम्रिक हो जाए, यह मुश्किल हैं। धर्म व कल्याण के मार्ग को सुनने वाले कम हैं। आत्मा के लिए हितकारी मार्ग क्या है? समझना होगा। मेरा ही धर्म श्रेष्ठ है, यह कहना ही गलत है। ऐसा क्यों कहना। सभी को सुधारना की ताकत किसी में नहीं। स्वयं सुधरे, सब सुधर जाएगा। भीड़ कभी मोक्ष नहीं जाती। जीव अकेला मोक्ष जाता है। कोई मोक्ष भेज नहीं सकते। स्वयं के कार्य को देखना है। क्रोध के विषय में बताया कि भगवान महावीर पर अनेकों ने क्रोध किए, परन्तु उनका कुछ न बिगड़ा। भगवान का मोक्ष पधारना हुआ। धर्म आत्मानुशासन धर्म आत्मानुभूति धर्म विजयनंद है। धर्म परआनंद है। जो करेगा सो भरेगा। साधु बनने पर मोक्ष पक्का हो जाएगा। यह जरूरी नहीं है। रिठोला चौराहा के बारेमें कहा जाता है कि एशिया का सबसे बड़ा चौराहा है। यदि कोई व्यक्ति यह कहे कि मैं एशिया का सबसे बड़े चौराहा रिठोला चौराहा पर खड़ा हूँ और बार-बार यही कहता रहे तो इसमें क्या होगा। परिणाम तो कुछ नहीं आएगा। शक्ति का ही अपव्यय होगा। समझना है कि क्या बदलाव आया। धर्म के तत्व में समझना होगा। स्वयं को स्वाध्याय ज्ञान ध्यान में प्रवृत करना होगा। जीव अजीव नवतत्व का ज्ञान करना होगा। जीव, आठ कर्म का कर्ता है हमेशा से हमेशा रहेगा। जीव कर्म खपा कर मोक्ष जाते हैं। सम्यक ज्ञान, सम्यक दर्शन, सम्यक चारित्र, तप ही मोक्ष के कारण हैं। यह समझने से धर्म की शुरूआत होती है। 70 साल पुराने लोग हैं। आगे 70 साल और कितने रहेंगे। कोई तो रहेंगे। पर्याय बदलेगा, जीवन को समझना है। महापुरूषों के जीवन को पढ़ा होगा। जीवन में उतारना होगा। धर्म को समझ कर जीवन में आचरण में जाना होगा। तभी जीवन में परिवर्तन आएगा। वही परिवर्तन जीवन सफल बनाएगा। अन्यथा जैसे समय बीता है बीतता जाएगा और वहीं के वहीं खड़े रह जाएंगे। जो भी धर्म से जीवन को धर्ममय बनाएगा, यत्र तत्र सर्वत्र आनंद रहेगा। सभी धर्मलाभ लें, अनुभूति प्राप्त करें।

प्रवचन समय के पूर्व में अटल मुनि ने मसा ने भी संबोधित किया। पार्श्वनाथ प्रभु की प्रार्थना, हे पारसनाथ तुम्हारे चरणों में.... के माध्यम से धर्मसभा को श्रद्धा का महत्व बताया। प्रवचन सभा का संचालन महामंत्री आदित्येन्द्र सेठिया ने किया। श्रीसंघ की विनती पर कल का प्रवचन प्रात 9:15 बजे शांति भवन में ही स्वीकृति प्रदान की गई। धर्मसभा में एकासन उपकार बिनायना एकलझाना आयंबिल तप पोरसी दो पोरसी तप के प्रत्याख्यान हुअए। मंगलपाठ अटल मुनि मसा ने सुनाया। दोपहर 2 बजे स्वाध्याय एवं सायंकाल प्रतिक्रमण तथा ज्ञान चर्चा कार्यक्रम हुए।

महासती सुशीला कंवर मसा आदि ठाणा 5 शांतिलाल महेश सुराना के सैंती आवास पर विराजना हुआ तथा महासती दिव्य प्रभा श्रीजी मसा का 70 सिद्वार्थ विला, चन्द्रशेखर आजाद नगर स्थित करणसिंह सेठिया के आवास पर विराजना हुआ। महासती प्रेमलता मसा आदि ठाण समता भवन शास्त्रीनगर में विराजित है। आदित्य मुनि मसा के 28 नवम्बर शुक्रवार को प्रवचन शांति भवन में होंगे। संघ अध्यक्ष रोशन लोढ़ा ने अधिकाधिक धर्मला की अपील की।

गंगरार थाना पुलिस की अवैध शराब के खिलाफ बडी कार्यवाही

20 लाख की अवैध शराब जब्त, कंटेनर में स्प्रिंग के कार्टुनो की आड में अवैध शराब की तस्करी करते हुए एक गिरफ्तार

गंगरार (पुकार) । अवैध शराब तस्करी के खिलाफ गंगरार थाना पुलिस ने बडी कार्यवाही करते हुए एक कंटेनर से स्प्रिंग के कार्टुनो की आड में छुपाकर अवैध तरीके से परिवहन किये जा रही विभिन्न ब्राडं की अंग्रेजी शराब के कुल 243 कार्टुन जब्त कर कंटेनर चालक को गिरफ्तार कर मामला दर्ज कर आरोपी से पूछताछ की जा रही है। पुलिस अधीक्षक सुधीर जोशी ने बताया कि जिले में अवैध शराब की तस्करी के खिलाफ कार्यवाही के तहत एएसपी सरिता सिंह के निर्देशन व डीएसपी गंगरार प्रभुलाल कुमावत के सुपरविजन में थानाधिकारी गंगरार लक्ष्मणलाल डांगी पु. नि. व पुलिस जाप्ता एएसआई शिवलाल, हैड कानि. प्रमोद कुमार, कानि. रोहिताश, गणपत, हरभान सिंह, मनोज कुमार व भेरूलाल द्वारा हाईवे रोड पर नाकाबंदी की जा रही थी। इसी दोरान एक संदिग्ध कंटेनर को रूकवाया जाकर नियमानुसार कन्टेनर की तलाशी ली गई ।तो कन्टेनर में स्प्रिग के कार्टुनो की आड में छुपाये हुए अवैध शराब के कार्टुन मिले। कार्टुनो की गिनती की गई तो कुल 243 अलग अलग ब्रांड की अंग्रेजी शराब की बोतले व पव्वे भरे हुए पाये गये। जिन्हे जब्त कर कंटेनर चालक डीग भरतपुर जिले के गोपालगढ थाने के जोत रूहल्ला निवासी 20 वर्षीय हलीम खा पुत्र जमशेद खां मेव को गिरफ्तार किया गया एवं अवैध शराब में परिवहन में उपयोग किये जा रहे कंटेनर को जब्त किया जाकर अवैध शराब खरीद फरोख्त व परिवहन के संबध में अनुसधान किया जा रहा है। वृताधिकारी कुमावत ने बताया कि जब्त शुदा शराब की बाजार कीमत करीब बीस लाख रुपए आंकी गई है ।

राष्ट्रीय संत सुनील सागर जी महाराज के पलक पावंडे बिछा अभिनन्दन किया

शंभूपुरा। राष्ट्रीय संत दिगंबराचार्य श्री सुनील सागर जी महाराज के ससंघ नगर आगमन पर दिगम्बर जैन समाज कि अगुवाई में नगरवासियो ने पलक पावंडे बिछाकर भावभीना स्वागत अभिनंदन किया। समाज के प्रवक्ता मनोज सोनी के अनुसार राष्ट्रीय संत श्री सुनील सागर जी महाराज के विशाल संघ के नगर आगमन पर श्री सकल दिगंबर जैन समाज के अध्यक्ष सुशील काला ओर महामंत्री मनोज पटवारी कि अगुवाई में सकल जैन श्री संघ द्वारा अरिहंत ट्रांसपोर्ट पर भावभीना अभिनंदन किया गया। बड़ी संख्या में उपस्थित धर्मावलम्बीयो ने मुनि वृंदो कि अगवानी कि ओर श्रद्धा से आरती ओर पद प्रक्षालन कर उनके प्रति भक्ति दर्शाई। दोपहर पश्चात विहार्थियों ने नगर कि ओर मुनि संघ को विहार कराते हुए नगर के आरके कॉलोनी मार्ग स्थित कल्याण चौक पर सैकड़ो श्रद्धांलुओं कि उपस्थिति में भावभीना स्वागत करते हुए उनके चरणों में श्री फल अर्पित किये। हजारों अनुनायियों ने स्वागत जुलुस का आदर्श कॉलोनी मार्ग में जगह जगह आचार्य श्री के पद प्रक्षालन कर आशीर्वाद लिया तत्पश्चात् आचार्य श्री के मंगल प्रवचन आदिनाथ मांगलिक भवन में हुए। उपस्थित श्रद्धालुओं को आचार्य सुनील सागर ने सम्बोधित करते हुए कहा कि भगवान महावीर का संदेश जन-जन को तप ओर शाश्वतता कि शिक्षा देता है भगवान श्री राम अपनी मर्यादा के संदेश में जन-जन को नियमित संयम जीने का सन्देश देता है, इसी तरह बुद्ध जन-जन को सदा वात्सल्य से रहने कि शिक्षा देते है तों भगवान कृष्ण गौ सेवा करने के सन्देश को प्रतिपादित करते है उसी तारतम्य में देखा जाए तों वर्तमान में हम जैसे तपस्वी साधू संत जन-जन को सदाचार शाकाहार का पाठ पढ़ाते है। धर्मसभा में पूर्व विधायक अशोक नवलखा, नगर भाजपा अध्यक्ष नितिन चतुर्वेदी सहित विविध समाज संस्थाओ ने आचार्य संघ कि चरण वंदना कर श्री फल चढ़ाया ओर आशीर्वाद लिया। मुनि संघ ने नगर संत समुदाय को अनवरत विहार कराने के लिए विहार समिति कि प्रशंसा करते हुए सद कार्य का आशीर्वाद दिया। देर रात्रि तक मुनि संघ ने श्री शान्तिनाथ दिगम्बर मन्दिर में विविध धार्मिक कार्य सम्पन्न कराये ओर श्रद्धांलुओं कि जिज्ञासाओ का प्रश्न मंच के माध्यम से समाधान किया।राष्ट्रीय संत दिगंबराचार्य श्री सुनील सागर जी महाराज के ससंघ नगर आगमन पर दिगम्बर जैन समाज कि अगुवाई में नगरवासियो ने पलक पावंडे बिछाकर भावभीना स्वागत अभिनंदन किया। समाज के प्रवक्ता मनोज सोनी के अनुसार राष्ट्रीय संत श्री सुनील सागर जी महाराज के विशाल संघ के नगर आगमन पर श्री सकल दिगंबर जैन समाज के अध्यक्ष सुशील काला ओर महामंत्री मनोज पटवारी कि अगुवाई में सकल जैन श्री संघ द्वारा अरिहंत ट्रांसपोर्ट पर भावभीना अभिनंदन किया गया।

बाढ़ सहित अन्य आपदाओं में गम्भीरी नदी में पांच लोगों को बचाने का किया मॉकड्रिल

चित्तौड़गढ़ (पुकार) । शहर में बहने वाली गंभीरी नदी में बुधवार को बाढ़ सहित अन्य किसी भी प्रकार की विपरीत परिस्थितियों और आपदा से निपटने के लिए 6th NDRF, बड़ौदा, गुजरात की टीम, SDM, सिविल डिफेंस, फायर, डॉक्टर सहित अन्य विभागों की संयुक्त टीमों ने एक मॉक ड्रिल का आयोजन किया। गंभीरी नदी में पांच लोगों के फंसने की सूचना मिलने पर उन्हें बचाने के लिए रेस्क्यू अभियान किया गया। यह मॉक ड्रिल लगभग 2 घंटे तक चली। इसके बाद गुजरात से आई टीम ने चित्तौड़गढ़ सिविल डिफेंस की टीम को ट्रेनिंग भी दी। सिविल डिफेंस, नगर परिषद और फायर ब्रिगेड के पास उपलब्ध इक्विपमेंट्स की भी जांच की गई। चित्तौड़गढ़ शहर में बहने वाली गंभीरी नदी में बुधवार को बाढ़ सहित अन्य किसी भी प्रकार की विपरीत परिस्थितियों और आपदा से निपटने के लिए 6th NDRF, बड़ौदा, गुजरात की टीम, SDM, सिविल डिफेंस, फायर, डॉक्टर सहित अन्य विभागों की संयुक्त टीमों ने एक मॉक ड्रिल की। गंभीरी नदी में पांच लोगों के फंसने की सूचना मिलने पर उन्हें बचाने के लिए रेस्क्यू अभियान किया गया। यह मॉक ड्रिल लगभग 2 घंटे तक चली। इसके बाद गुजरात से आई टीम ने चित्तौड़गढ़ सिविल डिफेंस की टीम को ट्रेनिंग भी दी। सिविल डिफेंस, नगर परिषद और फायर ब्रिगेड के पास उपलब्ध इक्विपमेंट्स की भी जांच हो गई। उपखंड अधिकारी देवल ने कहा कि किसी भी आपदा से निपटने के लिए हमेशा मानसिक रूप से तैयार रहना चाहिए और आपदा से बचाव के लिए सभी को मिलकर कार्य करना चाहिए। लोगों को बताया गया कि बाढ़ आने पर घबराना नहीं चाहिए बल्कि इस समय संयम बरतते हुए उपलब्ध संसाधनों का प्रयोग करते हुए इस निपटने की कोशिश करें।

28 सदस्यों के साथ पहुंची थी गुजरात से टीम- नदी पर चले मॉक ड्रिल के माध्यम से अन्य लोगों को भी जागरूक किया गया। ऐसी किसी सिचुएशन में बचाव में उपयोग के लिए लाइफ सेविंग जैकेट, लाइफ ब्वॉय, नाव आदि के संचालन की जानकारी दी गई। मॉक ड्रिल का प्रदर्शन करते हुए डूब रहे की जानकारी दी गई। मॉक ड्रिल का प्रदर्शन करते हुए डूब रहे पांच व्यक्तियों को नाव से बचाकर उन्हें नदी से बाहर लाकर प्राथमिक उपचार का प्रदर्शन लोगों के सामने किया गया।

सम्पादकीय

कट्टरता का बांग्लादेश

बांग्लादेश में हसीना सरकार के पतन और उनके भारत में शरण लेने के बाद अल्पसंख्यकों, खासकर हिंदुओं पर जिस तरह लगातार हमले हो रहे हैं, इस्कॉन से जुड़े धर्मगुरु चिन्मय कृष्ण दास की गिरफ्तारी उसकी अगली कड़ी है। दास की जमानत याचिका खारिज होने के बाद उनके वकील की निर्मम हत्या असहिष्णुता की पराकाष्ठा को ही दर्शाती है। इससे अंदाज लगाया जा सकता है कि वहां अल्पसंख्यक किन भयावह स्थितियों का सामना कर रहे हैं। इतना ही नहीं धर्मगुरु चिन्मय कृष्ण दास की गिरफ्तारी का विरोध कर रहे लोगों पर हमले तक किए गए। बांग्लादेश में अल्पसंख्यकों के अधिकारों के पैरोकार दास को कथित रूप से बांग्लादेशी झंडे का अपमान करने तथा राजद्रोह के आरोप में गिरफ्तार किया गया है। उनकी गिरफ्तारी और जमानत न दिए जाने के कारण बांग्लादेश और सीमा पार भारत में व्यापक विरोध प्रदर्शन हुए हैं। दरअसल, इस अशांति का संदर्भ लगातार अल्पसंख्यक उत्पीड़न के पैटर्न में निहित हैं। बांग्लादेश के संवैधानिक आश्वासन के बावजूद वहां के हिंदू, जो कि आबादी का लगभग नौ फीसदी हैं, लगातार हिंसा, बर्बरता और सामाजिक उत्पीड़न का शिकार हो रहे हैं। वहां हिंदुओं के घरों व मंदिरों पर भीड़ पर हमलों की खबरें चिंता बढ़ाने वाली हैं। जिसमें हसीना सरकार के पतन के बाद खासी तेजी आई है। आधिकारिक रूप से इस्लामिक धर्म वाले इस देश में यह स्थिति अल्पसंख्यकों की व्यापक असुरक्षा को दर्शाती है। अल्पसंख्यक संगठनों द्वारा सुरक्षा की गुहार लगाये जाने के बाद विश्वास बहाली की जिम्मेदारी कार्यवाहक सरकार पर है। जिसका दायित्व बनता है कि उत्पीड़न के शिकार लोगों को न्याय दिलाने के लिये विशेष न्यायाधिकरण के जरिये यथाशीघ्र कार्रवाई करे। यदि समय रहते ऐसा नहीं होता तो अशांति के बढ़ने का खतरा बना रहेगा। मौजूदा घटनाचक्र से बांग्लादेश की प्रगतिशील लोकतंत्र की छवि कमजोर हुई है। निस्संदेह, वहां सभी अल्पसंख्यकों के लिये शांति और सुरक्षा एक जीवंत वास्तविकता होनी चाहिए। ढाका सरकार को छात्र आंदोलन के जरिये हुए राजनीतिक परिवर्तन के बाद पनप रही कट्टरता पर अंकुश लगाना चाहिए।

बांग्लादेश में अल्पसंख्यकों के लगातार उत्पीड़न के विरोध में अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर तीखी प्रतिक्रियाएं गाहे-बगाहे आती रही हैं। पिछले दिनों अमेरिकी राष्ट्रपति चुनाव के दौरान राष्ट्रपति पद के प्रत्याशी डोनाल्ड ट्रंप ने बांग्लादेश में हिंदू अल्पसंख्यकों के खिलाफ हिंसा पर गंभीर चिंता जतायी थी। यहां तक कि ट्रांसपेरंसी इंटरनेशनल ने भी अपनी हालिया रिपोर्ट में बांग्लादेश की अंतरिम सरकार के दौरान अल्पसंख्यकों पर बढ़े हमलों को लेकर गहरी चिंता व्यक्त की है।

रिपोर्ट में हसीना सरकार के पतन के बाद के एक पखवाड़े में अल्पसंख्यकों के खिलाफ हिंसा के दो हजार से अधिक मामलों का जिक्र किया गया है। रिपोर्ट इस बात पर भी चिंता जताती है कि ऐसे मामलों में अपराधियों की पहचान होने के बावजूद उन्हें दंडित नहीं किया गया। बल्कि इसके बहाने राजनीतिक विरोधियों को ही निशाना बनाया गया। ऐसी हिंसा के खिलाफ संयुक्त राष्ट्र की तरफ से भी तल्ख प्रतिक्रिया दर्ज की गई है। यह विडंबना ही है कि जिस बांग्लादेश की स्थापना भारत के त्याग व बलिदान के चलते एक धर्मनिरपेक्ष राष्ट्र के रूप में हुई थी, आज वहां यूनस सरकार उन मूल्यों को ताक पर रख रही है। भारत सरकार के विरोध के बावजूद यूनस सरकार किसी भी तरह से अल्पसंख्यकों की सुरक्षा की गारंटी देने को तैयार नहीं है। बांग्लादेश का इतिहास बताता है कि जब-जब सेना के हाथ में सत्ता की बागडोर आई है, तो कट्टरपंथियों को संरक्षण मिला है। ऐसे में फौज द्वारा गठित अंतरिम सरकार से इस दिशा में किसी बड़ी पहल की उम्मीद करना बेमाने ही होगा। भारत सरकार को राजनीतिक व कूटनीतिक प्रयासों से अंतरिम सरकार पर दबाव बनाना होगा ताकि वह अल्पसंख्यकों की सुरक्षा का आश्वासन दे। तभी कट्टरपंथियों की निरंतर जारी हिंसा पर अंकुश लगाने की उम्मीद की जा सकती है। इसके साथ ही पाक समर्थित कट्टरपंथी संगठनों पर भी नियंत्रण करने के लिये दबाव बनाने की जरूरत है। वैसे अंतरिम सरकार के अड़ियल रवैये को देखते हुए बहुत ज्यादा उम्मीद इस दिशा में नजर नहीं आ रही है। अंतर्राष्ट्रीय संगठनों का दबाव इस दिशा में एक उपाय हो सकता है।

संभल की दुर्भाग्यपूर्ण घटना से उपजे जटिल सवाल

यह दुर्भाग्यपूर्ण एवं त्रासद है कि उत्तर प्रदेश के संभल में एक बार फिर एक सम्प्रदाय विशेष के लोगों ने जो हिंसा, नफरत एवं द्वेष को हथियार बनाकर अशांति फैलायी, वह भारत की एकता, अखण्डता एवं भाईचारे की संस्कृति को क्षति पहुंचाने का माध्यम बनी है। स्थानीय अदालत के आदेश पर एक मस्जिद के सर्वे के दौरान हिंसा एवं उन्माद का भड़क उठना और इसके चलते तीन लोगों की जान चले जाना, चुनौतीपूर्ण, विडम्बनापूर्ण एवं शर्मनाक है। इस घटना में कई अन्य लोग घायल भी हुए, जिनमें 30 से अधिक पुलिसकर्मी भी हैं। इस हिंसा को टाला जा सकता था यदि अदालत के आदेश पर हो रहे सर्वेक्षण का हिंसक विरोध नहीं किया जाता। ध्यान रहे कि जब ऐसा होता है तो बैर बढ़ने के साथ देश की छवि पर भी बुरा असर पड़ता है। निःसंदेह इस सम्प्रदाय विशेष को भी यह समझने की आवश्यकता है कि जब देश कई चुनौतियों से दो-चार है, तब राष्ट्रीय एकता एवं सद्भाव को बल देना सबकी पहली और साझी प्राथमिकता बननी चाहिए। एक उन्मादी, विभाजित और वैमनस्यग्रस्त समाज न तो अपना भला कर सकता है और न ही देश को आगे ले जा सकता है। समय आ गया है कि उन मूल कारणों पर विचार किया जाए, जिनके चलते साम्प्रदायिक तनाव, नफरत एवं द्वेष बढ़ाने वाली घटनाएं थम नहीं रही हैं।

संभल की स्थानीय अदालत ने उस याचिका पर जामा मस्जिद के सर्वेक्षण का आदेश दिया था, जिसमें दावा किया गया था कि मुगल बादशाह बाबर ने इस मस्जिद का निर्माण एक मंदिर के स्थान पर किया था। स्थानीय अदालत के आदेश पर इसी मंगलवार को जब प्रारंभिक सर्वे किया गया था तब भी इलाके में तनाव फैला था, लेकिन उसे दूर कर लिया गया था।

संभल की ताजा घटनाओं के मूल में भड़काऊ नारे एवं संकीर्ण धार्मिकता के मनसूंबे सामने आये हैं। इस तरह की घटनाओं का बार-बार होना अच्छा नहीं है, मंदिर-मस्जिद के एक और मामले ने तनाव की स्थिति उत्पन्न करके शांति एवं सौहार्द को खण्डित किया। यदि मस्जिद पक्ष का यह मानना है कि जामा मस्जिद के सर्वे का आदेश सही नहीं तो उसे ऊपरी अदालत का दरवाजा खटखटाना चाहिए था। अदालत के आदेश की अवहेलना करने के लिए हिंसा का सहारा लेने का कहीं कोई औचित्य नहीं और तब तो बिल्कुल भी नहीं जब निचली अदालत के किसी फैसले के खिलाफ ऊंची अदालतों में जाने का रास्ता खुला हो। यह भी देखा जाना चाहिए कि क्या कुछ राजनीतिक दल एवं सम्प्रदाय विशेष के लोग किसी भी बहाने भड़कने और हिंसा करने के लिए तैयार बैठे रहते हैं? वास्तव में जैसे यह एक सवाल है कि क्या भारतीय संस्कृति के अस्तित्व एवं अस्मिता से जुड़े इन धार्मिक स्थलों के नाम पर पथराव, तोड़फोड़ और आगजनी करना जरूरी समझ लिया गया है? इन प्रश्नों पर संकीर्ण धार्मिकता से परे होकर गंभीरता के साथ विचार होना चाहिए। इसी तरह पुलिस प्रशासन को भी यह देखना होगा कि वैमनस्य बढ़ाने वाली घटनाएं क्यों बढ़ती चली जा रही हैं?

यह सही है कि 1991 का पूजा स्थल अधिनियम किसी धार्मिक स्थल में बदलाव का निषेध करता है, लेकिन इसकी भी अनदेखी नहीं की जा सकती कि यह अधिनियम ऐसे किसी स्थल के सर्वेक्षण की अनुमति भी प्रदान करता है और इसी कारण वाराणसी में ज्ञानवापी परिसर का सर्वेक्षण हुआ और धार में भोजशाला परिसर का भी। मथुरा में ईदगाह परिसर के सर्वेक्षण का मामला सुप्रीम कोर्ट के समक्ष विचाराधीन है। मंदिर-मस्जिद के विवाद नए नहीं हैं। इन विवादों को सुलझाने की आवश्यकता है। इसका एक तरीका न्यायपालिका का सहारा लेना है और दूसरा आपसी सहमति से विवाद को हल करना। इससे बेहतर और कुछ नहीं कि जहां भी ऐसे विवाद हैं, उन्हें दोनों समुदाय आपस में मिल-बैठकर हल करें। इसका सबसे बड़ा लाभ यह होगा कि समाज में सद्भाव, सौहार्द एवं शांति बनी रहेगी। यह समझा जाना चाहिए कि इन दोनों उपायों के अतिरिक्त हिंसा एवं नफरत कोई उपाय नहीं है। इसी के साथ यह भी समझना होगा कि देश को अतीत से अधिक भविष्य की ओर देखने और मंदिर-मस्जिद विवादों से बाहर निकलने की आवश्यकता है। इससे इन्कार नहीं कि विदेशी आक्रमणकारियों ने अनगिनत मंदिरों का ध्वंस किया। अतीत में हुए इन ज्यादतियों, अत्याचारों एवं विध्वंस घटनाक्रमों को सुधारने की संभावनाएं किसी भी दृष्टि से गलत नहीं कही जा सकती।

देश का चरित्र बनाना है तथा स्वस्थ, सौहार्दपूर्ण एवं शांतिपूर्ण समाज की रचना करनी है तो हमें एक ऐसी आचार संहिता को स्वीकार करना होगा जो जीवन में पवित्रता दे। राष्ट्रीय प्रेम व स्वस्थ समाज की रचना की दृष्टि दे एवं कदाचार-संकीर्णता-कट्टरता के इस अंधेरे कुएँ से निकाले। बिना इसके देश का विकास और भौतिक उपलब्धियां बेमानी हैं। व्यक्ति, परिवार और राष्ट्रीय स्तर पर हमारे इरादों की शुद्धता महत्व रखती है, जबकि हमने इसका राजनीतिकरण कर परिणाम को महत्व दे दिया। घटिया उत्पादन के पर्याय के रूप में जाना जाने वाला जापान आज अपनी जीवन शैली को बदल कर उत्कृष्ट उत्पादन का प्रतीक बन विश्वविख्यात हो गया। यह राष्ट्रीय जीवन शैली की पवित्रता का प्रतीक है। इसी तरह भारत भी आज विश्वविख्यात होने की दिशा में अग्रसर हो रहा है, तो उसकी बढ़ती साख एवं समझ को खण्डित करने वाली शक्तियों को सावधान करना ही होगा। भारत जैसी माटी में जन्म लेना बड़ी मुश्किल से मिलता है। विश्व बंधुत्व एवं वसुधैव कुटुम्बकम की विचारधारा वाला यह राष्ट्र विभिन्न संस्कृतियों एवं सम्प्रदायों को अपने में समेटे है तो यह यहां के बहुसंख्यक समुदाय की उदार सोच का ही परिणाम रहा है, इसी बहुसंख्यक हिन्दू समुदाय को आखिर कब तक कमजोर किया जाता रहेगा? क्यों किया जायेगा? कल पर कुछ मत छोड़िए। कल जो बीत गया और कल जो आने वाला है- दोनों ही हमारी पीठ के समान हैं, जिसे हम देख नहीं सकते। आज हमारी हथेली है, जिसकी रेखाओं को हम देख सकते हैं। अब हथेली की रेखाओं को कमजोर करने एवं उसे लहूलुहान होते हुए नहीं देखा जा सकता? एक सम्प्रदाय विशेष के हिंसक हमलों ने आज तेजी के साथ हिंसा, असहिष्णुता, नफरत, बिखराव और घृणा की साम्प्रदायिक जीवन शैली का रूप ग्रहण कर लिया है। यह खतरनाक स्थिति है, कारण सबको अपनी-अपनी पहचान समाप्त होने का खतरा दिख रहा है। भारत मुस्लिम सम्प्रदायवाद से आतंकित रहा है। आवश्यकता है धर्म को प्रतिष्ठापित करने के बहाने राजनीति का खेल न खेला जाए। धर्म और सम्प्रदाय के भेद को गड्मड् न करें। धर्म सम्प्रदाय से ऊपर है। धर्म में धार्मिकता आये, कट्टरता न आये। राजनीति में सम्प्रदाय न आये, नैतिकता आए, आदर्श आए, श्रेष्ठ मूल्य आएँ, सहिष्णुता आये, सह-अस्तित्व के प्राचीन मूल्य एवं जीवनशैली आये। अतः सम्प्रदायवाद से ऊपर उठकर सार्वभौम धर्म का साक्षात्कार ही हममें नवीन आत्मविश्वास, सशक्त भारत-विकसित भारत का संचार करेगा। ■ **ललित गर्ग**

भाजपा की कामयाबी से बढ़ी कांग्रेस की मुश्किलें

राजस्थान के सात विधानसभा उपचुनाव के परिणामों ने छोटे राजनीतिक दलों और विपक्षी कांग्रेस को करारी हार दी है। इस हार ने कांग्रेस और अन्य विपक्षी दलों के भविष्य को अनिश्चितता की ओर मोड़ दिया। इस वर्ष के प्रारम्भ में भाजपा, दो विधानसभा उपचुनावों में हार चुकी थी। साफ है जून में कांग्रेस, जो गठबंधन को लोकसभा की 25 में से 11 सीटें दे चुकी थी, ने 7 में से 5 विधानसभा सीटों पर विजय प्राप्त कर संगठनात्मक मजबूती हासिल की। यह अप्रत्याशित जीत मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा की सरकार को संकट से उबारने में सफल रही।

इन सात विधानसभा सीटों में से भाजपा ने पांच सीटें–झुंझुनू, रामगढ़, देवली-उनियारा, खींवसर और सलूंबर–जीतीं, जबकि भारत आदिवासी पार्टी (बीएपी) ने चौरासी सीट और कांग्रेस ने दौसा सीट पर विजय प्राप्त की। इस बार के चुनाव परिणामों का निष्कर्ष है कि मतदाताओं ने परिवारवाद और सहानुभूति की राजनीति को नकार दिया। कांग्रेस ने रामगढ़ सीट पर स्व. जुबेरखान के बेटे, आर्यन जुबैर को सहानुभूति आधारित जीत के लिए खड़ा किया था, जबकि इस सीट पर स्व. जुबैर चार बार और एक बार उनकी पत्नी साफिया कांग्रेस की विधायक रह चुकी थीं। बावजूद इसके, भाजपा के सुखवंत सिंह ने आर्यन को भारी शिकस्त दी।

झुंझुनू विधानसभा सीट, जो ओला परिवार के नाम से प्रसिद्ध है, से जाट नेता स्व. शीशराम ओला ने 8 बार विधानसभा और 5 बार लोकसभा चुनाव जीते थे। इस बार उनके पुत्र बृजेंद्र ओला, जो जून में सांसद चुने गए थे, अपने पुत्र अमित ओला को विजय दिलाने में असफल रहे। भाजपा के राजेंद्र भांबू ने भारी मतों (42,848) से जीत हासिल की। सहानुभूति लहर का फायदा भाजपा ने सलूंबर सीट पर उठाया, जहां स्व. अमृतलाल मीणा की पत्नी, शांता देवी मीणा (जो तीन बार सरपंच रह चुकी हैं), अंतिम राउंड की गिनती में 1285 वोट से जीत गईं। बीएपी के प्रत्याशी जीतेश कटारा ने चुनाव आयोग से भाजपा सरकार द्वारा सत्ता के दुरुपयोग की शिकायत की थी। बीएपी प्रमुख और डूंगरपुर सांसद राजकुमार रोत ने भी चुनाव आयोग को शिकायत की कि उनकी पार्टी सलूंबर सीट पर एकतरफा जीत रही थी, लेकिन भाजपा सरकार ने सरकारी मशीनरी का दुरुपयोग करते हुए जल्दी-जल्दी मतगणना करा कर अपने प्रत्याशी को जीत का सर्टिफिकेट दिलवा दिया।

आरएलपी पार्टी को सबसे बड़ा नुकसान हुआ, क्योंकि पार्टी प्रमुख और नागौर से सांसद हनुमान बेनीवाल अपनी पत्नी कनिका बेनीवाल को खींवसर विधानसभा सीट पर नहीं जिता सके। उनकी पार्टी राजस्थान विधानसभा में भी शून्य पर रही। भाजपा उम्मीदवार रेवतराम डांगा ने यह सीट जीतकर पार्टी की विधानसभा में संख्या बढ़ाई। यदि कांग्रेस लोकसभा चुनाव की तरह आरएलपी के साथ गठबंधन करती, तो यह सीट गठबंधन के पक्ष में जा सकती थी।

दौसा (मीणा-गुर्जर बाहुल्य) के चुनाव परिणाम ने भाजपा के दमदार नेता किरोड़ी लाल मीणा (जो मौजूदा विधायक हैं) को लोकसभा चुनाव में पार्टी की हार के बाद शर्मनाक स्थिति में डाल दिया। परिवारवाद के चक्रव्यूह में फंसी भाजपा ने दौसा से किरोड़ी के भाई, जगमोहन मीणा को टिकट दिया था। किरोड़ी ने पब्लिक मीटिंग्स में मीणा समाज से वोट की अपील की थी कि यदि उनके भाई को विजयी बनाकर भेजा गया, तो वह अपना इस्तीफा वापस लेने पर विचार करेंगे। किरोड़ी की पत्नी गोलमा देवी इस सीट से विधायक रह चुकी थीं और गहलोत सरकार में मंत्री भी रही थीं। दौसा सीट पर कांग्रेस के दीनदयाल बैरवा ने भाजपा को हराकर न केवल कांग्रेस, बल्कि सचिन पायलट और पीसीसी चीफ गोविंद सिंह डोटासरा की प्रतिष्ठा भी बचा ली।

परिवारवाद से हटकर, देवली-उनियारा और चौरासी सीटों पर जातीय टक्कर ने अहम भूमिका निभाई। चौरासी में आदिवासी नेता अनिल कटारा (बीएपी) और भाजपा के राजेंद्र गुर्जर ने देवली-उनियारा में कांग्रेस को बड़ा झटका दिया। देवली-उनियारा में कांग्रेस के सांसद हरीश मीणा की प्रतिष्ठा दांव पर लगी रही, और कांग्रेस बागी निर्दलीय उम्मीदवार नरेश मीणा ने मतदान के दिन बूथ के बाहर एसडीएम को थप्पड़ मारा, जिससे राजस्थान सरकार को संकट का सामना करना पड़ा। बाद में नरेश मीणा को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेजा गया। भाजपा सरकार के मंत्रियों की पहल से स्थिति शांत हुई। कांग्रेस इस सीट को जीत सकती थी, लेकिन पार्टी के भितरघात के कारण कस्तूरचंद मीणा को टिकट दिया गया, जो तीसरे स्थान पर रहे।

दो सौ सीटों की विधानसभा में अभी भाजपा के 119 विधायक, कांग्रेस के 66, बीएपी 4, बसपा 2, निर्दलीय 8 और आरएलडी 1 हैं। भाजपा में अब अंदरूनी खटपट और बागियों की हरकतों पर विराम लगने की संभावना है। पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे ने अपनी चुप्पी तोड़ते हुए नए विधायकों को बधाई देने पार्टी कार्यालय पहुंचकर एक महत्वपूर्ण संकेत दिया। मदन राठौड़ (राज्यसभा सांसद) को पार्टी के आगामी संगठनात्मक चुनाव में राजस्थान भाजपा अध्यक्ष पद संभालने में अब कोई दिक्कत नहीं होगी। भजन मंत्रिमंडल के विस्तार और उनके एक साल के मूल्यांकन पर अब पार्टी हाईकमांड को कोई उलझन नहीं रहेगी। भाजपा अगले महीने अपने कार्यकाल का जश्न मनाने जा रही है। राजस्थान पीसीसी अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा के अपने पद पर बने रहने का संकट पैदा हो सकता है। सचिन पायलट को नई जिम्मेदारी मिल सकती है। तीन बार के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत की चुनाव में दिलचस्पी केवल प्रत्याशियों के नामांकन और रैली तक सीमित रही, जबकि वे महाराष्ट्र चुनाव में ऑब्जर्वर थे, जहां कांग्रेस पिछड़ गई। उपचुनाव परिणामों ने मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा में नया जोश भर दिया है। ■ **डॉ. यश गोयल**

सेहत

हमारा शरीर और मन एक-दूसरे से गहरे रूप में जुड़े होते हैं और यही कारण है कि एक स्वस्थ शरीर, मानसिक शांति और संतुलित जीवन के लिए सही आहार की आवश्यकता है। संतुलित आहार में पोषक तत्वों की भरपूर मात्रा होनी चाहिए, ताकि शरीर को आवश्यक ऊर्जा मिल सके। इसके साथ ही नियमित रूप से व्यायाम करना भी उतना ही महत्वपूर्ण है, ताकि शरीर सक्रिय और स्वस्थ बना रहे।

स्वस्थ शरीर सबसे बड़ा धन

मिलावटी खाद्य सामग्री बिगाड़ रही सेहत

हर इंसान को मौसम के हिसाब से आहार में बदलाव करना चाहिए, जैसे गर्मियों में ताजे फल और ठंडी चीजें, जबकि सर्दियों में गर्माहट देने वाले खाद्य पदार्थ अधिक अच्छे रहते हैं। इसके अलावा हमें बाजार में मिलने वाले मिलावटी और प्रोसेस्ड खाद्य पदार्थों से बचना चाहिए, क्योंकि ये हमारे स्वास्थ्य के लिए खतरनाक हो सकते हैं। फास्ट-फूड और चायनीज फूड जैसे आहार, जो आजकल अधिक प्रचलित हो गए हैं, लंबे समय तक खाने से शारीरिक और मानसिक समस्याएं उत्पन्न हो सकती हैं।

पौष्टिक भोजन का महत्व

स्वस्थ आहार का सीधा असर हमारे शरीर और मन दोनों पर पड़ता है। जब हम पौष्टिक भोजन करते हैं, तो मानसिक शांति और सकारात्मक विचारों का जन्म होता है, जिससे हम जीवन के हर क्षेत्र में सफलता प्राप्त कर सकते हैं। वहीं, दूषित आहार और अस्वस्थ खानपान से मानसिक तनाव और शारीरिक बीमारियां बढ़ सकती हैं, जो जीवन की गुणवत्ता को प्रभावित करती हैं।

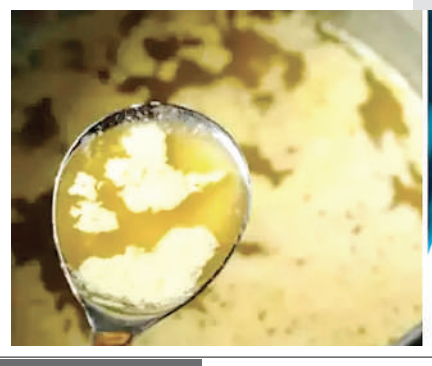

मिलावट का शरीर पर असर

आजकल रासायनिक दवाओं से उत्पादित होने वाली खाद्य सामग्री और फसलों में मिलावट से कई प्रकार की बीमारियां फैल रही हैं। ब्लड प्रेशर, शुगर जैसी समस्याएं आम हो गई हैं। इसलिए हमें हमेशा अपने आहार पर ध्यान देना चाहिए और सुनिश्चित करना चाहिए कि हम ताजे, घर के बने भोजन का सेवन करें, जो स्वच्छ और पोषक तत्वों से भरपूर हो। कुल मिलाकर स्वस्थ जीवन के लिए हमें सही आहार, व्यायाम और जागरूकता की आवश्यकता है। हमें हमेशा अपने शरीर और स्वास्थ्य का ख्याल रखना चाहिए और बिना किसी लापरवाही के स्वस्थ जीवन जीने की कोशिश करनी चाहिए।

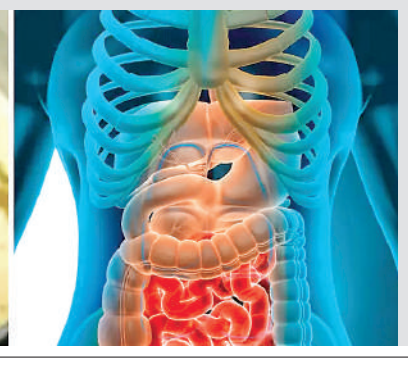

सेहत का खजाना है आंवला

सर्दियों में करें इसका उपयोग

सर्दियों के मौसम में तरह-तरह के व्यंजन खाने का मन करता है, जो स्वादिष्ट तो होते हैं, लेकिन इनसे सेहत संबंधी कई चुनौतियां भी सामने आ सकती हैं। विशेष रूप से उन लोगों को जिनकी रोग प्रतिरोधक क्षमता कमजोर होती है।

ऐसे लोगों को सर्दियों के मौसम में खांसी और जुकाम जैसी समस्याओं का सामना करना पड़ता है। ऐसे में आंवला का सेवन एक बेहतरीन विकल्प साबित हो सकता है।

विटामिन सी की पूर्ति

सर्दियों में ठंडी और गर्म चीजों का सेवन किया जाता है, लेकिन आंवला विशेष रूप से इस मौसम में फायदेमंद होता है। आंवला में विटामिन सी और एंटीऑक्सीडेंट्स होते हैं, जो न केवल आपकी स्किन और बालों के लिए अच्छे होते हैं, बल्कि सेहत के लिए भी लाभकारी हैं। विटामिन (सी) रोग प्रतिरोधक क्षमता को बूस्ट करने में मदद करता है और शरीर को बीमारियों से लड़ने की ताकत देता है।

सुबह के आहार में शामिल करें

विशेषज्ञ बताते हैं कि सर्दियों में आंवला का सेवन शरीर को स्वस्थ रखने के लिए जरूरी होता है। आंवला रोग प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ाने में मदद करता है। इसे रोजाना सुबह के भोजन में शामिल किया जा सकता है। यह सर्दियों का सुपरफूड माना जाता है, जो शरीर को ताकत और सुरक्षा प्रदान करता है।

मुरब्बा स्वादिष्ट और सेहतमंद

कई लोग आंवला का जूस बनाकर पीते हैं, वहीं कुछ लोगों को आंवला का मुरब्बा खाना बहुत पसंद होता है। आंवला का मुरब्बा खाने से न केवल रोग प्रतिरोधक क्षमता मजबूत होती है, बल्कि यह शरीर को कई तरह से फायदे भी पहुंचाता है।

सावधान! बढ़ सकती है शुगर

विशेषज्ञों का कहना है कि मुरब्बे का सेवन सीमित मात्रा में करना चाहिए। इसे बनाने में चीनी का इस्तेमाल होता है, जिसके अत्यधिक सेवन से शुगर लेवल बढ़ सकता है। इसलिए मुरब्बा का सेवन संतुलित मात्रा में ही करें, ताकि इसके लाभ मिल सकें। आंवला सर्दियों में एक बेहतरीन प्राकृतिक उपाय है जो आपकी सेहत को दुरुस्त रखने में मदद करता है। इसे अपनी डाइट में शामिल करके आप न केवल अपनी रोग प्रतिरोधक क्षमता को मजबूत कर सकते हैं, बल्कि अन्य स्वास्थ्य लाभ भी प्राप्त कर सकते हैं।

भारत में चाय आज एक ऐसी आदत बन चुकी है, जिसके बिना दिन की शुरुआत अधूरी लगती है। यह न केवल एक पेय है, बल्कि भारतीय जीवनशैली का अभिन्न हिस्सा बन चुका है। लेकिन क्या आप जानते हैं कि चाय का इतिहास भारत में बहुत पुराना नहीं है? इसका सफर चीन से शुरू होकर ब्रिटिश शासन के दौरान भारत तक पहुंचा।

भारत में चाय का एक ऐतिहासिक सफर

चाय का आविष्कार 2732 ईसा पूर्व चीन में हुआ माना जाता है। एक प्रसिद्ध कथा के अनुसार, चीन के शासक शेंग नुंग के सामने गलती से जंगली पौधों की पत्तियां उबलते पानी में गिर गईं और उनका स्वाद इतना अच्छा था कि यह पेय धीरे-धीरे चीन और दुनिया भर में फैल गया।

ब्रिटिश काल में हुआ भारत आगमन: भारत में चाय का आगमन ब्रिटिश शासन के दौरान हुआ, जब असम और दार्जिलिंग में चाय के बागान स्थापित किए गए। ब्रिटिशों ने चाय को व्यावसायिक रूप से लोकप्रिय बनाने के लिए इसे भारतीय संस्कृति में समाहित किया। रेलवे स्टेशनों और सार्वजनिक स्थलों पर चाय बांटने के कारण यह धीरे-धीरे हर घर में पहुंच गई। हालांकि ब्रिटिश चाय बनाने की विधि में दूध और चीनी का उपयोग था, लेकिन भारतीयों ने इसे अपने स्वाद के अनुसार बदला। मसालेदार चाय, जिसमें अदरक, इलायची, दालचीनी और लौंग जैसे मसाले मिलाए गए, यह विशेष रूप से भारतीयों के बीच प्रसिद्ध हुई। इस अनूठी चाय ने दुनियाभर में 'मसाला चाय' के नाम से पहचान बनाई।

स्वास्थ्य लाभ

चाय के स्वास्थ्य लाभों की वजह से भी यह भारतीय जीवन का अभिन्न हिस्सा बन गई। अदरक वाली चाय सर्दी-खांसी में राहत देती है और कड़क दूध वाली चाय थकावट को दूर करती है। आज भारत चाय का सबसे बड़ा उत्पादक और उपभोक्ता देश है और चाय अब भारतीय संस्कृति का प्रतीक बन चुकी है। चाय का यह सफर न केवल एक पेय के रूप में, बल्कि भारतीयों के बीच एक सामाजिक और सांस्कृतिक रिवाज के रूप में भी सफल रहा है। हर छोटे-बड़े ब्रेक में चाय का सेवन करना भारतीय समाज की एक खूबसूरत आदत बन चुका है और यह हमारे जीवन का हिस्सा बन गया है।

संक्षिप्त समाचार

रेलमगरा प्रधान ने दी सीआरपीएफ जवान को श्रद्धांजलि

राजसमंद (पुकार)। जिला मुख्यालय के सीमपवर्ती एमडी गांव के सीआरपीएफ के जवान के निधन पर रेलमगरा प्रधान आदित्य प्रतापसिंह चौहान ने जवान के आवास गायरियावास एमडी पहुंचकर जवान की तस्वीर पर पुष्पांजलि अर्पित कर श्रद्धांजलि दी। साथ ही शोक संतप्त परिवार से मिलकर दुख की घड़ी में उनका ढांढस बंधाया।

साध्वी मंजुयशा गुरुवार तक रेती मोहल्ला में बिराजेगी

राजसमंद (पुकार)। साध्वी मंजुयशा आदि ठाणा-4 ने बुधवार को कांकरोली हिम्मत मल कोठारी के आवास से विहार कर बुधवार सवेरे रैती

मोहल्ला स्थित राजेंद्रकुमार संदेश पगारिया के निवास स्थान पर पधारी। गुरुवार तक साध्वी मंजुयशा आदि ठाणा-4 यही पर बिराजेगी।

शीतकालीन अवकाश यथावत रखने की मांग

राजसमंद(पुकार)। राजस्थान शिक्षक संघ राष्ट्रीय जिला शाखा ने शिक्षा मंत्री मदन दिलावर को पत्र लिखकर शीत कालीन अवकाश को यथावत रखने और विभाग द्वारा अर्द्ध वार्षिक परीक्षा के समय विभाग चक्र में संशोधन की मांग की है। संगठन के मीडिया प्रभारी राजेंद्रसिंह चारण ने बताया कि जिलाध्यक्ष सतीश आचार्य, जिला मंत्री सुजीत कुमार त्रिपाठी, महिला मंत्री वीणा वैष्णव, जिला संगठन मंत्री शंकर माली, कल्पना खंडेलवाल और जिला कोषाध्यक्ष उदयलाल पालीवाल ने शिक्षा मंत्री को भेजे पत्र में बताया कि शिविरा पंचाग के अनुसार 25 दिसंबर से शीत कालीन अवकाश तय है जबकि विभाग द्वारा 27 दिसंबर तक राज्य स्तरीय समान परीक्षा का समय विभाग चक्र जारी किया गया जिससे असमंजस की स्थिति बन गई है। शिविर में संशोधन किए बिना यह कार्यक्रम जारी करना उचित नहीं है अतः शीत कालीन अवकाश यथावत रखते हुए परीक्षा तिथियों में संशोधन किया जाए।

जिला स्तरीय क्रिकेट अंपायरिंग व स्कोरिंग सेमिनार 2 दिसम्बर से

राजसमंद (पुकार)। जिला क्रिकेट संघ की ओर से क्रिकेट अंपायरिंग व स्कोरिंग सेमिनार का आयोजन 2 दिसंबर से किया जाएगा। संघ सचिव गिरिराज सनाढ्य ने बताया कि जिला क्रिकेट संघ यह आयोजन 2 दिसंबर से करने जा रहा है। सेमिनार के बाद सभी अभ्यर्थियों की परीक्षा ली जाएगी और सफल अभ्यर्थी ही जिला क्रिकेट संघ के मैचेस में अंपायरिंग एवं स्कोरिंग कर पाएंगे। साथ ही सफल प्रतियोगी भविष्य में राजस्थान क्रिकेट संघ की ओर से आयोजित परीक्षा में भाग ले पाएंगे। सेमिनार प्रभारी जयंत वासू ने बताया कि इच्छित प्रतियोगी 30 नवंबर तक अपना रजिस्ट्रेशन जिला क्रिकेट संघ के कार्यालय राजकीय जेके टायर स्टेडियम में कराएं।

मीरा मंडल संगठन पर्व की बैठक में बनाए शक्ति केंद्र सहयोगी

राजसमंद (पुकार)। भाजपा मीरा मंडल संगठन पर्व की बैठक बुधवार को मीरा मंडल अध्यक्ष संपतनाथ सिंह चौहान की अध्यक्षता में हुई। इस बैठक में संगठन पर्व मंडल सहयोगी कैलाश श्रीमाली ने विस्तार से चर्चा की तथा बूथ सरंचना के लिए शक्ति केंद्र सहयोगी बनाये गए। जिसमें एमडी भाटोली में शम्भूलाल खारोल, राज्यावास मोही शक्ति केंद्र पर मदनलाल पालीवाल, पिपली आचार्यान भावा शक्ति केंद्र पर कालूसिंह राठौड़, कुंवारिया फियावड़ी शक्ति केंद्र पर महेश आचार्य व मादड़ी बिनोल घाटी शक्ति केंद्र पर रतनलाल खटीक को संगठन पर्व सहयोगी बनाया गया।

तेजाजी महाराज के खेल महोत्सव का हुआ समापन

राजसमंद (पुकार)। जिला मुख्यालय के समीपवर्ती नान्दोली गांव में आयोजित तीन दिवसीय तेजाजी महाराज के खेल महोत्सव का तीसरे और अंतिम दिन समापन हुआ। आरएनजी ग्रुप के नरेंद्र त्यागी ने बताया कि चामुंडा

माताजी के मंदिर पर शिव सवारियां कीर्तन मंडल की ओर से आयोजित खेल में पारसमणी पारस भुआ का स्वागत कर आशीर्वाद लिया। तीसरे दिन के खेल में मुख्य रूप से गुजरी की गायों को मीणाओं द्वारा चोरी करने और तेजाजी द्वारा मीणाओं से लड़ाई जीतकर गायों को गुजरी को वापस सौंपने का दृश्य प्रस्तुत किया गया। इसके बाद वचन के अनुसार तेजाजी और वाषकराज की भेंट हुई और वाषकराज ने तेजाजी के पूरे शरीर पर गाव होने के कारण उनकी जीभ पर डंक मारकर अपना बदला लिया। इस कार्यक्रम में शिव सवारियां कीर्तन मंडल द्वारा सभी बाहर से आए कलाकारों को सम्मानित किया गया। इस दौरान नवयुवक मंडल के मांगीलाल सुथार, कैलाश पूर्बीया, छोटूलाल सेन, रतन पूर्बीया, सुरेश, रामचंद पूर्बीया, रमेश पूर्बीया, देवीलाल पूर्बीया, रतन जाट, बद्रीलाल जाट सहित ग्रामवासी मौजूद थे।

कांग्रेस पार्टी निर्वाचन में पारदर्शिता, सुगमता और आधुनिक तकनीक की विरोधी है : विधायक माहेश्वरी

राजसमंद (पुकार)। विधायक दीप्ति माहेश्वरी ने कांग्रेस पार्टी पर कटाक्ष करते हुए कहा कि वह पारदर्शिता और आधुनिक तकनीक का विरोध कर रही है। कांग्रेस का मत पत्रों से निर्वाचन का अभियान और इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीनों (ईवीएम) का विरोध केवल अपने शाही परिवार की नेतृत्वहीनता और विफलताओं से ध्यान भटकाने का प्रयास है। विधायक दीप्ति माहेश्वरी ने कहा कि जब भी कांग्रेस पार्टी पराजित होती है वह आत्म विश्लेषण करने के बजाय मतदान प्रक्रिया पर सवाल उठाती है। यह प्रवृत्ति न केवल वर्तमान ईवीएम के युग में बल्कि मतपत्र से चुनाव के युग में भी देखी गई है। यह दिखाता है कि कांग्रेस पार्टी लोकतांत्रिक प्रक्रियाओं में भरोसा नहीं रखती। उन्होंने यह भी कहा कि ईवीएम का विरोध करना, कांग्रेस पार्टी के शहजादे को बार-बार स्थापित करने में असफल रहने के बाद उनकी छवि को बचाने का एक बेकार प्रयास है। इस तरह की राजनीति देश की लोकतांत्रिक व्यवस्था को कमजोर करने का काम करती है।

कांग्रेस पार्टी भारत की संवैधानिक संस्थाओं का अपमान कर रही है

विधायक दीप्ति माहेश्वरी ने कांग्रेस पार्टी पर तीखा प्रहार करते हुए कहा कि संवैधानिक संस्थाओं पर सवाल उठाना कांग्रेस की पुरानी आदत बन गई है। उन्होंने कहा कि निर्वाचन आयोग, न्यायपालिका, संसद, सेबी और रिजर्व बैंक जैसी संस्थाओं की भूमिका और कर्तव्यों पर प्रश्न उठाकर

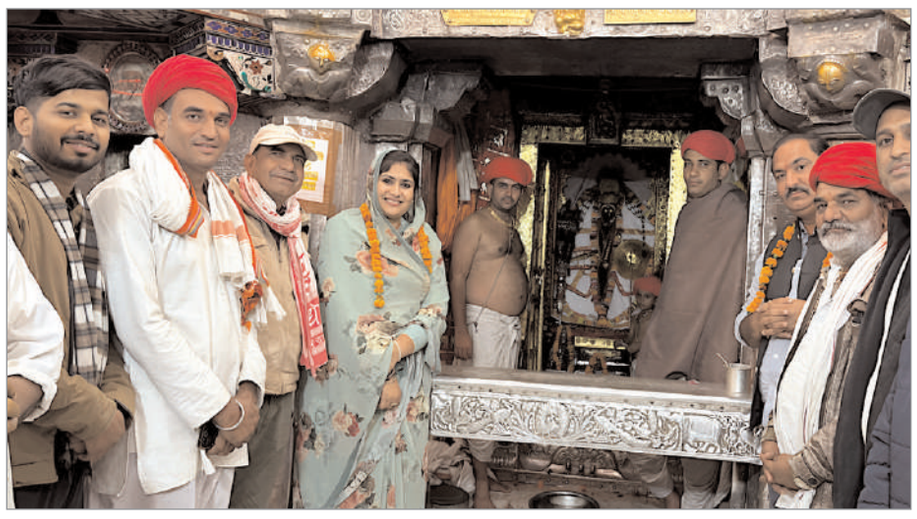

कांग्रेस पार्टी न केवल लोकतांत्रिक प्रक्रिया को कमजोर कर रही है बल्कि भारत की संवैधानिक व्यवस्था का भी अपमान कर रही है। विधायक दीप्ति माहेश्वरी ने 2004 के लोकसभा चुनाव का उल्लेख करते हुए कहा कि 2004 में पहली बार संपूर्ण निर्वाचन इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन (ईवीएम) से संपन्न हुआ था। उस चुनाव में भाजपा की हार हुई थी और कांग्रेस गठबंधन से डॉ मनमोहन सिंह प्रधानमंत्री बने थे तब ईवीएम पर कोई सवाल नहीं उठाए गए। आज कांग्रेस पार्टी ईवीएम पर छेड़छाड़ का आरोप लगा रही है जो उनकी विफल राजनीति का प्रतीक है। उन्होंने आगे कहा कि चुनाव आयोग द्वारा ईवीएम छेड़छाड़ पर खुली चुनौती दी गई लेकिन कांग्रेस पार्टी मौन रही। ईवीएम जिला प्रशासन के संरक्षण में परिचालित होती है। क्या कांग्रेस को प्रशासन पर भी भरोसा नहीं है और यदि ईवीएम में छेड़छाड़ संभव है तो सर्वोच्च न्यायालय द्वारा दायर याचिकाएं खारिज क्यों होती हैं। विधायक दीप्ति माहेश्वरी ने कांग्रेस पर लोकतांत्रिक संस्थाओं की विश्वसनीयता को कमजोर करने का आरोप लगाते हुए कहा कि यह प्रवृत्ति राष्ट्रीय हितों के लिए घातक है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी अपनी राजनीतिक विफलताओं से ध्यान हटाने के लिए संवैधानिक संस्थाओं पर अनावश्यक आरोप लगा रही है। विधायक दीप्ति माहेश्वरी ने जनता से आह्वान किया कि वे कांग्रेस की इस षड्यंत्र वाली राजनीति को समझें और सशक्त व पारदर्शी लोकतांत्रिक व्यवस्था को बनाए रखने के लिए सजग रहें।

गढ़बोर नाथ चारभुजा मंदिर में दर्शन कर क्षेत्र की सुख-समृद्धि की कामना की

विधायक दीप्ति माहेश्वरी ने बुधवार को गढ़बोर स्थित चारभुजानाथ मंदिर पहुंचकर ठाकुरजी के दर्शन किए। उन्होंने भगवान ठाकुरजी से क्षेत्रवासियों की खुशहाली, सुख-समृद्धि और शांति के लिए प्रार्थना की। उन्होंने कहा कि ठाकुरजी की कृपा सदैव बनी रहे सभी की मनोकामनाएं पूर्ण हों। इसके बाद विधायक दीप्ति माहेश्वरी ने पुठिया (पड़ासली), मोही, चंपा खेड़ी, शिवपुरा, राजपुरा, केलवा आदि गांवों का दौरा किया। इन ग्रामों में उन्होंने मुंडन, गृह प्रवेश और अन्य मांगलिक कार्यक्रमों में सम्मिलित हुई। विधायक दीप्ति माहेश्वरी ने अपने दौरे के दौरान शोक संतप्त परिवारों से भी मुलाकात की और उन्हें सांत्वना प्रदान की।

सरकार के बाल विवाह मुक्त भारत अभियान के समर्थन में जतन संस्थान की रैलियां व शपथ ग्रहण कार्यक्रम

राजसमंद (पुकार)। भारत सरकार की ओर से नई दिल्ली में बाल विवाह मुक्त भारत अभियान की शुरुआत के बाद जिला प्रशासन ने विवाह के खिलाफ काम कर रहे गैर सरकारी संगठन जतन संस्थान के साथ मिलकर जागरूकता रैलियों का आयोजन किया और लोगों को बाल

जतन संस्थान के सहयोग से रैलियों व शपथ ग्रहण कार्यक्रमों का आयोजन किया। जिले के लगभग 50 गावों में जतन संस्थान द्वारा बैठको एवं कैंडल मार्च रैली कर बाल विवाह मुक्त भारत के तहत बाल विवाह नहीं करने की शपथ ग्रहण कार्यक्रमों का आयोजन किया गया तथा सरकार के साथ समन्वय कर जिले के लगभग 600 से अधिक गांवों में लगभग एक लाख महिला, पुरुषों एवं बच्चों की भागीदारी के साथ यह कार्यक्रम आयोजित किये गए हैं। कार्यक्रम में मौजूद जिला प्राधिकरण सचिव संतोष अग्रवाल ने जिले को बाल विवाह मुक्त बनाने का संकल्प दिलाया। गौरतलब है कि जतन संस्थान बाल अधिकारों के संरक्षण के लिए 400 से भी ज्यादा जिलों में काम कर रहे 250 से भी ज्यादा गैर सरकारी संगठनों के देशव्यापी गठबंधन जस्ट राइट्स फॉर चिल्ड्रेन का सहयोगी संगठन है। नई दिल्ली के विज्ञान भवन में बाल विवाह मुक्त भारत अभियान के उद्घाटन के मौके पर जिला प्रशासन ने जिले में बाल विवाह के खिलाफ शपथ दिलाई। इस मौके पर समारोह में ऋतु शर्मा (एलएडीसी) ने स्कूली बच्चों, महिलाओं और पंचायत प्रतिनिधियों व अन्य को बाल विवाह के खिलाफ शपथ दिलाई। जिले में जगह-जगह हुए कार्यक्रमों में बड़ी संख्या में ग्रामीणों, पंचायत प्रतिनिधियों, आशा व आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं, शिक्षकों, बाल विवाह निषेध अधिकारी (सीएमपीओ) के अलावा बाल विवाह पीड़िताओं ने भी भागीदारी की और बाल विवाह के खिलाफ शपथ ली। इस दौरान उन्होंने पंचायतों और स्कूलों को बाल विवाह के खिलाफ शपथ दिलाई। इस मौके पर बाल विवाहों की सूचना व शिकायत के लिए एक राष्ट्रीय पोर्टल भी शुरू किया गया। जतन संस्थान के निदेशक कैलाश बृजवासी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में बाल विवाह के खात्मे के लिए महिला एवं बाल कल्याण मंत्रालय की ओर से शुरू किया गया अभियान इस बात का सबूत है कि सरकार इस सामाजिक बुराई की गंभीरता से अवगत है।

हिंसा व बाल विवाह विषय पर जागरूकता सत्र का आयोजन

राजसमंद (पुकार)। जन विकास संस्थान की ओर से गर्ल्स नॉट ब्राइड के सहयोग से 16 दिवसीय हिंसा प्रतिरोध पखवाड़े के तहत किरण माहेश्वरी राजकीय महाविद्यालय कुंवारिया में किशोरियों के साथ होने वाली हिंसा व बाल विवाह

विषय पर जागरूकता सत्र का आयोजन किया गया। भूपेन्द्रसिंह राजपुत ने बताया की बाल विवाह बच्चों की शिक्षा और स्वास्थ्य पर नकारात्मक प्रभाव डालता है। बाल विवाह प्रतिषेध अधिनियम पर कानूनी जानकारी देते हुए सजा के प्रावधानों, शून्यकरण की प्रक्रिया व बाल विवाह के दुष्परिणामों पर प्रकाश डाला तथा अपने आस-पास होने वाले बाल विवाह की रोकथाम के लिए सूचना देने के लिए प्रेरित किया। क्लस्टर को-ऑर्डिनेटर आरुषी सेन ने पोक्सो एक्ट के बारे में बताते हुए कहा कि यह एक्ट बच्चों को यौन शोषण से बचाने के लिए बनाया गया है, यह कानून 18 साल से कम उम्र के सभी बच्चों पर लागू होता है, उन्होंने कहा कि कोई व्यक्ति बच्चों से जुड़ी पोर्नोग्राफी करता है तो उसे सजा हो सकती है और इसमें सख्त सजा का भी प्रावधान है। समलैंगिकता के बारे में कहा कि लोगों की सोच बदलने की जरूरत है, लोगों को सम्मान के साथ जीने का अधिकार है। फील्ड को-ऑर्डिनेटर ललिता यादव ने किशोरियों के साथ होने वाली हिंसा व छेड़छाड़ पर जानकारी देते हुए कहा की किशोरियों को घर से बाहर निकलने पर कई तरह की छेड़छाड़ का सामना करना पड़ता है, लेकिन किशोरियों के द्वारा स्वयं की बदनामी के डर से ऐसी घटनाओं को छुपा लिया जाता है, हमें इस तरह की घटनाओं को डरकर छुपाना नहीं है और ना ही नजर अंदाज करना है और अपने अभिभावकों के साथ साझा करके कार्यवाही करनी चाहिए।

लोक कलाओं का बाल अंदाज में मनमोहक प्रदर्शन

राजसमंद (पुकार)। जिला मुख्यालय स्थित गांधी सेवा सदन के 73वें स्थापना दिवस पर आयोजित त्रिदिवसीय बालोत्सव की सांस्कृतिक संध्या में जल बचाओ स्वच्छता अपनाओ, धरती मां को स्वस्थ बनाओं का उद्घोश करते हुए सितारों से टिमटिमाते नन्हें बाल कलाकारों ने बाल सुलभ चपलता, जोश-उत्साह के साथ मधुर स्वर लहरी और थिरकते कदमों से पर्यावरण संरक्षण, बुजुर्गों का सम्मान, शिक्षा, संतुलित भोजन, सोशल मीडिया का सदुपयोग जैसे वर्तमान के प्रासंगिक मुद्दों को प्रमुखता से उठाया। मनीषा द्वारा माँ शारदे के श्रीचरणों में दीप प्रज्वलन के साथ वंदना से सांस्कृतिक संध्या का आगाज हुआ। नन्हें कलाकारों ने हर घड़ी बदल रही है रुप जिंदगी गीत पर नृत्य कर जीवन की खूबसूरत तस्वीर को उकेरते हुए, सभासदों के स्वागत में वेलकम गीत तथा राठौड़ा री खम्मा घणी नृत्य प्रस्तुत किया। नन्हें कलाकारों की पर्यावरण संरक्षण प्रस्तुति ने दर्शकों का मन मोह लिया। कव्वाली करते हुए बाल कव्वालों ने शिक्षक-शिक्षार्थी-अभिभावक के मधुर संबंधों को साकार करते हुए अनुशासन, बड़ों का सम्मान, शिक्षा,

संतुलित भोजन, मोबाईल का सदुपयोग करने का आग्रह किया। वृद्धाश्रम नृत्य नाटिका मंचित कर बुजुर्गों की पीड़ा को मार्मिक अभिव्यक्ति देते हुए, युवा पीढ़ी को इनकी सार-संभाल, सम्मान-गरिमा को बनाए रखने के लिए प्रेरित किया। बाल कलाकारों ने सोशल मीडिया नृत्य नाटिका मंचित कर सांस्कृतिक प्रदूषण से दूर रहने की सलाह तथा भारतीय संस्कृति और संस्कारों को अपनाने का संदेश दिया। श्रीकृष्ण की लीलाओं का संगान कर गुजराती नृत्य 'रणछोड़ रंगीला...' तथा रामभक्त हनुमान की अद्वितीय, अनुपम रामभक्ति, प्रेम और आस्था को 'केसरी के लाल...' गीत पर नृत्य कर सम्पूर्ण परिवेष को भक्तिमय कर दिया। प्राकृतिक सौन्दर्य से ओतप्रोत कुमाऊ संस्कृति तथा रंगीले राजस्थान की मनमोहक छटाओं को बिखेरते हुए बाल कलाकारों ने अखिल विश्व को भारत भ्रमण का आमंत्रण दिया। वहीं नन्हीं बेटियों ने अभी मुझमें कहीं बाकी है...' गीत पर नृत्य प्रस्तुत किया। अतिथि गणपत धर्मावत ने कहा कि गांधी सेवा सदन विगत सात दशक से सामाजिक एवं बाल केन्द्रित गतिविधियों का संचालन कर स्वस्थ समाज निर्माण के सपने को आकार दे रहा है। शिक्षा सतत प्रक्रिया है जिसके माध्यम से बच्चों का सर्वांगीण विकास किया जाता है। हमारा अंक आधारित शिक्षा में विश्वास नहीं है वरन हम मानवीय मूल्यों एवं चरित्र विकास को बढ़ावा दे रहे हैं। गणपत धर्मावत, अफजल खां अफजल, डॉ महेन्द्र कर्णावट ने चिकित्सा क्षेत्र में सेवारत बाल निकेतन के भूतपूर्व विद्यार्थी डॉ चित्रेश मेहता अस्थि रोग विशेषज्ञ, डॉ भरत सोनी-अस्थि रोग विशेषज्ञ, डॉ मीनल चपलोत दंत विशेषज्ञ पेरियोडोन्टोलोजी एवं ओरल इम्प्लान्टोलोजी को शॉल, स्मृति चिह्न तथा साहित्य भेंट कर स्वागत किया। संस्था मंत्री डॉ महेन्द्र कर्णावट ने कहा कि बालपीढ़ी के मन को समझना आसान नहीं है। जो शिक्षक बच्चों के मन को समझ कर अपनी कार्ययोजना बनाता है वह सच्चा शिक्षक होता है। गांधी सेवा सदन बाल पीढ़ी के बचपन को संवारने एवं सुरक्षित करने में संलग्न है। बालोत्सव का त्रिदिवसीय आयोजन बचपन को बचाने का उपक्रम है। सांस्कृतिक संध्या की काव्यमय संयोजना ऐतिहासिक संदर्भों के साथ चावली चौधरी, प्रियंका व्यास, राजेश पाल ने की। इस दौरान मंजूलता शर्मा, विजय कंडारा, हेमंत श्रीमाली, देवेन्द्रा परिहार, नीतू गोरवा, पूनम बंसल, सीता सालवी, मोनिका डांगी मौजूद थे।

प्रधानमंत्री सुरक्षित मातृत्व अभियान को लेकर सीएमएचओ ने किया निरीक्षण, दिए निर्देश

राजसमंद (पुकार)। प्रधानमंत्री सुरक्षित मातृत्व अभियान को लेकर सीएमएचओ डॉ हेमन्त कुमार बिन्दल ने प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र वणाई का औचक निरीक्षण किया तथा वहां गर्भवती महिलाओं को दी जा रही स्वास्थ्य सेवाओं का अवलोकन किया। सीएमएचओ बिन्दल ने प्रधानमंत्री सुरक्षित मातृत्व अभियान के तहत लक्षित सभी गर्भवती महिलाओं को आशा के माध्यम से मोबिलाईज कर गुणवत्तापूर्ण प्रसव पूर्व सेवाएं प्रदान करने के लिए निर्देशित किया। उन्होंने राज्य सरकार द्वारा गर्भवती महिलाओं के लिए संचालित मां वाउचर योजना के तहत सभी पात्र गर्भवती महिलाओं को वाउचर जारी करने तथा नियमित मोनिटरिंग कर योजना से लाभान्वित करने के लिए निर्देशित किया। उन्होंने प्रधानमंत्री सुरक्षित मातृत्व अभियान के लिए आवश्यक सभी उपकरणों,

दवाइयों की सुनिश्चिता करते हुए गर्भवती महिलाओं को निःशुल्क एवं गुणवत्तापूर्ण प्रसवपूर्व स्वास्थ्य सुविधाएं प्रदान के लिए निर्देशित किया। उन्होंने चिकित्सा अधिकारी प्रभारी से चिकित्सा संस्थान पर प्रसव के लिए प्रेरित किया। जिससे गर्भवती महिलाओं को प्रसव के बड़े चिकित्सा संस्थानो पर नहीं जाना पड़े। उन्होने मौके पर उपस्थित गर्भवती महिलाओं का सेवाओं को लेकर फीडबैक भी लिया। उन्होंने प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र में प्रसव कक्ष, वार्ड्स, दवा वितरण केन्द्र एवं जांच प्रयोगशाला का भी निरीक्षण किया तथा संस्थान में सुव्यवस्थित साफ-सफाई के लिए चिकित्सा अधिकारी प्रभारी डॉ राजेन्द्र चौधरी एवं सफाई कर्मी की प्रशंसा की।

राजसमंद हैंडबॉल टीम का चयन

● राज्यस्तरीय प्रतियोगिता में जिले का प्रतिनिधित्व करेंगी

राजसमंद (पुकार)। जिले में आमेट के तुलसी अमृत विद्यापीठ खेल मैदान में जिला हैंडबॉल संघ के तत्वावधान में दो दिवसीय ट्रायल बुधवार को समाप्त हुआ। जिसमें कई खिलाड़ियों ने भाग लिया। खिलाड़ियों का उत्कृष्ट प्रदर्शन के आधार पर चयन किया गया। चयनित खिलाड़ी राज्यस्तरीय प्रतियोगिता में जिले का प्रतिनिधित्व करेंगे। हैंडबॉल संघ के जिला सचिव हरिओमसिंह चुंडावत ने बताया कि पुरुष एवं महिला वर्ग की इस जूनियर एवं सीनियर वर्ग के खिलाड़ियों के प्रदर्शन के आधार पर राज्य स्तरीय स्पर्धा के लिए चयन किया गया। जिला सचिव चुंडावत ने जानकारी दी कि राज्य स्तरीय जूनियर हैंडबॉल प्रतियोगिता बालक एवं बालिका वर्ग 29 नवंबर से चितौड़गढ़ में आयोजित होगी। सीनियर बालिका वर्ग 6 दिसम्बर से श्रीगंगानगर एवं पुरुष वर्ग की प्रतियोगिता 14 दिसम्बर से बांरा में आयोजित होगी। इस दौरान हैंडबॉल संघ के संजय कनेरिया, सत्यप्रकाश सिंह, जसवंत सिंह, बलवीर सिंह, मीत वैष्णव, आदित्यराज, निखिल, प्रिंस, ध्रुव साहू आदि उपस्थित थे।

राजस्थान शिक्षक संघ राष्ट्रीय के पीईईओ संपर्क अभियान में संगठन की रीति-नीति से कराया अवगत

राजसमंद (पुकार)। राजस्थान शिक्षक संघ (राष्ट्रीय) जिला उप शाखा की कार्यकारिणी ने प्रदेश एवं जिले से प्राप्त निर्देशों की पालना में जिला मंत्री सुजीत त्रिपाठी के नेतृत्व में पीईईओ संपर्क किया गया। इसमें संगठन की रीति नीति एवं कार्यशैली से सभी पीईईओ को अवगत कराया गया। संपर्क अभियान के तहत उप शाखा कार्यकारिणी के सदस्यों ने राजसमंद ब्लॉक के विभिन्न पंचायतों यथा साकरोदा, कानादेव का गुडा, फरारा में कार्यरत प्रधानाचार्य से संपर्क कर संगठन की कार्यशैली से अवगत करवाया गया। साकरोदा ग्राम पंचायत के पीईईओ रामेश्वर गुर्जर, कानदेव का गुड़ा के राजेंद्रसिंह चारण और फरारा के कार्यवाहक संस्था प्रधान प्यारेलाल

खटीक के साथ संपर्क स्थापित किया गया और साथ ही विभिन्न शिक्षक समस्याओं के समाधान की चर्चा की गई। इस दौरान उपशाखा मंत्री अरुण प्रजापत, जिला मंत्री सुजीत त्रिपाठी, जिला संगठन मंत्री शंकर माली, जिला महिला मंत्री वीणा वैष्णव, उप शाखा सभाध्यक्ष शिवदास बैरागी, उपाध्यक्ष मुकेश वैष्णव, उपसभा अध्यक्ष मुकेश कुमावत, जिला महा समिति सदस्य धीरज मेहता, लक्ष्मी बैरागी शंकरसिंह, अंबालाल सालवी, किशनसिंह, निर्मल सनाढ्य, गिरिराज पालीवाल आदि उपस्थित थे।

बाल विवाह मुक्त भारत अभियान के तहत दिलाई गई शपथ

राजसमंद (पुकार)। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण तथा जतन संस्थान के संयुक्त तत्वावधान में पीएमश्री राउप्रावि लवाणा में जिला प्राधिकरण सचिव संतोष अग्रवाल ने विधिक जागरूकता शिविर आयोजित कर बच्चों को बाल विवाह रोकथाम को लेकर शपथ दिलवाई। सचिव अग्रवाल ने बताया कि बाल विवाह मुक्त भारत अभियान की शुरूआत बुधवार को विज्ञान भवन नई दिल्ली में महिला एवं बाल विकास मंत्री अन्नपूर्णा देवी ने की। इसी दौरान जिला विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा जिला मुख्यालय सहित प्रत्येक तालुका स्तर पर बाल विवाह रोकथाम के लिए जागरूकता शिविर आयोजित कर शपथ दिलवाई गई। साथ ही बच्चों को बाल अधिकार एवं सुरक्षा से जुड़ें कानूनों की जानकारी प्रदान कर संविधान की सामान्य जानकारी, मौलिक अधिकार व कर्त्तव्यों के बारे में अवगत कराया गया। इस दौरान असिस्टेंट एलएडीसी ऋतु शर्मा ने बाल विवाह से होने वाले दुष्प्रभावों के बारें में जानकारी देकर पॉक्सो अधिनियम, गुड टच बेड टच, नालसा हेल्पलाईन नम्बर, चाईल्ड हेल्पलाईन नम्बर, बाल विवाह निषेध अधिनियम, शिक्षा का अधिकार, बालिका सुरक्षा, सेल्फ डिफेंस सहित नशे से दूर रहने के लिए प्रेरित किया गया। इस दौरान जिला न्यायालय प्रबन्धक दीपक शर्मा, पीईओ भाणा रमेशचन्द्र राणा, संस्था प्रधान सोहनलाल कुमावत, शा.शि मनोज हाड़ा, कमलेश कुमावत, रत्ना जोशी, अनिता गुर्जर, कन्हैयालाल कुमावत, ममता, विनोद, तुलसीराम कुमावत, नाथूलाल कुमावत सहित अभिभावक उपस्थित थे।

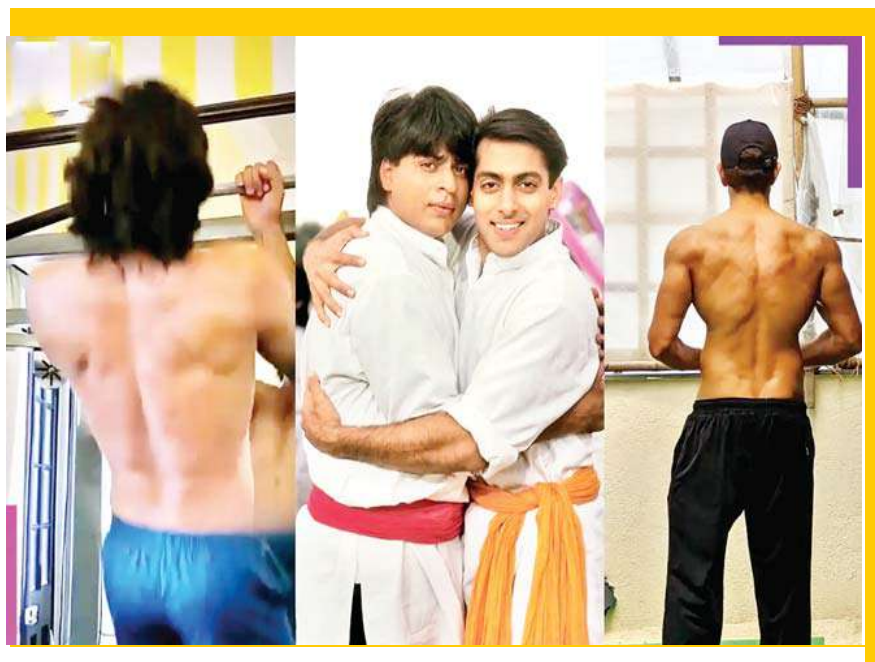

करण अर्जुन का बनेगा रीमेक, पहले दिन कमाई होगी 100 करोड़ के पार

साल 1995 में सलमान खान और शाहरुख खान ने बॉक्स ऑफिस पर धमाका किया था. राकेश रोशन के निर्देशन में बनी फिल्म करण अर्जुन सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी, जिसने आते ही फैंस को अपना दीवाना बना दिया था. फिल्म में करण और अर्जुन की जोड़ी फैंस को अपनी सी लगने लगी थी. तभी तो आज सालों बाद भी इस फिल्म का जादू फैंस के सिर पर चढ़ा हुआ है, लेकिन अब करण अर्जुन की रीमेक की बात शुरू हो गई है. राकेश रोशन ने खुद करण-अर्जुन के रीमेक पर बात की है. साथ ही उन्होंने बताया है कि वह किन दो एक्टर के साथ इस फिल्म का निर्माण करना चाहते हैं.दरअसल, राकेश रोशन ने टेली चक्कर को एक इंटरव्यू दिया है, जिसमें उन्होंने करण अर्जुन के रीमेक पर बात की. इस इंटरव्यू में डायरेक्टर से सवाल किया गया कि अगर वह अब करण अर्जुन का रीमेक बनाते हैं तो वह किन दो एक्टर के साथ काम करना चाहेंगे? इस सवाल का जवाब राकेश रोशन ने बिना समय लेते हुए दिया है. उन्होंने कहा है कि आज की डेट में मैं जरूर ऋतिक के साथ रणबीर कपूर को लेना चाहूंगा. ये दोनों ही मेरे लिए अच्छे ऑप्शन है. उनका ये जवाब सुनकर पत्रकार की आंखें भी बड़ी हो जाती हैं और वह फिल्म को 100 करोड़ी पहले दिन में ही बता देते हैं. हालांकि, कुछ फैंस को ये आइडिया पसंद नहीं आया है. उनका मानना है कि आइकॉनिक फिल्मों को छोड़ देना चाहिए. उनका रीमेक नहीं बनना चाहिएबता दें कि रणबीर कपूर इन दिनों अपनी फिल्म रामायण की शूटिंग में बिजी थे, जिसे उन्होंने कुछ समय पहले ही खत्म किया है. इससे पहले रणबीर कपूर फिल्म एनिमल में नजर आए थे, जिसने बॉक्स ऑफिस पर धमाका कर दिया था. इस फिल्म ने कमाई के कई रिकॉर्ड तोड़े थे. ऋतिक आखिरी बार फिल्म फाइटर में नजर आए थे, जिसका पार्ट 2 भी बनने वाला है. इसके अलावा, सतरंगी, इंशाअल्लाह, वॉर 2 और कृष 4 का नाम शामिल है. ऐसी ही एंटरटेनमेंट की लेटेस्ट खबरों के लिए बॉलीवुडलाइफ के साथ बने रहिए।

कृष्णा अभिषेक और गोविंदा के बीच मिटीं दूरियां 'द ग्रेट इंडियन कपिल' शो पर साथ आएंगे नजर

गोविंदा और कृष्णा अभिषेक के बीच मनमुटाव की खबरें सालों से सुर्खियों में आती रही हैं। इन दोनों को लम्बे समय से साथ नहीं देखा गया है। हाल ही में गोविंदा के गोली लगने के बाद कृष्णा उनसे मिलने नहीं जा पाए। अब दोनो जल्द ही एक साथ नजर आने वाले हैं। जी हां 'द ग्रेट इंडियन कपिल शो' के अगले एपिसोड में गोविंदा बतौर गेस्ट आने वाले हैं। शो के प्रोमो में गोविंदा और कृष्णा एक साथ स्टेज पर नजर आ रहे हैं। अब तक कृष्णा शो पर गोविंदा की कॉपी करके दर्शकों का मनोरंजन करते रहे हैं। आने वाले एपिसोड में गोविंदा के साथ उनकी मस्ती देखने लायक होने वाली है। शो पर गोविंदा के साथ शक्ति कपूर और चंकी पांडे आने वाले हैं।'द कपिल ग्रेट इंडियन कपिल शो' के आने वाले एपिसोड की झलक बीते शनिवार को दिखाई गई। शो पर गोविंदा, शक्ति कपूर और चंकी पांडे आने वाले हैं। इन तीनों कलाकारों का उनके दौर में मनोरंजन करने में कोई मुकाबला नहीं था। तीनों ही दर्शकों को हंसाने की कला में माहिर हैं। इस बार हंसने हंसाने के शो पर इन तीनों की तिकडी के लिए कपिल की टीम मनोरंजन का तडका लगाने वाली है। साथ ही शो पर अक्सर मामा भांजे के बीच की अनबन की बातों को भी विराम लग जाएगा। प्रोमो में कृष्णा और गोविंदा एक दूसरे को गले लगाते नजर आ रहे हैं। गोविंदा को गले लगाते हुए कृष्णा कहते हैं कि बहुत दिनों बाद पकड में आए हैं अब नहीं छोडूंगा। दोनों साथ में मस्ती मजाक करते नजर आ रहे हैं। कृष्णा कॉमेडी का पंच मारते हैं कि जैसे आप तीनों ने अपनी फिल्म 'आंखें' में बंदर रखा था वैसे ही मैने एक गधा रखा है। उनका इशारा जिन्न बने कीकू शारदा की तरफ होता है। तभी गोविंदा बीच में टोकते हैं और काला कुर्ता पहने कृष्णा की तरफ इशारा करते हैं कि जिसने काला कुर्ता पहना है वो भी गधा ही है। इसपर सब ठहाके लगाने लगते हैं।शो के प्रोमों में गोविंदा खुद को गोली लगने की घटना के बारे में बात करते हुए भी नजर आ रहे हैं। गोविंदा मजाकिया अंदाज में बताते हैं कि जब मुझे गोली लगी तो शिल्पा शेट्टी मिलने आई। वे कहते हैं कि शिल्पा ने आते ही पूछा कि जब तुम्हें गोली लगी तो सुनीता कहां थी। गोविंदा ने कहा वो तो मंदिर गई थी।

22 साल बाद बड़े पर्दे पर रिलीज होगी अनुराग कश्यप की Debut फिल्म

बॉलीवुड के फेमस डायरेक्टर अनुराग कश्यप अपने विवादित बयानों को लेकर अक्सर सुर्खियों में रहते हैं. अनुराग कश्यप की फिल्मों में अक्सर हिंसा से लेकर सेंसटिव मुद्दों पर बातचीत की जाती है. अनुराग कश्यप गैंग्स ऑफ वासेपुरजैसी फिल्मों को डायरेक्ट कर चुके हैं. डायरेक्टर ने अपने

करियर की शुरुआत टीवी सीरियल के राइटर के तौर पर की थी. फिर साल 1998 में उन्होंने रामगोपाल वर्मा की फिल्म सत्यामें को-राइटर के तौर पर काम किया. वहीं उन्होंने फिल्म पांचके जरिए डायरेक्टोरियल डेब्यू किया, लेकिन साल 2002 में बनी यह मूवी बैन के कारण कभी सिनेमाघरों में रिलीज ही नहीं हो पाई थी. लेकिन अब पूरे 22 साल बाद अनुराग कश्यप की यह मूवी बॉक्स ऑफिस पर उतरने वाली है. दरअसल पूरे 22 साल बाद इस फिल्म को सेंसर बोर्ड ने पास किया है और इससे बैन को भी हटा दिया गया है. अनुराग कश्यप के निर्देशन में बनी फिल्म पांचकी रिलीज की पुष्टि प्रोड्यूसर टूटू शर्मा ने की है. उन्होंने कहा कि इस फिल्म को अगले 6 महीने में सिनेमाघरों में रिलीज किया जाएगा. उन्होंने बताया, पांच अगले साल जरूर रिलीज होगी. मैं अगले 6 महीनो में इस फिल्म को सिनेमाघरों में रिलीज करने की प्लानिंग कर रहा हूं. इस फिल्म को बैन कर दिया गया था और इसके नेगेटिव्स भी थोड़े खराब हो चुके हैं. अब इस मूवी को रिस्टोर करने की प्रक्रिया शुरू हो चुकी है. जब यह तैयार हो जाएगा तो हम पांच फिल्म को रिलीज कर देंगे.बता दें कि टूटू शर्मा ने यह जानकारी बॉलीवुड हंगामा संग बातचीत में दी है.बता दें कि पांचफिल्म को उसकी सेंसिटिव सब्जेक्ट और अपमानजनक भाषा के कारण बैन किया गया था. यह फिल्म 1976-77 में पुणे में जोशी-अभ्यंकर की सिलसिलेवार मर्डर्स से इंस्पायर है. इस फिल्म में केके मेनन लीड रोल में हैं तो वहीं आदित्य श्रीवास्तव, तेजस्विनी कोल्हापुरे और विजय मौर्य भी लीड रोल निभा रहे हैं. सेंसर बोर्ड की तरफ से पूरे 22 साल बाद इस फिल्म को रिलीज की मंजूरी मिल गई है।

स्क्रीन पर खुद को नॉर्मल दिखाने में गर्व महसूस होता है: साई पल्लवी

साई पल्लवी सबसे खूबसूरत एक्ट्रेस में से एक हैं। उन्होंने 2015 में मलयालम फिल्म प्रेमम से अपने ऐक्टिंग की शुरुआत की। इसके बाद साई ने फ़िदा, काली, मारी 2, अथिरन और कई अन्य फिल्मों में काम किया। इस प्रकार, वह अपने अभिनय कौशल में बहुमुखी प्रतिभा से लाखों दिलों को आसानी से जीत सकती हैं और कई पुरस्कार और प्रशंसा भी जीत सकती हैं। हालाँकि, साई पल्लवी एक ऐसी अभिनेत्री हैं, जो स्क्रीन पर शायद ही कोई मेकअप इस्तेमाल करती हैं और अपनी प्राकृतिक त्वचा को दिखाती रहती हैं।साई पल्लवी के एक इंटरव्यू का पुराना वीडियो मिला, जिसमें उन्होंने बताया कि कैसे उन्होंने बिना किसी मेकअप के ऑनस्क्रीन अपनी त्वचा को दिखाना शुरू किया। सभी जानते हैं कि वह शायद ही कभी कॉस्मेटिक्स का इस्तेमाल करती हैं और अपनी नॉन-परफेक्ट त्वचा को दिखाने के लिए ऑनस्क्रीन कम से कम मेकअप का इस्तेमाल करने के लिए जानी जाती हैं। इसलिए, ग्रेट आंध्र न्यूज़ के साथ इंटरव्यू में, जब साई पल्लवी से पूछा गया कि वह इंडस्ट्री की दूसरी हस्तियों से कैसे अलग हैं, तो उन्होंने इस मामले पर खुलकर बात की।

2 करोड़ रुपये के फेयरनेस क्रीम के विज्ञापन को ठुकरा दिया था

असुरक्षा की भावना हुई थी महसूस

शो के होस्ट वीएसएन मूर्ति ने साई से पूछा, 5आप भी बाकी सभी की तरह एक्ट्रेस बनीं। आप बनना चाहती थीं या नहीं, लेकिन आप बन गईं। आप दूसरी अभिनेत्रियों से इतनी अलग कैसे हैं? इस पर, अपनी खराब त्वचा को छिपाने के लिए किसी भी मेकअप प्रोडक्ट का इस्तेमाल न करने के अपने विकल्प के पीछे का कारण बताते हुए, साई पल्लवी ने बताया कि, वास्तव में, उन्हें इस मामले के बारे में कुछ भी नहीं पता है।

कैसे साई ने ऑनस्क्रीन नो-मेकअप लुक को बढ़ावा देने के बाद खुद को आजाद महसूस करना शुरू कर दिया

इसके अलावा, साई पल्लवी से पूछा गया कि वह समारोहों के लिए विशेष रूप से तैयार क्यों नहीं होती हैं। जो लोग नहीं जानते, हमने उन्हें विभिन्न पुरस्कार समारोहों में पारंपरिक साड़ी पहने देखा है, और ऐसा करके, उन्होंने वास्तव में एक निश्चित मानक बनाए रखा है। इसके अलावा, जब वह अपनी फिल्मों में ग्लैमर दिखाती थीं, तो उन्होंने कुछ सीमाएँ भी तय कीं। उसी के बारे में पूछे जाने पर, उन्होंने बताया कि कैसे उनके निर्देशक और दर्शक दोनों को लगता था कि जब वह कोई मेकअप नहीं पहनती हैं तो वह बेहतर प्रदर्शन करती हैं। बाद में, फिल्म विराटपर्वम में अभिनय करते समय उन्होंने कैसे अधिक मुक्त महसूस किया

साई पल्लवी ने एक बार फेयरनेस क्रीम के विज्ञापन के लिए लगभग 2 करोड़ रुपये का सौदा ठुकरा दिया था। हालाँकि उन्होंने जिस सौदे को ठुकराया वह बहुत बड़ी रकम थी, लेकिन अभिनेत्री ने स्पष्ट किया कि उन्होंने फेयरनेस क्रीम के संदेश को बढ़ावा देने से क्यों मना कर दिया। उन्होंने अपनी प्राकृतिक सुंदरता का उचित संदर्भ दिया, भले ही उन्हें पिंपल्स, मुंहासे और बहुत कुछ जैसी अपनी असुरक्षाएँ थीं। उन्होंने इसके लिए खड़े होने में कोई आशंका नहीं होने का उल्लेख किया। इस प्रकार, रंगभेद के खिलाफ़ अपनी आवाज़ उठाने और आत्म-स्वीकृति को बढ़ावा देने के लिए उन्हें बहुत प्रशंसा मिली।

धनुष संग कंट्रोवर्सी के बीच नयनतारा ने बॉडी शेमिंग पर तोड़ी

नयनतारा के इस वीडियो को नेटफ्लिक्स इंडिया के इंस्टाग्राम हैडंल पर शेयर किया गया है.इस वीडियो में नयनतारा कह रही हैं, %मेरी जिंदगी का सबसे लोवेस्ट पॉइंट था, फिल्म गजनी. यह वो समय था, जब मुझे इस तरह के कमेंट्स सुनने पड़ रहे थ।

साउथ फिल्म इंडस्ट्री की लेडी सुपरस्टार नयनतारा इन दिनों अपनी नेटफ्लिक्स डॉक्यूमेंट्री %नयनतारा- बियॉन्ड द फेयरी टेल% को लेकर लगातार सुर्खियों में बनी हुई हैं. इस डॉक्यूमेंट्री में नयनतारा की जिंदगी के प्रोफेशनल स्ट्रगल से लेकर निजी एक्सपीरियंस को भी साझा किया गया है. अब नेटफ्लिक्स इंडिया ने एक्ट्रेस की डॉक्यूमेंट्री से जुड़ा एक नया क्लिप शेयर किया है, जिसमें नयनतारा बॉडी शेमिंग को लेकर बातचीत करती नजर आ रही हैं. इस वीडियो में एक्ट्रेस फिल्म %गजनी% में बिकिनी सीन को लेकर मचे बवाल पर बात कर रही हैं.नयनतारा के इस वीडियो को नेटफ्लिक्स इंडिया के इंस्टाग्राम हैडंल पर शेयर किया गया है.इस वीडियो में नयनतारा कह रही हैं, %मेरी जिंदगी का सबसे लोवेस्ट पॉइंट था, फिल्म गजनी. यह वो समय था, जब मुझे इस तरह के कमेंट्स सुनने पड़ रहे थे. लोग यह तक बोलते थे कि ओह यह एक्टिंग ही क्यों कर रही है? और आखिर यह फिल्म में है ही क्यों? यह बहुत मोटी है. आप ऐसी बातें नहीं बोल सकते. आप परफॉर्मेंस से जुड़े हिस्से की बात कर सकते हो, शायद में इतनी अच्छी नहीं थी. तो मैं केवल वही कर रही थी जो मुझे करने के लिए बोला गया था और मैंने वही पहना था, जो डायरेक्टर ने मुझे पहनने के लिए बोला था.% नयनतारा ने ये भी बताया कि उनके बिकिनी पहनने को लेकर ये सारा विवाद शुरू हुआ था. एक्ट्रेस ने कहा कि %यह सारा ड्रामा बिकिनी पहनने के बाद शुरू हुआ था, क्योंकि यह सबके लिए एक बड़ा मुद्दा बन गया था एक्ट्रेस नयनतारा ने बिकिनी विवाद पर बातचीत करते हुए आगे कहा, %लेकिन मुझे लगता है कि ऐसे ही सब चीजें बदलती हैं. मैं बिकिनी पहनकर कोई पॉइंट प्रूव नहीं करना चाहती थी. मैंने केवल ये इसलिए किया क्योंकि मुझे डायरेक्टर ने ऐसा करने बोला था. यह सीन बहुत जरूरी था और इसलिए मैंने ये किया और मुझे लगता है कि ये मेरे लिए काम भी किया।

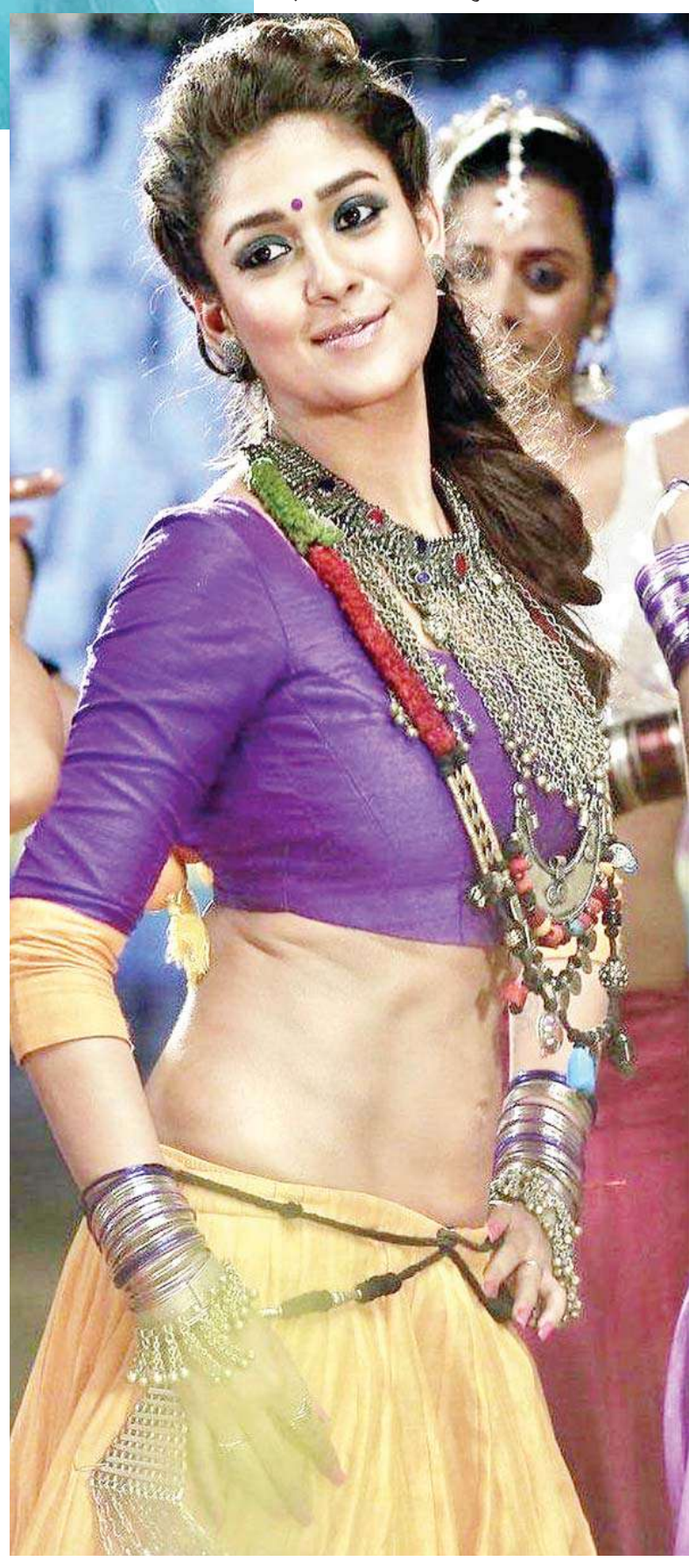

संक्षिप्त खबरें...

यूरो अकैडमी के बच्चो ने देखी जिला न्यायालय की कार्यप्रणाली

भीलवाड़ा। सविधान दिवस के अवसर पर यूरो अकेडमी स्कूल के बच्चो ने जिला एवं सेशन न्यायालय का भ्रमण कर कोर्ट द्वारा न्याय प्रक्रिया की जानकारी ली। स्कूल के डायरेक्टर सरोज बांगड़ ने बताया कि जिला बार एसोसिएशन के अध्यक्ष ऋषि तिवाड़ी, वरिष्ट अधिवक्ता हेमेन्द्र शर्मा, अपर लोक अभियोजक गोपाल सोनी, अधिवक्ता अंकित बांगड़, श्रीमति सुशीला सांखला के सहयोग से बच्चो ने न्याय प्रणाली को समझा और एडीजे संख्या 01 में जज साहब से न्यायपालिका से सम्बंधित संवाद किया। स्कूल में बच्चों ने नाट्य मंचन द्वारा संविधान की महत्व को समझाया। जिसमें मौलिक अधिकारों पर विशेष दृष्टिकोण रहा। प्रिंसिपल अंशिका झंवर ने इस हेतु सहयोग के लिए अपर लोक अभियोजक गोपाल सोनी का विशेष आभार व्यक्त किया।

समाज के हर वर्ग का निःस्वार्थ भाव से आगे आकर जरूरतमंदों की मदद करे- कंपाउंडर सुरेश सेन

भीलवाड़ा। नर सेवा ही नारायण सेवा है। सभी को जरूरतमंदों की सेवा के लिए आगे आना चाहिए। यह बात कंपाउंडर सुरेश सेन बड़लियास कस्बे मे स्थित रा.बालिका मा.वि.में छात्र-छात्राओं को जर्सियां वितरित करते हुए कही। उन्होने कहा कि समाज के हर वर्ग का यह दायित्व है कि वह निःस्वार्थ भाव से आगे आकर जरूरतमंदों की मदद करे। जरूरतमंदों की मदद करने से न सिर्फ़उन्हें जरूरी सुविधाएं मिलती हैं, बल्कि इससे समाज का भी विकास होता है। इससे पुर्व जिले के बड़लियास कस्बे मे स्थित राजकीय बालिका माध्यमिक विद्यालय में पुत्र द्वारा पिता की पुण्यतिथि पर 100 छात्र-छात्राओं को जर्सियां वितरण की। प्रधानाचार्य उदय लाल सोनी ने बताया कि भामाशाह आशीष सोनी ने सेवानिवृत्ति शिक्षक पिता स्व.राधेश्याम सोनी की द्वितीय पुण्यतिथि पर 100 छात्र-छात्राओं को जर्सियां वितरण की। जिसके कारण विद्यार्थियों के चेहरे मुस्करा गए। इस अवसर पर भामाशाह आशीष सोनी ने कहा कि हमें जीवन में सदैव पात्र लोगों की मदद करनी चाहिए। जिनकी मदद करने से मन को शाति मिलने के साथ साथ परमात्मा भी प्रसन्न होते हैं। उनकी मदद से मिलने वाली मन की शांति दुनिया की किसी अन्य वस्तु से प्राप्त नही होती। हमें अपना जीवन स्वयं के लिए नही बल्कि दूसरों के लिए जीना चाहिए। इस दौरान सरपंच प्रकाश चंद्र रैगर, हरक चंद नागला, भंवर सोनी, संतोष देवी सोनी सहित विद्यालय स्टाफ और कई छात्र छात्राएं उपस्थित रहे।

चोरवड़ी निवासी निलेश मेनारिया का ऑल इंडिया (नेशनल) योगा प्रतियोगिता में चयन

आकोला। ऑल इंडिया (नेशनल) योगा प्रतियोगिता (टूर्नामेंट) मे बी.एन. कॉलेज के निलेश मेनारिया पुत्र श्याम लाल मेनारिया (निवासी चोरवड़ी) का चयन। उदयपुर भोपाल नोबेल्स यूनिवर्सिटी के छात्र का चयन योगा की राष्ट्रीय प्रतियोगिता में हुआ। निलेश मेनारिया 24 से उड़िसा (भुवनेश्वर) मे होने वाली राष्ट्रीय प्रतियोगिता में भाग लेगा।

आकोला शिविर में निशुल्क क्लाथ वितरण, बीपी शुगर की जांच हुई

आकोला। आयुर्वेद विभाग राजकीय आयुर्वेद औषधालय आकोला द्वारा बुधवार को 800 बालको बालिकाओं को निशुल्क क्वाथ वितरण किया गया। मौसमी बिमारियों को देखते हुए रोग प्रतिरोधक क्षमता में बढोतरी के लिए एवं बीमारियों की रोकथाम के लिए लोगों को निशुल्क काढ़ा पिलाया। कई की जडी बुटियो से क्वाथ (काढा) तैयार किया गया। काढा पीने के लिए ग्रामीणों सहित बालक बालिकाओं में भारी उत्साह देखा गया। शिविर प्रभारी डॉ. कमलेश कुमार गुर्जर, कंपाउण्डर - ममता तैली ने बताया कि ग्रामीणों सहित 800 बालक बालिकाओं को निशुल्क क्वाथ वितरण किया गया तथा रोगियों को परामर्श तथा निशुल्क बीपी और शुगर की जांच की गयी। एवं बाल विवाह मुक्त भारत अभियान के तहत बाल विवाह निषेध एवं बाल विवाह के दुष्प्रभावो के बारे जानकारी के साथ बाल विवाह प्रतिषेध शपथ दिलाई गई।

कीर समाज की जिला स्तरीय बैठक आयोजित

कपासन। क्षेत्र के प्रमुख शनि धाम श्री शनि महाराज आली की धर्मशाला में कीर समाज की जिला स्तरीय बैठक आयोजित हुई। बैठक में वीरांगना मां पुरीबाई के 313 वें जन्मोत्सव पर 11 दिसंबर को शोभा यात्रा निकालने, खेलकूद, सांस्कृतिक आदि कार्यक्रम आयोजित करने का निर्णय लिया गया। जिलाध्यक्ष धर्मराज कीर ने बताया कि प्रदेशाध्यक्ष किशन लाल कीर ओर कीर समाज की साध्वी माया नाथ योगी अलख आश्रम करुकड़ा के आतिथ्य में बैठक आयोजित की गई।जिसमें जिलाध्यक्ष ने आगामी 11 दिसम्बर को कीर समाज की वीरांगना मां पुरीबाई के 313 वें जन्मोत्सव को बड़ी धूमधाम से भव्य रूप से समारोह पूर्वक मनाने की जानकारी देकर इसको सफ़ल बनाने का आह्वान किया। सर्व सम्मति से यह महोत्सव कपासन में कीर समाज के छात्रावास स्थल पर मनाने का तय किया गया।साथ ही महोत्सव में समाज की खेलकूद प्रतियोगिता ओर सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित करने का निर्णय लिया गया।जन्म जयंती के दिन सुबह यज्ञ हवन पूजा अर्चना के साथ धार्मिक अनुष्ठान किए जाएंगे।एवं वाहन रैली निकाली जाएगी। जो छात्रावास स्थल से शुरू होकर कस्बे के मुख्य मार्गों से निकलेगी। शोभा यात्रा आयोजन स्थल पर संपन्न होगी। जहां सभा आयोजित होगी। जिसमें पुरस्कार वितरण किया जाएगा। आयोजन की तैयारी को लेकर भी चर्चा की गई।बैठक में जिला महासचिव सम्पत कीर, भदेसर तहसील अध्यक्ष कैलाश कीर, भोपाल सागर तहसील अध्यक्ष जगदीश चंद्र कीर, कपासन तहसील अध्यक्ष शोभा लाल कीर, शनि महाराज धर्मशाला पदाधिकारी राम चन्द्र कीर, नारायण कीर, अमरचंद कीर, मांगी लाल कीर, राम चन्द्र कीर, प्रकाश कीर, कैलाश कीर, विजय, मदन लाल आदि समाज के पंच पटेल एवं युवा मौजूद रहे।

हमारे देश की संस्कृति पूरी दुनिया में सर्वश्रेष्ठ संस्कृति है- विधायक कोठारी

रा.बा.उ.मा.वि. गुलमंडी में विधायक कोठारी के मुख्य आतिथ्य में वितरित की 194 छात्राओं को साइकिल

भीलवाड़ा (पुकार)। शहर के रा. बा.उ.मा.वि. गुलमंडी में साइकिल वितरण का आयोजन किया गया। शुभारम्भ मुख्य अतिथि भीलवाडा विधायक अशोक कोठारी द्वारा माँ सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्वलीत कर किया गया। मीडिया प्रभारी पंकज आडवाणी ने बताया कि कार्यक्रम की अध्यक्षता स्थानीय विद्यालय की प्रधानाचार्य श्रीमती उषा शर्मा द्वारा की गई। विधायक द्वारा स्थानीय विद्यालय की 194 छात्राओं को साइकिल वितरित की गई। इस अवसर पर विधायक ने छात्राओं को सम्बोधित करते हुए जीवन मूल्यों एवं आदर्शों पर चलने के लिये प्रेरित किया। छात्र जीवन में गुरू का स्थान एवं गुरू की महिमा को बताते हुए बालिका शिक्षा, स्वास्थ्य एवं उनके सर्वांगीण विकास पर जोर दिया। मां पन्नाधाय रानी, झांसी की रानी लक्ष्मीबाई, रानी पद्मिनी के बारे में बात कर उनका उत्साह वर्धन कर प्रेरणा दी, वहीं बताया कि हमें सत्य और धर्म के मार्ग पर चलना है। माननीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की जीवनी के बारे में बताते हुए छात्राओं से कहा कि हमारे देश की संस्कृति पूरी दुनिया में सर्वश्रेष्ठ संस्कृति है और माननीय प्रधानमंत्री ने इस संस्कृति का मान और गौरव पूरे विश्व में बढ़ाया। पूरा विश्व सर्वे भवन्तु सुखिनः यानी हम सभी का सुख चाहते है। डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम के बारे में बताते हुए छात्राओं को कहा कि जिस प्रकार उन्होंने स्ट्रीट लाइट के नीचे बैठकर पढ़े और भारत के राष्ट्रपति बने और मिसाइल मन ऑफ इंडिया के नाम से प्रसिद्ध हुए। बच्चों का उत्साहवर्धन कहा कि हर व्यक्ति में कुछ न कुछ विशेषज्ञता है, यदि व्यक्ति कुछ ठान ले तो वह उसे पा सकता है। आज के इस दौर में हर क्षेत्र में अपार संभावनाएं है, बच्चों चाहे जिस क्षेत्र अपना भविष्य बना सकते है। इस अवसर पर विशिष्ठ अतिथि के रूप में संजय राठी एसडीएमसी संयोजक, सदस्य दुर्गा लाल सोनी, मनोज सोनी, राजेन्द्र मार्ग प्रधानाचार्य डॉ. श्याम लाल खटीक उपस्थिति रहे। विद्यालय परिवार के सभी सदस्यों एवं छात्राओं ने इस कार्यक्रम में पूर्ण उत्साह से भाग लेकर इसे सफल बनाया। साइकिल वितरण प्रभारी निर्मल छीपा एवं राज बहादुर भंसाली ने कार्यक्रम की व्यवस्था को संभाला। कार्यक्रम का संचालन श्रीमती यामिनी गहलोत एवं श्रीमती संध्या रानी सिंह द्वारा किया गया। अंत में विद्यालय की उपप्राचार्य श्रीमती शशि जैन द्वारा सभी का आभार व्यक्त किया गया।

काटुन्दा मोड़ पर अवैध धर्म कांटे के खिलाफ प्रशासन सख्त, नोटिस जारी

बेगू। काटुन्दा मोड़ के पास कृषि उपज मंडी के निकट एक अवैध धर्म कांटा संचालित हो रहा है, जो न केवल यातायात बाधित कर रहा है, बल्कि दुर्घटनाओं का प्रमुख कारण भी बन चुका है। यह क्षेत्र धीरे-धीरे 'एक्सीडेंट ज़ोन' के रूप में पहचाना जाने लगा है। स्थानीय नागरिकों और राहगीरों को गंभीर असुविधा और खतरे का सामना करना पड़ रहा है। इस समस्या की जानकारी मिलने पर उपखंड अधिकारी मनस्वी नरेश ने अधिशासी अधिकारी विष्णु यादव को अविलंब कार्रवाई के निर्देश दिए। इन निर्देशों का पालन करते हुए, आज अधिशासी अधिकारी ने धर्म कांटा संचालक को नोटिस जारी कर दिया। जारी नोटिस में धर्म कांटा संचालक को स्पष्ट निर्देश दिया गया है कि धर्म कांटे का संचालन सुचारू ढंग से करें और मार्ग में आ रही बाधा को शीघ्र हटाएं। साथ ही चेतावनी दी गई है कि यदि निर्धारित समय-सीमा में आवश्यक कदम नहीं उठाए गए, तो नियमानुसार कानूनी कार्रवाई की जाएगी। यह कदम नागरिकों की सुरक्षा और सुगम यातायात को सुनिश्चित करने के लिए उठाया गया है। प्रशासन इस क्षेत्र को पुनः सुरक्षित बनाने और दुर्घटनाओं को रोकने के प्रति गंभीर है।

नोटिस रुकवाने का प्रयास

सूत्रों के अनुसार, नोटिस जारी होने से पूर्व कुछ स्थानीय प्रभावशाली व्यक्तियों, जिनमें एक अधिवक्ता और कांग्रेस सरकार के समय राजस्व विभाग के महत्वपूर्ण कार्यों में दखलअंदाजी करने वाले राजस्वकर्मी शामिल थे जिन्होने नोटिस रुकवाने का प्रयास किया। जिसकी चर्चा आमजन में है ।

संविधान दिवस के अवसर पर कृषक संगोष्ठी का आयोजन

चित्तौड़गढ़। कृषि विज्ञान केन्द्र, चित्तौड़गढ़ एवं फाउण्डेशन फॉर इकोलोजिकल सिक्युरिटी, बेगूं (चित्तौड़गढ़) के संयुक्त तत्वाधान में में संविधान दिवस के अवसर पर रबी कृषक संगोष्ठी का आयोजन गांव बालाजी की मंदिर प्रागंण, गोपालपुरा, बेगूं में किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि शिव लाल शर्मा, सरपंच, दौलतपुरा की अध्यक्षता में किया गया। कार्यक्रम में डॉ. रतन लाल सोलंकी, वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं अध्यक्ष, कृषि विज्ञान केन्द्र, चित्तौड़गढ़ एवं अमित चौबे, लीड अधिकारी, फाउण्डेशन फॉर इकोलोजिकल सिक्युरिटी, बेगूं, शंकर लाल जाट, सहायक निदेशक, कृषि विभाग, बेगूं, डॉ. हरिकेश, कृषि अधिकारी एवं प्रवीण, कृषि अधिकारी, घीसा लाल धाकड़, अध्यक्ष, मेवाड़ शामलात मंच, बेगू, मोहन लाल रेगर, उपाध्यक्ष, मेवाड़ शामलात मंच, बेगूं की विशिष्ट अध्यक्षता में सम्पन्न हुई। फाउण्डेशन फॉर इकोलोजिकल सिक्युरिटी, बेगूं (चित्तौड़गढ़) के सभी फिल्ड कार्यकर्ता एवं विभिन्न जनप्रतिनिधि भी उपस्थित थे। संगोष्ठी में संविधान दिवस के अवसर पर प्रश्नोतरी कार्यक्रम भी रखा गया में जिसमें 10 विजेता किसानो को अथितियो द्वारा पुरस्कार दिया गया। कृषक गोष्ठी में केविके द्वारा कृषि प्रदर्शनी का आयोजन भी किया गया। संविधान की शपथ दिलाई। अमित चौबे, लीड अधिकारी, फाउण्डेशन फॉर इकोलोजिकल सिक्युरिटी, बेगूं, ने जल जमीन और जंगल, जमीन की सुरक्षा पर प्रकाश डाला। डॉ. शंकर लाल जाट, सहायक निदेशक, कृषि विभाग, बेगू, चित्तौड़गढ़ ने कृषको को बगीचे लगाने का महत्व, विभागीय योजनाओ एवं अनुदान के बारे में बताया। केन्द्र की श्रीमती दीपा इन्दौरिया, कार्यक्रम सहायक ने पोषण वाटिका लगाने की तकनीकी जानकारी दी। अन्त में संजय कुमार धाकड, कार्यक्रम सहायक ने उपस्थित अतिथियो एवं कृषक एवं कृषक महिलाओ को धन्यवाद ज्ञापित किया।

जीतो भीलवाड़ा लेडिज विंग की बोर्ड मीटिंग आयोजित, आगामी इवेन्ट्स पर हुई चर्चा

मेनेजिंग कमेटी मेम्बर्स एवं सदस्यों ने जायका, ट्रेड फेयर, प्लान्टेशन ड्राइव, श्रमण आरोग्यम, पर की चर्चा

भीलवाड़ा (पुकार)। जीतो भीलवाड़ा लेडिज विंग की बोर्ड मीटिंग नागोरी गार्डन स्थित स्वाध्याय भवन पर आयोजित की गई। जिसमे लेडिज विंग द्वारा आगामी माह मे विभिन्न कार्यक्रमों के बारे मे चर्चा की गई। चेयरपर्सन नीता बाबेल ने उपस्थित सदस्यों का स्वागत किया। मेनेजिंग कमेटी मेम्बर्स एवं सदस्यों के समक्ष जायका, ट्रेड फेयर, प्लान्टेशन ड्राइव, श्रमण आरोग्यम, आदि इवेन्ट्स के बारे मे चर्चा की गई। इसके साथ ही हेल्थ और फिटनेस का एक सेमिनार, भारतीय त्योहारों पर कार्यक्रम आयोजित करना, स्किल्स पर ऑनलाइन सेमिनार्स की उपयोगिता आदि पर भी जानकारी प्रदान की गई। मीटिंग मे लिये निर्णय अनुसार मकर सक्रांति पर प्रतियोगिता जनवरी मे, उड़ान के अन्तर्गत ट्रेड फेयर, बी 2 बी के अन्तर्गत इण्डस्ट्रियल विजिट एवं चातुर्मास काल मे श्रमण आरोग्यम साधु साध्वी भगवन्त के मेडिकल कार्ड बनाने, जीतो एवं यूथ विंग के साथ उचित समयानुसार पोधारोपण आयोजित किये जायेगे। लेडिज विंग की बहनो के जन्म दिवस और शादी की सालगिरह पर कोई भी सेवा के कार्य करने का निर्णय लिय। चेयरमेन मिट्ठा लाल सिंघवी ने सभी सदस्यों को अधिक से अधिक कार्यक्रम करने के लिये उत्साहित किया। मुख्य सचिव मनीष कुमार जैन ने एपेक्स की गाइड लाइन मे आयोजित प्रोजेक्ट मे होने वाले कार्यक्रमों को करने की जानकारी दी। महिला शाखा के कन्वीनर महेन्द्र नाहर ने स्पोर्ट्स के बारे मे जानकारी दी। इस अवसर पर जीतो यूथ चीफसेक्रेटरी सिद्धार्थ कावड़िया, जीतो महिला विंग चेयरपर्सन नीता बाबेल, वाईस चेयरपर्सन जयवंती अजमेरा, नीतू चोरड़िया, चीफ सेक्रेटरी अर्चना पाटोदी, निवर्तमान चीफ सेक्रेटरी सपना तातेड़, सचिव अमिता बाबेल, कोषाध्यक्ष नेहा नाहर, वनिता बाबेल, रजनी सिंघवी, रितु चौधरी, श्वेता हिरण, शीतल पटोदी, नीलू पोखरना, श्वेता जैन, सुनीता झामड़, सुमन लोढ़ा,लाड़ मेहता, सोनल मेहता, श्वेता पोखरना, रश्मि लोढ़ा, स्वीटी नैनावटी, रजनी डोसी, रीना सिसोदिया, किरण चोरड़िया, अंजुला डांगी, सुनीता पाटनी आदि सभी ने अपने विचार और सुझाव प्रस्तुत किए। मुख्य सचिव अर्चना पाटोदी ने सभी का आभार व्यक्त कर धन्यवाद ज्ञापित किया।

भीलवाडा डेयरी को मिला गोपाल रत्न अवॉर्ड पुरस्कार स्वरूप मिला तीन लाख नकद व प्रशस्ति पत्र

देशभर से 2574 ऑनलाईन आवेदको मे से हुआ चयन

भीलवाड़ा (पुकार)। राष्ट्रीय दुग्ध दिवस के अवसर पर नई दिल्ली में स्थित मानेकशा सेन्टर में भारत सरकार द्वारा आयोजित पुरस्कार वितरण सामारोह में भीलवाडा दुग्ध संघ की प्रतापपुरा दुग्ध उत्पादक समिति को श्रैष्ठ डेयरी सहकारी समिति के गोपाल रत्न अवार्ड से नवाजा गया, साथ ही पुरस्कार स्वरूप 03 लाख नकद व प्रशस्ति पत्र प्रदान किया गया। पशुपालन और डेयरी विकास के क्षैत्र में गोपाल रत्न राष्ट्रीय अवार्ड एक प्रतिष्ठित अवार्ड है। उक्त कार्यक्रम में विजेताओं का चयन देशभर से 2574 ऑनलाईन आवेदको मे से किया गया था। इस अवसर पर गृह एंव राज्य मंत्री जवाहर सिंह बेढम, केन्द्रीय पशुपालन एंव डेयरी मंत्री राजीव रंजन सिंह मुख्य अतिथि में, आरसीडीएफ की प्रशासक और प्रबन्ध संचालक श्रीमति श्रुति भारद्वाज, भीलवाडा दुग्ध संघ के प्रतिनिधि में संचालक मण्डल सदस्य निम्बाराम गुर्जर, प्रतापपुरा समिति सचिव नानुराम कुमावत के साथ ही अन्य पदाधिकारी एंव अन्य प्रतिभागी उपस्थित थें। भीलवाडा में फ्लैक्सी बॉयोगेस के पायलेट प्रोजेक्ट में कार्बन क्रेडिट अर्जित करने और पर्यावरण सुरक्षा के काम की राष्ट्रीय स्तर पर सराहना की गई थी। आरसीडीएफकी प्रशासक और प्रबन्ध संचालक श्रुति भारद्वाज ने राष्ट्रीय स्तर के इन पुरूस्कारो के लिये प्रदेश की सहकारी डेयरीयों से जुडे दुग्ध उत्पादकों और डेयरी कर्मचारीयों को बधाई देते हुये इसे उनके द्वारा की गई कडी महनत का फ्ल बताया है।

पुलिस बल की मोजुदगी में गोचर भूमि से अतिक्रमण हटाया

बेगूं (पुकार)। उपखंड अधिकारी एवं उपखंड मजिस्ट्रेट मनस्वी नरेश के निर्देश पर तहसीलदार द्वारा गठित राजस्व टीम ने ग्राम सुवानिया की गोचर भूमि पर वर्षों से हो रहे अतिक्रमण को हटाया। कार्रवाई का नेतृत्व नायब तहसीलदार बेगूं विष्णु यादव ने किया, जिनके साथ भू-अभिलेख निरीक्षक जितेंद्र सुराणा, कैलाश चंद्र शर्मा, पटवारी रघुवीर सिंह गुर्जर, धर्म सिंह गुर्जर, संतोष गुर्जर, जीवराज सिंह, लक्ष्मण राम, ग्राम पंचायत सचिव और अन्य स्टाफ मौजूद थे।कार्रवाई के दौरान पुलिस बल की मौजूदगी में जेसीबी और ट्रैक्टर की मदद से मकानों के आगे-पीछे बनाए गए अवैध बाड़ों को हटाया गया। ग्रामवासियों द्वारा लंबे समय से इन अतिक्रमणों की शिकायत की जा रही थी। राजस्व टीम ने इस समस्या का समाधान कर चारागाह भूमि को मुक्त कराया। कार्रवाई में सुरेंद्र सिंह, प्यारेलाल, बृज लता और अन्य पुलिसकर्मी भी शामिल रहे। ग्राम पंचायत सचिव ने बताया कि यह कार्रवाई प्रशासन द्वारा कानून व्यवस्था बनाए रखने और चारागाह भूमि की सुरक्षा के लिए की गई है। प्रशासन ने क्षेत्रवासियों से अपील की है कि वे चारागाह भूमि पर किसी भी प्रकार का अतिक्रमण न करें।

बाल विवाह से होता है बच्चों का जीवन बर्बाद - जिला कलेक्टर डॉ. इन्द्रजीत सिंह यादव

सरकार के 'बाल विवाह मुक्त भारत' अभियान को बेणेश्वर लोक विकास संस्थान ने दिया समर्थन

बांसवाड़ा (पुकार)। भारत सरकार की ओर से नई दिल्ली में बाल विवाह मुक्त भारत अभियान की शुरुआत के बाद जिला प्रशासन ने बेणेष्वर लोक विकास संस्थान के सहयोग से किया रैलियों व शपथ ग्रहण कार्यक्रमों का आयोजन भारत सरकार के नई दिल्ली के विज्ञान भवन में 'बाल विवाह मुक्त भारत' अभियान के उद्घाटन के मौके पर जिला प्रशासन बांसवाडा ने बाल विवाह के खिलाफ काम कर रहे गैरसरकारी संगठन बेणेष्वर लोक विकास संस्थान के साथ मिलकर जनजाति सभागार में जागरूकता सम्मेलन कार्यक्रम आयोजन किया और लोगों को बाल विवाह के खिलाफ शपथ दिलाई। इस मौके पर जिला कलेक्टर डॉ. इन्द्रजीत सिंह यादव ने कहा बच्चे के बाल विवाह से उसके जीवन की बर्बादी होती हैं क्योंकि छोटी उम्र में शादी हो जाने से वह शिक्षा से वंचित हो जाते हैं तथा कम उम्र में मॉ बन जाने से मॉ व बच्चे दोनो पर प्रतिकुल असर पड़ता हैं और वह शैक्षिक, शारिरीक एवं मानसिक रूप से कमजोर हो जाती हैं, जिससे वह स्वयं एवं उसकी आने वाली पिढी को भी विपरित परिस्थितियों को सामना करना पडता हैं। इस मौके पर जनजाति सभागार, बांसवाडा में हुए समारोह में जिला कलेक्टर डॉ. इन्द्रजीत सिंह यादव ने स्कूली बच्चों, महिलाओं और पंचायत प्रतिनिधियों व अन्य को बाल विवाह के खिलाफ शपथ दिलाई।

इस राष्ट्रव्यापी अभियान और जमीन पर इसके असर की चर्चा करते हुए बेणेष्वर लोक विकास संस्थान के निदेशक यतिन उपाध्याय ने कहा, 'प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में बाल विवाह के खात्मे के लिए महिला एवं बाल कल्याण मंत्रालय की ओर से शुरू किया गया अभियान इस बात का सबूत है कि सरकार इस सामाजिक बुराई की गंभीरता से अवगत है। बेणेश्वर लोक विकास संस्थान बच्चों की सुरक्षा व संरक्षण के लिए देश के 400 से भी ज्यादा जिलों में काम कर रहे 250 से भी ज्यादा गैरसरकारी संगठनों के गठबंधन जस्ट राइट्स फॉर चिल्ड्रेन (जेआरसी) का सहयोगी सदस्य है।

उप पुलिस अधिक्षक श्याम सिंह ने बताया कि आज भी देश में 23 प्रतिशत से ज्यादा लड़कियों का बाल विवाह होता है जो न सिर्फ जीवनसाथी चुनने के उनके अधिकार का हनन है बल्कि इससे लड़कियों की शिक्षा, स्वास्थ्य के साथ रोजगार और आर्थिक निर्भरता की उनकी संभावनाओं पर भी बेहद बुरा असर होता है।

बाल अधिकारी विभाग के वाजिद खान ने बताया कि एक छत्र के नीचे सभी बच्चों से जुडे विभागों के समन्वयन से बाल संरक्षण संभव हैं, लेकिन इससे ज्यादा महत्वपूर्ण है समुदाय का जागरूक होना अतः हम सब मिलकर बाल विवाह से मुक्त बांसवाडा बनाए। जिला शिक्षा अधिकारी प्रारम्भिक एवं माध्यमिक श्यामे फिरोजन अंजुम ने बताया कि शिक्षा के बल पर ही बच्चों का समग्र विकास संभव है और षिक्षा विभाग भी बाल विवाह रोकथाम हेतु सक्रीय प्रयास करेगा। महिला एवं बाल विकास विभाग के अधिकारी नमिता कुलश्रेष्ठ ने बताया कि समाज की जागरूकता से ही इस सामाजिक बुराई से मुक्ति मिल सकती हैं और समाज और सरकार को बाल विवाह के खात्मे के लिए समन्वित प्रयास करना जरूरी है। बाल कल्याण समिति के सदस्य पुष्पेन्द्र पण्ड्या ने बताया कि देखरेख एवं संरक्षण की आवश्यकता वाले बच्चों के लिए समिति सक्रीय रूप से कार्य कर रही हैं और बाल विवाह संबंधित कोई भी सूचना प्राप्त होती है तो सूचित करें। कार्यक्रम में भागवत कुन्दन ने बाल विवाह बन्द करो, बन्द करो भाईयो.....एवं ईशा पण्ड्या ने आई मने तु भणवा दे के माध्यम से जनजागरण किया। कार्यक्रम में गोपाल पण्ड्या, पूर्व अध्यक्ष, बाल कल्याण समिति, राजस्थान भारत स्काउट गाईड के सीओ दिपेष शर्मा, महिला एवं बाल विकास की पूर्व सहायक निदेशक नयना जैन, जिला परियोजना अधिकारी धर्मेश भारद्धाज, 1098 चाइल्ड हेल्प लाईन के जिला समन्वयक कमलेश बुनकर आदी ने विचार व्यक्त किए तथा कार्यक्रम में बाल कल्याण समिति के सदस्य राजेश आमोस, मातेश्वरी विकास संस्थान के कान्तिलाल पटेल, करूणा फाउण्डेषन के गोपाल तलदार, महिला एवं बाल विकास से सुपर वाईजर सविता कोठारी, रैना गुप्ता, नुतन स्कुल से षिक्षिका शबनम, राजस्थान भारत स्काउट गाईड एवं आंगनवाडी कार्यकर्ता एवं सहायिका आदि उपस्थित रहे।

संक्षिप्त समाचार

ओगणा की खूबसूरत वादियों में फिल्माए गए राजस्थानी फिल्म 'मैं दीपक तुम बाती' के दृश्य

उदयपुर (पुकार)। एम स्क्वायर प्रोडक्शन के सीईओ मुकेश माधवानी ने बताया की एम स्क्वायर प्रोडक्शन और तीतरी प्रोडक्शंस के बैनर तले बन रही राजस्थानी भाषा की फिल्म 'मैं दीपक तुम बाती' इन दिनों चर्चा में है। इस फिल्म के कुछ प्रमुख दृश्य उदयपुर जिले के गोगुंदा तहसील के ओगणा गांव की मनमोहक वादियों में फिल्माए गए। सामाजिक कुरीतियों पर प्रहार करते हुए यह फिल्म एक प्रेरणादायक संदेश देने का प्रयास करेगी।

फिल्म का निर्देशन अमिताभ तिवारी कर रहे हैं। फिल्म के लेखक और निर्माता विपिन तिवारी ने बताया कि 'हमारी कोशिश है कि इस फिल्म के माध्यम से समाज को एक सकारात्मक संदेश दिया जाए। यह फिल्म न केवल मनोरंजन करेगी, बल्कि दर्शकों के दिलों को भी छूएगी, और समाज में बदलाव की भागीदार बनेगी। फिल्म में उदयपुर के युवा अभिनेता सार्थक सक्सेना मुख्य भूमिका में हैं, जो 'दीपक' का किरदार निभा रहे हैं। सार्थक के साथ कई अन्य कलाकार भी इस प्रोजेक्ट से जुड़े हैं, जिनमें कुछ बाहर से आए प्रतिभाशाली अभिनेता शामिल हैं।

नि:शुल्क योग शिविर में योगिंग,जोगिंग, आसन व प्राणायाम का अभ्यास

उदयपुर (पुकार)। आदिनाथ दिगम्बर जैन मंदिर सेक्टर 4 उदयपुर में निशुल्क योग शिविर के नवें दिन योगाचार्य रमेश चन्द्र पटेल द्वारा योगिंग, जोगिंग,आसन, प्राणायाम, सुर्य नमस्कार और सुक्ष्म व्यायाम का अभ्यास करवाया। नरेश पूर्बिया ने बताया कि प्रफुल्ल गांधी हार्टफुलनेस रिसेप्टर द्वारा आधे घंटे तक हृदय में ध्यान करवाकर आध्यात्मिक अनुभूति करवाईं।

जज्बा वीरा ने वितरित किए जूट के बैग

उदयपुर (पुकार)। जज्बा वीरा के तत्वावधान में महावीर इंटरनेशनल के स्वर्ण जयंती वर्ष के अवसर पर पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा देने के उद्धेश्य से बुधवार को 105 जूट बैग वितरित किए गए। केन्द्र अध्यक्ष डॉ. हंसा हिंगड़ ने बताया कि केन्द्र की महावीर इंटरनेशनल के स्वर्ण जयंती वर्ष के अवसर पर बुधवार को महाराणा भूपाल चिकित्सालय में उपचाराधीन मरीजों एवं उनके तिमारदारों को 105 जूट के बैग वितरित किए गए। बैग वितरण करने के साथ ही केन्द्र की सचिव सुमन भंडारी ने पर्यावरण को स्वच्छ बनाये रखने हेतु प्लास्टिक के उपयोग को कहें ना, इस विषय पर जागरूकता बढ़ाने वाली जानकारी प्रदान की . इस अवसर पर वीना धाकड़, रेणु बाबेल, ललिता बापना, बिंदु कोठारी, पुष्पा सिसोदिया सहित सभी सदस्याओं का विशेष सहयोग रहा।

बिजनेस सर्कल इंडिया की बैठक संपन्न

उदयपुर (पुकार)। देवाली स्थित होटल द ग्रांड फतह में बिजनेस सर्कल इंडिया की चौथी मासिक बैठक संपन्न हुई। बैठक में सदस्यों ने बढ़ चढ़ कर हिस्सा लिया । बैठक में स्वागत उद्बोधन चार्टर अध्यक्ष विप्लव कुमार जैन द्वारा दिया गया । संस्थापक मुकेश माधवानी ने बीसीआई के बारे में बताते हुए कहा कि हर वर्ग के व्यापारियों को आपस के जोड़कर व्यवसाय बढ़ाना हमारा मुख्य लक्ष्य है । कार्यक्रम में शहर की प्रसिद्ध फैशन डिजाईनर आकृति मालिक एवं सुप्रसिद्ध योगाचार्य डॉ. गुनीत मोंगा ने नॉलेज फोरम के माध्यम से अपने अनुभवों को व्यापारियों के सामने रखा । बिजनेस प्रजेंटेशन कुणाल एवं मनीषा लालवानी द्वारा दी गई । बीसीआई के सदस्य वेदांत सिंह सोलंकी का जन्मदिवस मनाया गया । चार्टर अध्यक्ष विप्लव कुमार जैन ने अंत में अगले माह के कार्यों की जानकारी देते हुए बताया कि आगामी 1 दिसम्बर को सामाजिक सरोकार, 14 दिसम्बर को वर्क प्लेस विजिट, 22 दिसम्बर को कॉफी मीट एवं 28 दिसम्बर को पांचवीं ऑफिशियल मीटिंग का आयोजन रखा है । कार्यक्रम का समापन राष्ट्रगान के साथ किया गया । इस अवसर पर बीसीआई के समस्त पदाधिकारी एवं सदस्य मौजूद थे ।

डाइट में ई-कंटेंट निर्माण कार्यशाला में तैयार हो रही डिजिटल पाठ्य सामग्री

उदयपुर (पुकार)। जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान उदयपुर के तत्वावधान में आयोजित पांच दिवसीय ई कंटेंट निर्माण कार्यशाला में डिजिटल पाठ्य सामग्री का निर्माण किया जा रहा है।

डाइट प्रधानाचार्य डीईओ चंद्रशेखर जोशी के अनुसार संस्थान के शैक्षिक प्रौद्योगिकी प्रभाग द्वारा प्रभागाध्यक्ष बीना कंवर राजपूत के संयोजन में आयोजित पांच दिवसीय ई कंटेंट निर्माण कार्यशाला में शिक्षकों द्वारा विज्ञान एवं सामाजिक विषय की पाठ्य सामग्री विद्यार्थियों की समझ के लिए दृश्य श्रव्य रूप में ढाला जा रहा है।

प्रभाग प्रभारी हरिदत्त शर्मा के अनुसार कार्यशाला में कक्षा छः की विज्ञान विषय के वायु किससे बनी होती है, पौधों को जाने, सजीव-विशेषताएँ एवं आवास, विद्युत परिपथ, गति एवं दूरियों का मापन, चुम्बको द्वारा मनोरंजन, पौधों को जानिए, प्रकाश छाया एवं परावर्तन,भोजन के घटक, शरीर में गति इसी तरह कक्षा की सामाजिक विज्ञान में मानचित्र, हमारा देश भारत,सौरमंडल में पृथ्वी, पृथ्वी के प्रमुख परिमंडल, गांव,शहर और व्यापार,राजस्थान एक परिचय, जल संसाधन एवं संरक्षण राजस्थान की प्रमुख नदिया, अक्षांश एवं देशांतर, गांव का प्रशासन, पृथ्वी की गति आदि पाठों का ई कंटेंट तैयार किया जा रहा है। शर्मा ने बताया कि इस कार्य में संस्थान के लैब असिस्टेंट चिराग सैनानी के साथ साथ आरएससीईआरटी उदयपुर से तकनीकी सहयोग भी लिया जा रहा है। डाइट द्वारा तैयार इस ई कंटेंट को आरएससीईआरटी स्तर पर जांच के उपरांत विभिन्न शैक्षिक पोर्टल व एप के माध्यम से विद्यार्थियों तक सांझा किया जाएगा।

स्वअनुशासन और आत्मसात करने की कला ही सफलता का मूलमंत्र : प्रो.सारंगदेवोत

सात दिवसीय सांस्कृतिक, साहित्यिक एवं खेलकूद प्रतियोगिता 2024 का भव्य शुभारंभ

उदयपुर (पुकार)। जनार्दनराय नागर राजस्थान विद्यापीठ (डीम्ड टू बी विश्वविद्यालय) के संघटक लोकमान्य तिलक शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालय में मंगलवार को सात दिवसीय सांस्कृतिक, साहित्यिक एवं खेलकूद प्रतियोगिता 2024 का शुभारंभ किया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन राजस्थान विद्यापीठ के कुलपति प्रो. कर्नल एस.एस. सारंगदेवोत, प्राचार्य डॉ. सरोज गर्ग, डॉ. रचना राठौड़, डॉ. बलिदान जैन, डॉ. अमी राठौड़ और डॉ. सुनीता मुर्डिया द्वारा मां सरस्वती की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित कर, दीप प्रज्वलित कर और महाविद्यालय का ध्वजारोहण कर किया गया।

उद्घाटन समारोह को संबोधित करते हुए कुलपति प्रो. सारंगदेवोत ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि शिक्षा के साथ सहशैक्षिक और खेलकूद गतिविधियों में सक्रिय भागीदारी से ही संपूर्ण विकास संभव है। उन्होंने विद्यार्थियों को जीवन और करियर में सफलता के मूलमंत्र साझा करते हुए कहा कि स्वअनुशासन और ज्ञान को आत्मसात करना, सफलता की कुंजी है।

उन्होंने बताया कि विद्यार्थी जीवन

में खेलकूद और अन्य गतिविधियां महज मनोरंजन का साधन नहीं हैं, बल्कि ये भविष्य की सफलता का बीजारोपण करती हैं। ये गतिविधियां जीवन में अनुशासन, टीमवर्क और परिश्रम की भावना का विकास करती हैं, जो व्यक्ति के भविष्य को बेहतर बनाने में सहायक होती हैं।

कुलपति प्रो. सारंगदेवोत ने सभी प्रतिभागियों को खेल भावना के साथ प्रतियोगिताओं में भाग लेने की शपथ दिलाई। उन्होंने कहा कि खेलकूद न केवल शारीरिक स्वास्थ्य को मजबूत बनाते हैं, बल्कि मानसिक संतुलन और टीम भावना को भी बढ़ावा देते हैं।

समारोह का संचालन डॉ. हरीश चौबीसा ने किया। अंत में डॉ. रचना राठौड़ ने आभार प्रकट करते हुए अतिथियों और प्रतिभागियों का धन्यवाद किया।

समारोह के अंतिम दिन मिस्टर और मिस एलएमटीटी प्रतियोगिता का आयोजन किया जाएगा, जिसमें छात्रों के व्यक्तित्व, कौशल और रचनात्मकता को परखा जाएगा।

खेलों के साथ विविध सांस्कृतिक और साहित्यिक प्रतियोगिताएं : प्राचार्य डॉ. सरोज गर्ग ने प्रतियोगिता के स्वरूप की जानकारी देते हुए बताया कि इस सात दिवसीय कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों के लिए खेलकूद, सांस्कृतिक और साहित्यिक प्रतियोगिताओं की एक लंबी श्रृंखला आयोजित की जा रही है। इन प्रतियोगिताओं में 100 मीटर, 200 मीटर और 400 मीटर दौड़, गोला फेंक, तश्तरी फेंक, बैडमिंटन, शतरंज, टेबल टेनिस जैसी खेल प्रतियोगिताएं शामिल हैं। इसके अलावा, मेहंदी, रंगोली, एकल और समूह नृत्य, फेस पेंटिंग, केश सज्जा, काव्य पाठ, आशुभाषण, मांडना, युगल नृत्य, वन मिनट शो, विदाउट गैस कुकिंग, नेल आर्ट, सलाद डेकोरेशन, प्रश्नोत्तरी, एकल गीत और समूह गीत जैसी विविध प्रतियोगिताएं भी होंगी।

एनसीसी कैडेट्स की सलामी और डीजीटी ड्रिल प्रदर्शन : उद्घाटन समारोह के दौरान महाविद्यालय की एनसीसी कैडेट्स ने परेड का आयोजन किया, जिसे कुलपति प्रो. सारंगदेवोत ने सलामी दी। साथ ही, उन्होंने डीजीटी ड्रिल प्रदर्शन का भी अवलोकन किया और एनसीसी कैडेट्स की मेहनत और अनुशासन की प्रशंसा की।

महाप्रबंधक उत्तर पश्चिम रेलवे अमिताभ का उदयपुर दौरा

उदयपुर (पुकार)। महाप्रबंधक उत्तर पश्चिम रेलवे अमिताभ ने बुधवार को अजमेर मंडल के अंतर्गत उदयपुर का दौरा किया। महाप्रबंधक अमिताभ ने अजमेर मंडल के उदयपुर स्टेशन के पुनर्विकास संबंधित कार्यों का निरीक्षण किया व अधीनस्थ अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिए। इस अवसर पर मंडल रेल प्रबंधक आलोक अग्रवाल सहित मुख्यालय व मंडल के अन्य अधिकारी उपस्थित थे। जिसमें मुख्य प्रशासनिक अधिकारी (निर्माण) वेद प्रकाश, प्रमुख मुख्य परिचालन प्रबंधक, उत्तर पश्चिम रेलवे, मदन राम देवड़ा, प्रमुख वित्त सलाहकार गीतिका पांडेय, प्रमुख मुख्य सुरक्षा आयुक्त ज्योति सतीजा, प्रमुख मुख्य चिकित्सा निदेशक पीसी मीना, मुख्य इंजीनियर अंकुर जैन, उप मुख्य इंजीनियर (निर्माण) मयंक गुप्ता, क्षेत्रीय अधिकारी महेंद्र देपाल एवं अन्य अधिकारीगण उपस्थित रहे। वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक बीसीएस चौधरी के अनुसार मंडल रेल प्रबंधक अजमेर आलोक अग्रवाल द्वारा महाप्रबंधक को स्टेशन के वीआईपी कक्ष में उदयपुर से संबंधित विभिन्न गतिविधियों का प्रस्तुतीकरण दिया गया। उदयपुर स्टेशन के पुनर्विकास के संबंध में जारी स्टेशन पुनर्विकास कार्य एवं आगे की योजना के संबंध में मुख्य इंजीनियर/निर्माण द्वारा प्रस्तुतिकरण दिया गया। महाप्रबंधक ने इन कार्यों को शीघ्रता से पूर्ण करने के लिए अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए। इसके पश्चात महाप्रबंधक द्वारा उदयपुर स्टेशन का निरीक्षण किया गया और आवश्यक दिशा निर्देश दिए गए। आज ही महाप्रबंधक उत्तर पश्चिम रेलवे अमिताभ की गरिमामयी उपस्थिति में उदयपुर में नवनिर्मित अधिकारी विश्राम गृह (ओआरएच) 'उदयकिरण' का शुभारंभ किया गया जिसका महाप्रबंधक ने निरीक्षण भी किया तत्पश्चात महाप्रबंधक अमिताभ ने अधिकारियों के साथ उदयपुर-अजमेर खंड के बीच विंडो ट्रेलिंग निरीक्षण किया। जिसके अन्तर्गत राणाप्रतापनगर, मावली, कपासन व भीलवाड़ा स्टेशनों का गहन निरीक्षण किया और अमृत स्टेशन योजना सहित जारी विकास कार्यों का निरीक्षण कर आवश्यक निर्देश दिए।

'संविधान को जानो' विषय पर प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता

उदयपुर (पुकार)। गुरु नानक कन्या महाविद्यालय के शिक्षा संकाय में संविधान दिवस के उपलक्ष्य में 'संविधान को जानो' विषय पर प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ मां सरस्वती के चरणों में दीप प्रज्वलन करके किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रो. डॉ. अनिल कोठारी प्राचार्य, गुरु नानक कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय के द्वारा की गई। उन्होंने अपने उद्बोधन में छात्राओं को संविधान के अर्थ और उसके महत्व के बारे में बताया और सभी छात्राओं को संविधान के नियमों का पालन करने का आग्रह किया और छात्राओं को संप्रभुत्व संपन्न लोकतांत्रिक गणराज्य के बारे में तथा संविधान में निहित स्वतंत्रता के अधिकार भी बताएं। कार्यक्रम संयोजक डॉ. मीना नागदा ने बताया कि प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता में प्रतिभागियों को चार समूह ए,बी, सी, डी में बांटा गया तथा प्रतियोगिता में कुल चार राउंड रखे गए। जिसमें प्रथम राउंड में संविधान से संबंधित सामान्य प्रश्न पूछे गए द्वितीय राउंड में संविधान निर्मात्री सभा के बारे में प्रश्न पूछे गए। तृतीय राउंड में पर्ची के माध्यम से संविधान के अनुच्छेदों के बारे में प्रश्न पूछे गये और चतुर्थ राउंड में संविधान की प्रस्तावना पूछी गई। इसमें महाविद्यालय की लगभग 70 छात्राओं ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। इस प्रतियोगिता की विजेता ग्रुप डी रहे । जिन्हें प्राचार्य द्वारा पुरस्कृत किया गया। कार्यक्रम के निर्णायक गण की भूमिका अर्थशास्त्र विभाग की विभागाध्यक्ष डॉ. अनुराधा मालवीया तथा संस्कृत विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ . पुष्पा शर्मा थे। शिक्षा संकाय के विभागाध्यक्ष डॉ. रंजना आमेटा ने संविधान दिवस के अवसर पर सभी छात्राओं को शुभकामनाएं दी। कार्यक्रम का संचालन डॉ. रंजीता खातुरिया ने किया। इस कार्यक्रम में शिक्षा संकाय की डॉ. हर्षलता पांड्या, डॉ. डिंपल कौर, दिव्या जैन, तस्लीम नाच और हुमेरा खान उपस्थित रहे।

'संयुक्त राष्ट्र जलवायु सम्मेलन, हरित दृष्टिकोण तथा उदयपुर के लिए सीख' पर वार्ता आयोजित

उदयपुर (पुकार)। इंस्टीट्यूशन ऑफ इंजीनियर्स, इंडिया, उदयपुर लोकल सेंटर द्वारा 'संयुक्त राष्ट्र जलवायु सम्मेलन, हरित दृष्टिकोण तथा उदयपुर के लिए सीख' पर वार्ता का आयोजन इंस्टिट्यूशन के सभागार में किया गया। प्रारम्भ में दि इंस्टिट्यूशन ऑफ इंजीनियर्स इंडिया उदयपुर लोकल सेंटर के अध्यक्ष इंजीनियर पुरुषोत्तम पालीवाल ने जलवायु शिखर सम्मेलन कोप 29 से भाग लेकर लौटे, पर्यावरण संरक्षण गतिविधि से जुड़े, विद्या भवन पॉलिटेक्निक के प्राचार्य डॉ. अनिल मेहता तथा डॉ. गिरिराज न्याती, निदेशक, टेक्नो इंडिया एनजेआर इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, उदयपुर तथा सभी इंजिनियर्स तथा तकनीकी विद्यार्थियों का स्वागत किया। पालीवाल ने कहा कि आवास और शहरी विकास पहल टिकाऊ शहरी नियोजन और जलवायु-लचीले बुनियादी ढांचे पर केंद्रित है। ऐतिहासिक शहर उदयपुर कोप 29 परिणामों और हरित परिप्रेक्ष्यों से सीख सकता है।

दि इंस्टीट्यूशन ऑफ इंजीनियर्स इंडिया उदयपुर लोकल सेंटर के मानद सचिव इंजीनियर पीयूष जावेरिया ने उदयपुर शहर में हो रहे जलवायु परिवर्तन यथा जैव विवधता, पानी की कमी, कृषि संबंधी प्रभाव, पर्यटन निर्भरता आदि में आ रही चुनौतियों पर विचार व्यक्त किये। मुख्य वक्ता डॉ अनिल मेहता ने अजरबैजान में विगत रविवार को संपन्न हुए संयुक्त राष्ट्र संघ जलवायु शिखर सम्मेलन, कोप 29 के संदर्भ में अपने विचार रखे। मेहता ने कहा कि उन्होंने संयुक्त राष्ट्र के अधिकारियों सहित विश्वभर से आए प्रतिभागियों से वैदिक शांति पाठ को यू एन क्लाईमेट पीस प्रेयर के रूप में स्वीकार करने का आग्रह किया। मेहता ने कहा कि वैदिक शांति पाठ, द्यौः शान्तिरन्तरिक्ष शान्तिः, पृथ्वी शान्तिरापः शान्तिरोषधयः शान्तिः; वनस्पतयः शान्तिर्विश्वे देवाः शान्तिर्ब्रह्म शान्तिः, सर्वं शान्तिः, शान्तिरेव शान्तिः, सा मा शान्तिरेधि; शान्तिः शान्तिः शान्तिः एक जलवायु शांति प्रार्थना है। जल, थल, नभ, अंतरिक्ष, वन, उपवन, भवन, ग्राम, नगर, प्रत्येक जीव, जगत के कण कण, भगवान (प्रकृति) व परम चेतना के सभी रूपों में शांति का आह्वान करने वाली यह जलवायु शांति प्रार्थना पर्यावरण मूलक आचार, विचार, व्यहवार की ओर प्रवृत्त करती है।

मेहता ने बताया कि कोप 29 में पारदर्शिता का अभाव रहा। जलवायु परिवर्तन संकट से निपटने, अनुकूलन इत्यादि के लिए विकसित देशों,ग्लोबल नॉर्थ द्वारा विकासशील देशों के लिए मंजूर लगभग 25 लाख करोड़ (300 बिलियन यू एस डॉलर) की राशि ग्लोबल साउथ की मूल जरूरत 100 लाख करोड़ (1.3 ट्रिलियन यू एस डॉलर) से बहुत ही कम है। इस पर भारत ने सम्मेलन के समापन में पूरे ग्लोबल साउथ की आवाज मुखर करते हुए विरोध जताया। मेहता ने कहा कि जलवायु वित्त अभाव के इस दौर में जलवायु परिवर्तन संकट नियंत्रण व इसके निदान के लिए एस डी जी आधारित सस्टेनेबल गोल्स से हरित आधारित एक्शन्स की ओर जाना होगा। लाइफ मिशन (पर्यावरण अनुकूल जीवन शैली) तथा पर्यावरण मूलक दृष्टिकोण, संस्कृति, परम्पराओं की समग्रता से पुनर्स्थापना के हरित (हरित = होलिस्टिक एक्शन्स फॉर रीवाईटेलाईजेशन ऑफ इंडीजीनस ट्रेडिशन्स) कार्यों से हर व्यक्ति जलवायु परिवर्तन संकट से अपने गांव, शहर व पूरे विश्व को बचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है। शिखर सम्मेलन के अपने अनुभवों को साझा करते हुए मेहता ने कहा कि लाइफ व हरित आधारित प्रयासों से पेड़, पानी, मिट्टी व मगरों को बचाना पड़ेगा। यदि ऐसा नहीं हुआ तो उदयपुर सहित राजस्थान के सभी शहरों, कस्बों को जलवायु परिवर्तन की गंभीर आपदाओं व विभीषिकाओं से जूझना पड़ेगा।

टेक्नो एन जे आर इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी के डारेक्टर डॉ. गिरिराज न्याती ने इंडस्ट्री 4.0 पर विचार रखते हुए कहा कि उद्योग जगत ऑटोमेशन व ऊर्जा खपत नियंत्रण द्वारा पर्यावरण लक्ष्यों को प्राप्त करने की दिशा में अग्रसर है। आने वाले समय उद्योग जगत में जबरदस्त बदलाव आएंगे और कार का उदाहरण देते हुए बताया कि जो सुविधा आपको कार में चाहिए मोटर कंपनी तदनुसार वह सुविधा मुहैया करने में सक्षम होगी और कार की सर्विस मॉडल में बदलाव आएगा जिससे माइलेज या समय सीमा के बाद कार मे ऑयल चेन्ज करने को याद रखने की आवश्यकता नहीं होगी क्योंकि कार में ऐसे फीचर्स आएंगे जिससे वह अपने आप संकेत देगी की ऑयल चेंज करना है और उद्योग 4.0 डिजिटल प्रौद्योगिकी में कई प्रमुख नवाचारों के संयोजन को संदर्भित करता है जिसमें उन्नत रोबोटिक्स और कृत्रिम बुद्धिमत्ता, परिष्कृत सेंसरएक्लाउड कम्प्यूटिंग, इंटरनेट ऑफ थिंग्स, डेटा कैप्चर और विश्लेषण, डिजिटल निर्माण, 3डी प्रिंटिंग, स्मार्टफोन और अन्य मोबाइल डिवाइस ऐसे प्लेटफॉर्म जो मोटर वाहनों को निर्देशित करने के लिए एल्गोरिदम का उपयोग करते हैं शामिल हैं। उन्होंने उद्योग 4.0 के भीतर कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) का उपयोग स्मार्ट रखरखाव एमानव-रोबोट सहयोग जेनेरिक डिजाइन के साथ बेहतर उत्पाद बनाना जो लगातार बदलते बाजार के अनुरूप ढलने मे विनिर्माण में क्रांति ला रहा है जिससे स्मार्ट फैक्ट्री अधिक बुद्धिमान लचीली और गतिशील होगी, विनिर्माण प्रक्रियाओं को अलग अलग तरीके से व्यवस्थित किया जाएगा जिसमें संपूर्ण उत्पादन श्रृंखलाएं, आपूर्तिकर्ताओं से लेकर लॉजिस्टिक्स से लेकर किसी उत्पाद के जीवन चक्र प्रबंधन तक कॉर्पोरेट सीमाओं से निकटता से जुड़ी होंगी। समारोह का संचालन तथा धन्यवाद ज्ञापन मानद सचिव इंजी. पीयूष जावेरिया ने किया।

रंगशाला में 'दिलवाले दुल्हनियां दे जायेंगे' नाटक 1 दिसंबर को

उदयपुर (पुकार)। पश्चिम क्षेत्र सास्कृतिक केंद्र उदयपुर द्वारा आयोजित मासिक नाट्य संध्या 'रंगशाला' में रविवार 1 दिसंबर 2024 को नाटक 'दिलवाले दुल्हनियां दे जायेंगे' का मंचन किया जाएगा। पश्चिम क्षेत्र सास्कृतिक केंद्र उदयपुर के निदेशक फुरकान खान ने बताया की प्रति माह आयोजित होने वाली मासिक नाट्य संध्या रंगशाला रविवार 1 दिसंबर 2024 को शिल्पग्राम उदयपुर स्थित दर्पण सभागार में 'दिलवाले दुल्हनियां दे जायेंगे' नाटक का मंचन किया जाएगा। इस नाटक के लेखक अनुरोध शर्मा तथा निर्देशक सुप्रिया शर्मा है। इस नाटक की कहानी एक विवाहित दपंती राज और सिमरन की नोकझोंक, नफरत और प्रेम पर आधारित हैं।

डॉक्टर्स प्रीमियर लीग सीजन 1: क्योर कैप्टन्स बने विजेता

उदयपुर (पुकार)। डगआउट ग्राउंड पर आयोजित डॉक्टर्स प्रीमियर लीग (डीपीएल) सीजन 1 का समापन शानदार अंदाज में हुआ। फार्मेसी प्रैक्टिस विभाग द्वारा आयोजित इस टूर्नामेंट को राजस्थान मेडिकल स्टोर, मोटाभाई किचन, जागृति हर्ब्स, ज्योति स्टोर, डेकाथलॉन का सहयोग मिला। टूर्नामेंट में मेगा ऑक्शन में 60 खिलाड़ियों को छह टीमों में बांटा गया, जिन्होंने दो दिन तक रोमांचक मुकाबले खेले। टीमें और उनके मन्तर थे वेलनेस वॉरियर्स (डॉ. भक्तराज सिंह), हेल्थ हीरोज (डॉ. जे. एस. वघेला और डॉ. वंशिका व्यास), ड्रग डीलर्स (डॉ. ऋषि महेश्वरी), फार्मा टाइगर्स (डॉ. के. एस. राठौड़, डॉ. हर्षिता कालाल, और डॉ. दृष्टि चौहान), क्योर कैप्टन्स (डॉ. एच. एस. उदावत) और रेमेडी किंग्स (डॉ. हितेश कोठारी)। डॉ. वाई. एस. सारंगदेवोत और डॉ. एम. एस. राणावत के मार्गदर्शन में आयोजित इस टूर्नामेंट का संचालन शानदार रहा। आयोजन समिति में जयंत सलवी, मेहुल जैन, और प्रियांशु विजयवर्गीय ने प्रमुख भूमिका निभाई।

वहीं, सोशल मीडिया प्रबंधन की जिम्मेदारी शिवम सोनी, रुद्राक्ष शर्मा, चिराग सोमानी और जयेश सिंघवी ने संभाली। कार्यक्रम की शुरुआत मीताक्षी साराफ और मिताली जैन की एंकरिंग से हुई। इसके बाद राष्ट्रीय गान और प्रायोजकों के स्वागत के साथ टूर्नामेंट की विधिवत शुरुआत हुई। पहले दिन फार्मा टाइगर्स और वेलनेस वॉरियर्स के बीच मुकाबला हुआ, जिसमें वेलनेस वॉरियर्स ने जीत दर्ज की। पहले दिन के अंत तक फार्मा टाइगर्स और रेमेडी किंग्स टूर्नामेंट से बाहर हो गए। दूसरे दिन दोनों सेमीफाइनल और फाइनल मैच खेले गए। पहले सेमीफाइनल में क्योर कैप्टन्स ने हेल्थ हीरोज को हराया। दूसरे सेमीफाइनल में वेलनेस वॉरियर्स ने ड्रग डीलर्स को हराकर फाइनल में प्रवेश किया। फाइनल मुकाबला बेहद रोमांचक रहा। क्योर कैप्टन्स ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 10 ओवर में 119 रन बनाए। दीपक पाटीदार ने 28 गेंदों पर 56 रनों की आतिशी पारी खेली। जवाब में वेलनेस वॉरियर्स 68 रनों पर ढेर हो गए। इस तरह, क्योर कैप्टन्स ने 50 रनों से खिताबी जीत दर्ज की।

पुरस्कार वितरण समारोह में डॉ. वाई. एस. सारंगदेवोत, डॉ. एम. एस. राणावत, डॉ. के. एस. राठौड़, और डॉ. जे. एस. वघेला ने विजेताओं को सम्मानित किया। मैन ऑफ द टूर्नामेंट दीपक पाटीदार को चुना गया, जबकि सर्वश्रेष्ठ गेंदबाज का खिताब दिनेश चौधरी को मिला। विजेता टीम के कप्तान प्रियांशु विजयवर्गीय रहे। प्रधानाचार्य डॉ. वाई. एस. सारंगदेवोत ने टूर्नामेंट की सफलता पर सभी को बधाई दी और आगामी सीजन 2 के लिए शुभकामनाएं दीं। डॉक्टर्स प्रीमियर लीग (डीपीएल) सीजन 1, खिलाड़ियों और आयोजकों के लिए एक यादगार अनुभव साबित हुआ।

नीमच माता मंदिर में दर्शन के साथ योग और प्रकृति का अद्भुत संगम का लुफ्त उठा सकेंगे पर्यटक

उदयपुर (पुकार)। झीलों की नगरी के नाम से जाने वाला शहर अब पर्यटकों और श्रद्धालुओं के लिए एक नया आकर्षण पेश कर रहा है। नीमच माता मंदिर तक पहुंचने के लिए एक अत्याधुनिक रोपवे का निर्माण किया गया है, जो न केवल यात्रा को सुविधाजनक बनाएगा बल्कि झीलों और पहाड़ों के शानदार नज़ारों का आनंद लेने का अवसर भी प्रदान करेगा। योग विशेषज्ञ तेजस्विनी सिंह योगा सिखाएंगी। यह रोपवे न केवल मंदिर तक पहुंचने का एक आसान और सुरक्षित माध्यम होगा, बल्कि इसमें विशेष रूप से एक अलग योग सत्र के लिए स्थान भी उपलब्ध होगा। पर्यटक और श्रद्धालु यहाँ प्राकृतिक और शांत वातावरण में योग कर सकते हैं। झीलों और पहाड़ों से घिरे इस स्थान पर योग करने का अनुभव मन और आत्मा को शांति प्रदान करेगा। नीमच माता मंदिर उदयपुर का एक प्रमुख धार्मिक स्थल है, और इसे श्रद्धालु 'पहाड़ों की वैष्णो देवी' के नाम से भी जानते हैं। मंदिर तक अब तक केवल पैदल रास्ते से पहुँचा जा सकता था, लेकिन इस रोपवे के शुरू होने से हर आयु वर्ग के लोगों के लिए यह यात्रा अधिक सुलभ हो जाएगी।

प्राकृतिक सौंदर्य और स्वास्थ्य के संगम का अवसर

इस परियोजना में योग और ध्यान के लिए विशेष स्थान को प्राथमिकता दी गई है। यहां आने वाले लोग इस सुविधा का लाभ उठाकर प्रकृति की गोद में मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य को बेहतर बनाने का मौका पा सकेंगे। यह परियोजना पर्यावरण के प्रति जागरूकता और पर्यटन को बढ़ावा देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। उदयपुर के ऐतिहासिक और प्राकृतिक सौंदर्य के बीच यह नया रोपवे अनुभव निश्चित रूप से स्थानीय लोगों और पर्यटकों दोनों के लिए एक यादगार अनुभव साबित होगा। नीमच माता रोपवे उदयपुर के पर्यटन को एक नई ऊंचाई पर ले जाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है।

स्वत्वाधिकारी प्रकाशक एवं मुद्रक लोकेश कुमार आचार्य द्वारा पुकार प्रिंटिंग प्रेस 311-ए, चित्रकूट नगर, भुवाणा, पत्रकार विहार, नांदी फाउण्डेशन के सामने, उदयपुर (राज.) में मुद्रित एवं पुकार प्रकाशन संस्थान कार्यालय 311-ए, चित्रकूट नगर, भुवाणा, पत्रकार विहार, नांदी फाउण्डेशन के सामने, उदयपुर (राज.) से प्रकाशित। सम्पादक : लोकेश कुमार आचार्य। केन्द्रीय कार्यालय : प्रेम कुंज 92 नेहरू बाजार उदयपुर। फोन/फैक्स : (0294) 5103299. मोबाइल : 98290 05007, 94140 58114. प्रबंध सम्पादक : लीला राय आचार्य, उप सम्पादक : अजय कुमार आचार्य।। जयपुर कार्यालय : कुंभामार्ग प्रतापनगर, सांगानेर, जयपुर, फोन : (0141) 3271115, E-mail: dainikpukar@yahoo.com.